

पतरातू में डिग्री कॉलेज की मांग को लेकर विधानसभा में गूंजा सवाल, विधायक रोशन लाल चौधरी ने सरकार से मांगा स्पष्ट रोड मैप

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

पतरातू – बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र के विधायक रोशन लाल चौधरी ने पतरातू प्रखंड में डिग्री कॉलेज की स्थापना और उच्च शिक्षा की बेहतर व्यवस्था को लेकर झारखंड विधानसभा में ताराकित प्रश्न के माध्यम से सरकार का ध्यान आकृष्ट कराया है। विधायक रोशन लाल चौधरी ने कहा कि औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार के साथ पतरातू क्षेत्र की आबादी और विद्यार्थियों की संख्या लगातार बढ़ रही है, ऐसे में स्थानीय स्तर पर उच्च शिक्षा की बेहतर सुविधा उपलब्ध कराना बेहद जरूरी है।विधानसभा में पूछे गए सवाल में विधायक रोशन लाल चौधरी ने सरकार से जानना चाहा कि रामगढ़ जिले के पतरातू प्रखंड में डिग्री अथवा तकनीकी महाविद्यालय की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने के कारण विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा के लिए दूसरे क्षेत्रों का रुख करना पड़ रहा है। उन्होंने

राज्य स्तरीय साइकिलिस्ट शांति कुमारी को उपायुक्त ने भेंट की साइकिल



झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

लोहरदगा: जिला प्रशासन की ओर से राज्य स्तरीय साइकिलिस्ट एवं कुटू् प्रखंड के लावागाई गांव निवासी शांति कुमारी को साइकिल प्रदान की गई। मौके पर उपायुक्त संदीप कुमार मीना ने शांति कुमारी से मुलाकात कर उन्हें साइकिल भेंट की और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर उपायुक्त ने कहा कि जिले की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करना सभी की जिम्मेदारी है। खेल के क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर रहे खिलाड़ियों को आवश्यक सहयोग और सुविधाएं उपलब्ध कराने से उनकी प्रतिभाएं उभर निखरने में मदद मिलेगी। उन्होंने शांति कुमारी

गुरु नानक पब्लिक स्कूल में इंटर-हाउस संगीत प्रतियोगिता संपन्न

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रामगढ़। श्री गुरु नानक पब्लिक स्कूल के भव्य ऑडिटोरियम में मंगलवार, 11 अगस्त 2026 को इंटर-हाउस संगीत प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। मधुर संगीत से पूरा ऑडिटोरियम देर तक तालियों की गूंज से सराबोर रहा। कार्यक्रम में विद्यालय के चारों सदनों—साहिबजादा अजीत सिंह हाउस, साहिबजादा जुझार सिंह हाउस, साहिबजादा जोरावर सिंह हाउस और साहिबजादा फतेह सिंह हाउस के छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी बहुमुखी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।प्रतियोगित मे –साहिबजादा अजीत सिंह सदन, साहिबजादा जुझार सिंह सदन, को तुल्य स्थान साहिबजादा जोरावर सिंह सदन को द्वित्य और साहिबजादा फतेह सिंह सदन को प्रथम पुरस्कार दिया गया।संगीत प्रतियोगिता में प्रत्येक सदन से 20-20 विद्यार्थियों ने

नगर पंचायत राजमहल के विभिन्न वार्डों में 1.20 करोड़ की सात योजनाओं का किया शिलान्यास

राजमहल/साहिबगंज नगर पंचायत राजमहल के विभिन्न वार्डों में विकास एवं जनसुविधाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से लगभग १।20 करोड़ की लागत से सात विकास योजनाओं का शिलान्यास किया गया।शिलान्यास कार्यक्रम में नगर पंचायत अध्यक्ष केताबुद्दीन शेख, नगर पंचायत उपाध्यक्ष मो॰ मारूफ, सांसद प्रतिनिधि संजीव शामू हेम्बराम संबंधित वार्डों के वार्ड पार्षदगण सहित कार्यपालक पदाधिकारी दानिश हुसैन, नगर प्रबंधक, कनीय अधिकारी एवं नगर पंचायत के अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।इन योजनाओं के अंतर्गत वार्ड संख्या 11, 12, 13 एवं 14 में जलापूर्ति योजनाओं का शिलान्यास किया गया। इन योजनाओं के पूर्ण होने से संबंधित वार्डों में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ करने एवं नागरिकों को बेहतर जल सुविधा उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी।वहीं वार्ड संख्या 03 एवं 06 में कालीकृत सड़क तथा वार्ड संख्या 12 में पेवर



सरकार से पतरातू में डिग्री महाविद्यालय खोलने की योजना और उसकी संभावित समय-सीमा के संबंध में भी जानकारी मांगी।**सरकार ने बताया – उपयुक्त भूमि की तलाश जारी** सरकार की ओर से दिए गए जवाब में बताया गया कि पतरातू प्रखंड में वर्तमान में पीटीपीएस कॉलेज, पतरातू, जुबली कॉलेज भुरकुंडा और जेएम कॉलेज भुरकुंडा संचालित हैं। वहीं, पतरातू में राजकीय पॉलिटेक्निक संस्थान की स्थापना के लिए 5.37 एकड़ भूमि उपलब्ध कराने की प्रक्रिया का भी उल्लेख किया गया है। डिग्री कॉलेज की स्थापना को लेकर सरकार ने बताया कि मौजा हैसला में पीटीपीएस

द्वारा अधिग्रहित 5.37 एकड़ भूमि को महाविद्यालय के लिए चिन्हित किया गया था, लेकिन जांच के बाद उक्त भूमि डिग्री कॉलेज की स्थापना के लिए उपयुक्त नहीं पाई गई। इसके बाद पुनः विन्यास पत्रांक-723, दिनांक 28 जुलाई 2026 के माध्यम से उपयुक्त भूमि उपलब्ध कराने का अनुरोध किया गया है।**हजारों विद्यार्थियों के भविष्य से जुड़ा है मुद्दा : रोशन लाल चौधरी** विधायक रोशन लाल चौधरी ने कहा कि पतरातू झारखंड का एक महत्वपूर्ण औद्योगिक और तेजी से विकसित हो रहा क्षेत्र है। यहां बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उच्च शिक्षा प्राप्त करना चाहते हैं, लेकिन स्थानीय स्तर पर पर्याप्त शैक्षणिक संस्थान नहीं

शत-प्रतिशत विद्यार्थियों को मध्याह्न भोजन से जोड़ने पर जोर

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

लोहरदगा: उप विकास आयुक्त राज महेश्वरम की अध्यक्षता में मंगलवार को समाहरणालय सभागार में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में विभाग के अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा- निर्देश दिए गए। बैठक में सर्वप्रथम मध्याह्न भोजन योजना की समीक्षा की गई। जिले में योजना के तहत संचालित विद्यालयों और नामांकित छात्र-छात्राओं को उपलब्ध कराए जा रहे मध्याह्न भोजन की स्थिति की जानकारी ली गई। उप विकास आयुक्त ने सभी नामांकित छात्र-छात्राओं को शत-प्रतिशत मध्याह्न भोजन से आच्छादित करने का निर्देश दिया। उन्होंने नामांकन और मध्याह्न भोजन आच्छादन के



आंकड़ों में अंतर वाले विद्यालयों की जानकारी लेते हुए सभी बीपीओ से इसके कारणों की समीक्षा की।उन्होंने विद्यालयों में छात्र-छात्राओं के स्वास्थ्य की निगरानी जांच कराने, नियमित रूप से ह्यतिथि भोजनरूह आयोजित करने तथा मध्याह्न भोजन की नोंडें से आच्छादित करने का निर्देश दिया। उन्होंने नामांकन और मध्याह्न भोजन आच्छादन के

इनर व्हील क्लब ने जरूरतमंद फेरीवालों के बीच बड़े छान्ते का किया वितरण



झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रामगढ़।इनर व्हील क्लब ऑफ रामगढ़ की ओर से जरूरतमंद फेरीवालों एवं ठेला-खोमचा लगाकर आजीविका चलाने वाले लोगों के बीच बड़े छातों का वितरण किया गया। इस सेवा कार्य का उद्देश्य गर्मी एवं बारिश के मौसम में खुले आसमान के नीचे अपना व्यवसाय करने वाले जरूरतमंद लोगों को राहत प्रदान करना था।कार्यक्रम के दौरान क्लब की सदस्यों ने जरूरतमंद फेरीवालों को बड़े छान्ते प्रदान किए, ताकि वे धूप और बारिश से स्वयं तथा अपने सामान की सुरक्षा कर सकें। इस अवसर पर क्लब की सदस्यों ने कहा कि समाज के जरूरतमंद वर्गों की सहायता करना और उनके जीवन को थोड़ा आसान बनाना

मैं शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं की उपस्थिति की नियमित और शत-प्रतिशत एंट्री की भी समीक्षा की गई। उन्होंने कम छात्र उपस्थिति वाले विद्यालयों में सुधार लाने के साथ शिक्षकों की उपस्थिति भी नियमित एवं बेहतर रखने का निर्देश दिया। बैठक में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय, झारखंड बालिका आवासीय विद्यालय एवं नेताजी सुभाष चंद्र बोस आवासीय विद्यालय में संचालित शैक्षणिक एवं अन्य गतिविधियों की भी समीक्षा की गई। डीडीसी ने इन विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, छात्र-छात्राओं की नियमित उपस्थिति और विभागीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने पर जोर दिया। बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, सभी बीपीओ एवं शिक्षा विभाग के अन्य कर्मी उपस्थित थे।

छात्रों के आंदोलन को दबाने वाले खुद मिट जाएंगे : अजय पंकज

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

लोहरदगा: भारतीय जनता पार्टी झारखंड प्रदेश के आह्वान पर छात्र आंदोलन के समर्थन और रांची में आंदोलनरत छात्रों पर कथित रूप से बर्बरतापूर्ण कार्रवाई के विरोध में मंगलवार को झारखंड बंद का आह्वान किया गया।लोहरदगा जिले में भी बंद का असर देखने को मिला। भाजपा के जिला एवं विभिन्न मंडलों के अध्यक्षों के नेतृत्व में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे और शांतिपूर्ण तरीके से बंद को सफल बनाने का प्रयास किया। भाजपा ने बंद को आम लोगों का पूर्ण समर्थन मिलने का दावा किया। इस अवसर पर भाजपा लोहरदगा जिलाध्यक्ष अजय कुमार पंकज ने कहा कि झारखंड सरकार छात्रों के आंदोलन को हल्के में न ले। उन्होंने कहा कि इतिहास गवाह है कि जब-जब छात्र आंदोलन हुए हैं, तब-तब देश और राज्यों की दिशा एवं दशा बदली है। उन्होंने कहा कि छात्र अपनी आवश्यक और



जायज मांगों को संवैधानिक तरीके से उठाते हुए आंदोलन करते हैं। उनकी मांगों को सुनने के बजाय उन पर लाठीचार्ज करना न केवल अलोकतांत्रिक है, बल्कि उनके मौलिक अधिकारों का भी हनन है। इसका दुष्परिणाम संबंधित सरकार को भुगतान पड़ेगा। अजय पंकज ने कहा, हड़ताओं के आंदोलन को मिटाने वाले खुद मिट जाएंगे। यह छात्र आंदोलन निश्चित रूप से हेमंत सरकार के खाल्ते की शुरुआत है और अब हेमंत सरकार का जाना तय हो गया है।ह्द उन्होंने कहा कि छात्रों की सभी मांगें जायज हैं। भाजपा जिलाध्यक्ष ने बंद के दौरान सहयोग करने वाले लोहरदगा जिले एवं विभिन्न मंडलों के आम नागरिकों के प्रति आभार जताया। साथ ही बंद को सफल बनाने में जुटे पार्टी के सभी कार्यकर्ताओं को बधाई दी।

छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध में पतरातू में भाजपा का 'बंद' रहा सफल

पतरातू: जेपीएससी, जेएसएससी ,और सीजीएल परीक्षाओं के शांतिपूर्ण आंदोलन पर हुए बर्बर लाठीचार्ज के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) द्वारा मंगलवार को आहूत राज्यव्यापी बंद का पतरातू में व्यापक असर देखा गया। भाजपा पतरातू मंडल के तत्वावधान में मंडल अध्यक्ष रंजन कुमार भगत के नेतृत्व में पतरातू लेक रिसॉर्ट के मुख्य द्वार और आसपास के बाजार को पूर्णतःबंद कराया गया। सुबह से ही पार्टी कार्यकर्ता और युवा पतरातू लेक रिसॉर्ट के समीप जमा हुए और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। उन्होंने राज्य सरकार पर रोजगार मांगने वाले छात्रों को लाठी से पीटने का आरोप लगाया। इस प्रदर्शन के कारण लेक रिसॉर्ट के प्रवेश द्वार पर आवागमन अवरूद्ध रहा और आसपास की दुकानें रंजन कुमार भगत ने कहा, कल रांची में जिस तरह से शांतिपूर्वक अपनी मांगें रख रहे छात्रों पर पुलिसिया बर्बरता की गई,वह अत्यंत निंदनीय है। राज्य सरकार युवाओं को रोजगार देने में विफल रही है और जब वे अपने अधिकार मांगते हैं,तो उन्हें लाठियों से चुप कराया जाता है। यह बंद छात्रों और एवं सामाजिक लोगों के प्रति भाजपा की एकजुटता का प्रतीक है। हम इस दमनकारी सरकार के खिलाफ अपना संघर्ष जारी रखेंगे।भाजपा का बंदी को जनता एवं व्यापारियों का भरपूर समर्थन मिला इस बंद और प्रदर्शन कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा कार्यकर्ता ,रंजन कुमार भगत मंडल अध्यक्ष, ,रिंदि राज,,अनिल राय, राजानगर प्रजापति,महेंद्र महतो, वाशिश खान, पंकज सिंह,राहुल कु.सिंह ऋषी राज भंडारी,सुखदेव महतो ,रितेश ठाकुर ,संजय रजक, विजय सिंह बनबम रजक ,तथा भारी संख्या में अन्य कार्यकर्ता और स्थानीय लोग उपस्थित थे।भाजपा ने स्पष्ट किया है कि यदि राज्य सरकार छात्रों की मांगों पर जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लेती है और देशियों पर कार्रवाई नहीं करती है,तो आंदोलन को और उा किया जाएगा।

जयनगर से कांवाड़ियों का जत्था बाबा नगरी के लिए हुआ रवाना

पतरातू: पतरातू प्रखंड के जयनगर पंचायत के ठाकुर टोला से कांवरियों का एक जत्था मंगलवार को बाबा नगरी के लिए रवाना हुआ। इस बीच जयनगर पंचायत हर हर महादेव और बोल बम के जयकारों से गुंजायमान रहा। शिव भक्तों के इस जत्थे में मुख्य रूप से चंदन कुमार ठाकुर, अमित ठाकुर, सुनील कुमार, सुनील कुमार, प्रेम ठाकुर, राहुल ठाकुर, सरोज ठाकुर, सत्यम ठाकुर, नंदलाल ठाकुर, छोटू ठाकुर, शिबू ठाकुर तथा नीरज ठाकुर शामिल हैं। बाबा के प्रति अटूट आस्था और विश्वास अपने दिल में संजोय शिव भक्त बाबा नगरी के लिए पूरी तमयता के साथ रवाना हुए।

32वें विश्व आदिवासी दिवस समारोह में मुख्य अतिथि बने सांसद



लोहरदगा:दिल्ली में आदिवासी महासभा की ओर से 32वें विश्व आदिवासी दिवस समारोह का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में लोहरदगा लोकसभा क्षेत्र के सांसद सुखदेव भगत मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने पर आदिवासी समाज के लोगों ने पारंपरिक वेशभूषा, नगाड़े-ढोल और झूमर नृत्य के साथ सांसद का स्वागत किया। समारोह को संबोधित करते हुए सांसद सुखदेव भगत ने विश्व आदिवासी दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह दिन आदिवासी समाज की अस्मिता, संस्कृति और पूर्वजों के संघर्ष को याद कराने का अवसर है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में रहने वाले हजारों आदिवासी आज भी अपनी भाषा, रीति-रिवाज और संस्कृति को जीवित रखे हुए हैं। केवल दिल्ली में रहने से उनकी आदिवासी पहचान समाप्त नहीं हो जाती। उन्होंने मांग की कि उन्हें संविधान में प्राप्त एसटी के सभी अधिकार दिए जाएं। सुखदेव भगत ने जनगणना में सरना धर्म कोड शामिल करने की भी मांग उठाई। उन्होंने कहा कि आदिवासी प्रकृति पूजक हैं और सरना उनका धर्म है। जनगणना में आदिवासियों के लिए अलग धर्म कोड का कॉलम होना चाहिए, ताकि उनकी धार्मिक पहचान सुरक्षित रह सके। उन्होंने कहा कि जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए आदिवासी समाज के पूर्वजों ने अपने प्राणों की कुबानी दी है। आदिवासी क्षेत्रों में पेसा कानून और पांचवीं अनुसूची को पूरी तरह लागू करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आदिवासी क्षेत्रों के खनिज, जंगल और जमीन पर पहला अधिकार आदिवासियों का होना चाहिए। सांसद ने आदिवासियों की पारंपरिक रीति- रिवाज, भाषा, शिक्षा और पर्यावरण संरक्षण के मुद्दों को भी प्रमुखता से उठाया। समारोह में आदिवासी समाज के बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे।

अमित शाह देश को जवाब दें : सांसद

लोहरदगा: लोकसभा क्षेत्र के सांसद सुखदेव भगत ने केन्द्र की नरेंद्र मोदी सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए पैरेट गन के इस्तेमाल को लेकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से जवाब मांगा है। उन्होंने कहा कि संसद में जारी गतिरोध के पीछे जिन गंभीर सवालों के जवाब देश मांग रहा है, सरकार को उन पर स्पष्ट स्थिति रखनी चाहिए। सांसद सुखदेव भगत ने कहा कि राहुल गांधी ने सदन में स्पष्ट रूप से तीन मांगें रखी हैं। उन्होंने कहा कि यदि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह सदन में आते हैं तो किसी अन्य विधेयक पर चर्चा करने से पहले उन सवालों का जवाब दें, जिनको लेकर लगातार गतिरोध बना हुआ है। उन्होंने सवाल उठाया, पैरेट गन चलाने का आदेश किसने दिया ?ह्द सांसद ने कहा कि इसका जवाब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को देना होगा। उन्होंने कहा कि यदि गृह मंत्री को इसकी जानकारी नहीं है तो यह उनकी जिम्मेदारी और क्षमता पर गंभीर सवाल खड़ा करता है। उनके अनुसार, एक स्थिति में जिम्मेदारी तय होती है और दूसरी स्थिति में अक्षमता सामने आती है। दोनों परिस्थितियों में अमित शाह को अपने पद से इस्तीफा देना चाहिए। सांसद ने राम मंदिर में चोरी के कथित मामले को लेकर भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने सवाल किया कि इतने गंभीर मामले पर प्रधानमंत्री की ओर से अब तक स्पष्ट प्रतिक्रिया क्यों नहीं आई। उन्होंने आरोप लगाया कि मामले से जुड़े लोगों में प्रधानमंत्री कार्यालय से जुड़े कर्मीों लोगों तथा दूरस्ट से जुड़े सदस्यों की भूमिका को लेकर भी सवाल उठाए जा रहे हैं।सुखदेव भगत ने कहा कि इस पूरे प्रकरण में आरएसएस और भाजपा से जुड़े लोगों की सलिपताप के आरोप सामने आ रहे हैं। ऐसे में प्रधानमंत्री और भाजपा नेतृत्व की चुप्पी कई सवाल खड़े करती है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी या भाजपा के संरक्षण के बिना ऐसी कार्रवाई संभव नहीं है और इसी कारण इस मुद्दे पर चुप्पी साधी जा रही है। सांसद ने केंद्र सरकार से दोनों मामलों में देश के सामने सच्चाई स्पष्ट करने और जिम्मेदार लोगों की जवाबदेही तय करने की मांग की। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सरकार से सवाल पूछना विश्व का अधिकार ही नहीं, बल्कि जनता के प्रति उसकी जिम्मेदारी भी है।

विधानसभा घेराव : रांची डीसी और एसएसपी की प्रेस कॉन्फ्रेंस, कहा, उपद्रवियों की होगी पहचान, सीसीटीवी और ड्रोन फुटेज से होगी कार्रवाई

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। जेपीएससी और अन्य भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं के खिलाफ छात्रों के विधानसभा घेराव के बाद रांची प्रशासन ने पूरे घटनाक्रम को लेकर प्रेस वार्ता की. रांची डीसी मंजूनाथ भजंत्री और एसएसपी राकेश रंजन ने आंदोलन के दौरान हुई घटनाओं की जानकारी दी. दोनों अधिकारियों ने कहा कि अधिकांश छात्र शांतिपूर्ण तरीके से आंदोलन कर रहे थे. कुछ शरारती और असामाजिक तत्वों ने माहौल बिगाड़ने की कोशिश की. जिसके बाद पुलिस को स्थिति नियंत्रित करने के लिए न्यूनतम बल का इस्तेमाल करना पड़ा.

छात्रों ने शांतिपूर्ण तरीके से किया प्रदर्शन- डीसी

रांची के डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने कहा कि झारखंड के छात्र शांतिपूर्ण तरीके से अपनी मांगों को लेकर



प्रदर्शन कर रहे थे. प्रशासन ने भी पूरे आंदोलन के दौरान संयम बरता. उन्होंने कहा कि आंदोलन में शामिल अधिकांश छात्रों ने अनुशासन बनाए रखा लेकिन कुछ असामाजिक तत्वों ने माहौल बिगाड़ने का प्रयास किया. डीसी ने कहा कि कुछ लोग पुलिसकर्मियों को गालियां दे रहे थे और स्थिति को तनावपूर्ण बनाने की कोशिश कर रहे थे. ऐसे में जहां जरूरत महसूस हुई, वहां पुलिस ने न्यूनतम बल प्रयोग करते हुए स्थिति को नियंत्रित किया. उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रशासन की प्राथमिकता आंदोलन को शांतिपूर्ण बनाए रखना

और कानून-व्यवस्था कायम रखना था. पुलिस की ओर से किसी तरह की अनावश्यक कार्रवाई नहीं की गई.

मंगलवार को बंद के दौरान उपद्रव हुआ तो होगी कार्रवाई

आंदोलन के बाद मंगलवार को प्रस्तावित बंद को लेकर भी डीसी ने प्रशासन का रुख स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि बंद के दौरान लोगों को शांतिपूर्ण तरीके से अपनी बात रखने का अधिकार है. यदि कोई व्यक्ति विधि-व्यवस्था बिगाड़ने, हिंसा करने, तोड़फोड़ करने या

किसी तरह का उपद्रव करने की कोशिश करेगा तो उसके खिलाफ पुलिस कार्रवाई करेगी. डीसी ने लोगों से अपील की कि बंद के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखें और किसी भी तरह की अफवाह या उकसावे में न आएं.

दूसरे जिलों से आए छात्रों की वापसी में प्रशासन करेगा मदद

डीडी मंजूनाथ भजंत्री ने कहा कि आंदोलन में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में छात्र दूसरे जिलों से रांची पहुंचे हैं. यदि किसी छात्र को आंदोलन के बाद अपने घर लौटने में परेशानी हो रही है तो प्रशासन उनकी मदद करेगा. उन्होंने कहा कि जरूरत पड़ने पर छात्रों को उनके घर वापस भेजने में प्रशासन की ओर से हरसंभव सहयोग किया जाएगा. प्रशासन का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बाहर से आए छात्रों को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े.

कोयला कारोबारियों के यहां से जब्त डिजिटल डिवाइस को विशेषज्ञों की टीम करेगी जांच

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। प्रवर्तन निदेशालय (इडी) के निर्देश पर फॉरेंसिक विशेषज्ञों की एक टीम सोमवार को रांची पहुंची. टीम कोयला कारोबारियों के ठिकानों से जब्त मोबाइल व अन्य डिजिटल डिवाइस से डिलीट किये गये डाटा को रिकवर करेगी. बताया जा रहा है कि इससे मिलनेवाले साक्ष्यों के आधार पर कोयले के अवैध कारोबार, इसमें संलिप्त लोगों तथा संरक्षण देने वाले अधिकारियों की भूमिका की जांच आगे बढ़ेगी. उल्लेखनीय है कि इडी ने कोयला कारोबार से जुड़े मामले में 28 जुलाई को धनबाद स्थित कारोबारियों के ठिकानों पर छापेमारी की थी. यह कार्रवाई एलबी सिंह और अनिल गोयल से संबंधित लोगों के परिसरों पर की गयी थी. इसमें एलबी सिंह के साले रंजीत कुमार सिंह तथा धनबाद नगर निगम के उप महापौर के

एसएसपी बोले- पुलिस ने ना के बराबर किया बल प्रयोग

रांची के एसएसपी राकेश रंजन ने कहा कि विधानसभा घेराव के दौरान पुलिस ने ना के बराबर बल का प्रयोग किया. उन्होंने कहा कि पुलिस लगातार संयम के साथ स्थिति को संभालने का प्रयास कर रही थी. एसएसपी के मुताबिक, कुछ लोग जानबूझकर माहौल बिगाड़ने की कोशिश कर रहे थे. इसी दौरान हुई घटनाओं में 14 पुलिसकर्मी चोटिल हुए हैं. उन्होंने कहा कि पुलिसकर्मियों ने भी काफी संयम के साथ अपनी ड्यूटी निभाई. एसएसपी राकेश रंजन ने सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो को लेकर भी चिंता जताई. उन्होंने कहा कि कुछ शरारती तत्व घटनाक्रम के छोटे-छोटे वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर डालकर एक विशेष नैरेटिव सेट करने की कोशिश कर रहे हैं.

टकराव नहीं, संवाद से निकले समाधान : युवा राजद

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। विधानसभा घेराव के दौरान छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई को लेकर युवा राष्ट्रीय जनता दल ने चिंता जताई है. संगठन ने शांतिपूर्ण छात्रों को संयमपूर्वक रोकने और सहयोग करने वाले पुलिसकर्मियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लोकतांत्रिक आंदोलन के दौरान पुलिस-प्रशासन का संवेदनशील रवैया सराहनीय है. वहीं कुछ स्थानों पर कथित लाठीचार्ज और आंसू गैस के इस्तेमाल को लेकर निष्पक्ष जांच की मांग की गई है. युवा राजद ने कहा कि कुछ स्थानों से सामने आई तस्वीरें और वीडियो चिंताजनक हैं. छात्रों के अनुसार कुछ जगहों पर बर्बरतापूर्ण लाठीचार्ज किया गया और कथित रूप से एक्सपायर्ड आंसू गैस के गोले इस्तेमाल किए गए. शाम के समय विधानसभा की लाइट बंद कर छात्रों पर लाठीचार्ज किए जाने के आरोप भी सामने आए हैं. संगठन ने कहा कि यदि इन आरोपों में सच्चाई है तो पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर देणियों पर कार्रवाई होनी चाहिए. संगठन ने कहा कि छात्र उनके विरोधी नहीं हैं, बल्कि



झारखंड के भविष्य हैं. वे अपने अधिकार, हक और रोजगार से जुड़े सवालों को लेकर लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठा रहे थे. यदि आंदोलन के दौरान किसी व्यक्ति ने कानून-व्यवस्था का उल्लंघन किया था तो प्रशासन को संबंधित लोगों को चिन्हित कर नियमानुसार कार्रवाई करनी चाहिए थी. शांतिपूर्ण छात्रों पर सामूहिक रूप से बल प्रयोग किसी भी परिस्थिति में उचित नहीं है. युवा राजद ने विधानसभा घेराव के दौरान विपक्षी दलों की भूमिका पर भी सवाल उठाया. संगठन ने कहा कि जनता ने अपने मत देकर विपक्षी विधायकों को सदन में भेजा है, ताकि वे विधानसभा में सरकार से सवाल पूछें और जनता की आवाज उठाएं. लेकिन सदन की कार्यवाही के दौरान विपक्ष के नेताओं के मुख्यमंत्री आवास के गेट पर राजनीतिक

जेपीएससी ने फॉरेस्ट रेंज अफसर और एसीएफ की शारीरिक परीक्षा की स्थगित, अगले आदेश तक रोक

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। झारखंड लोक सेवा आयोग ने फॉरेस्ट रेंज अफसर तथा असिस्टेंट कंजर्वेटर ऑफ फॉरेस्ट्स भर्ती से जुड़ी शारीरिक परीक्षण परीक्षा को अगले आदेश तक के लिए स्थगित कर दिया है. आयोग के परीक्षा नियंत्रक की ओर से सोमवार को इस संबंध में निर्देश जारी किया गया. परीक्षा स्थगित किए जाने से बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों की निर्धारित शारीरिक परीक्षा फिलहाल टल गई है. आयोग की ओर से जारी सूचना के अनुसार फॉरेस्ट रेंज अफसर के 170 पदों पर नियुक्ति के लिए शारीरिक परीक्षण 11, 12 और 13 अगस्त 2026 को आयोजित किया जाना था. इस परीक्षा में कुल 743 अभ्यर्थियों को शामिल होना था. वहीं, सहायक वन क्षेत्र पदाधिकारी के 78 पदों पर नियुक्ति के लिए शारीरिक परीक्षण 17 और 18 अगस्त को प्रस्तावित था. जिसमें 368 अभ्यर्थी शामिल होने वाले थे. अब दोनों परीक्षाएं अगले आदेश तक स्थगित कर दी गई हैं. नई तिथि



की घोषणा बाद में की जाएगी.

छात्र आंदोलन के बीच परीक्षा स्थगित

जेपीएससी की ओर से यह फैसला ऐसे समय में आया है, जब राज्य में आयोग की कार्यप्रणाली, भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शता और परीक्षा सुधार को लेकर छात्रों का आंदोलन लगातार चर्चा में हैं. खासकर 14वीं सिविल सेवा प्रारंभिक परीक्षा के परिणाम को लेकर अभ्यर्थियों की ओर से सवाल उठाए गए हैं. परिणाम में कटऑफ जारी नहीं किए जाने और कुछ अभ्यर्थियों के चयन को लेकर उठे सवालों के बाद मामला निवादी में रहा. बाद में मामले को लेकर न्यायिक स्तर पर भी कार्रवाई

हुई और सफल अभ्यर्थियों की मेरिट सूची जारी की गई. इसी बीच जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म की मांग को लेकर रांची में छात्रों का आंदोलन भी जारी है. छात्र भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता, समयबद्ध नियुक्ति प्रक्रिया, परीक्षा केंलेंडर और संस्थागत सुधार की मांग कर रहे हैं. आंदोलन के दौरान विधानसभा घेराव और पुलिस कार्रवाई को लेकर भी विवाद सामने आया है. अभ्यर्थी मोहम्मद गुलाम ने कहा कि झारखंड लोक सेवा आयोग की फॉरेस्ट रेंज ऑफिसर और असिस्टेंट कंजर्वेटर ऑफ फॉरेस्ट्स की परीक्षा गंभीर विवादों और अनियमितताओं के घेरे में रही है.

हंगामे के बीच झारखंड विधानसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। हंगामे के बीच झारखंड विधानसभा की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई. विधानसभा अध्यक्ष ने हंगामे के बीच सदन की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी. इसके साथ ही मौजूदा विधानसभा सत्र का समापन निर्धारित समय से एक दिन पहले हो गया. सदन की कार्यवाही 12 अगस्त तक प्रस्तावित थी. झारखंड विधानसभा की कार्यवाही निर्धारित समय से एक दिन पहले अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किए जाने को लेकर विपक्ष ने सरकार और विधानसभा अध्यक्ष पर निशाना साधा है. बाबूलाल मरांडी ने आरोप लगाया कि विधानसभा अध्यक्ष केवल सत्ता पक्ष की बात सुनते हैं और विपक्ष को अपनी बात रखने का पर्याप्त मौका नहीं दिया जाता.



बाबूलाल मरांडी ने कहा कि बीजेपी छात्रों के मुद्दे पर विधानसभा में चर्चा करना चाहती थी. मानसून सत्र के चौथे दिन छात्र आंदोलन और विधानसभा में घेराव के दौरान हुए लाठी चार्ज को लेकर विपक्ष ने जोरदार हंगामा किया. विपक्षी विधायक वेल में घुसे और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की. इधर विपक्ष का हंगामा देख सत्ता पक्ष के विधायक भी वेल में घुसे और नारेबाजी करने लगे. सदन पूरी तरह से अव्यवस्थित हो गया. स्पीकर रवींद्र नाथ महतो विधायकों से सीट पर वापस जाने का आग्रह करते रहे, लेकिन विधायक मानने को तैयार नहीं हुए.

झारखंड में अगले चार दिन मानसून रहेगा सक्रिय, 12-15 अगस्त तक होगी बारिश

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

रांची। राजधानी रांची में मंगलवार शाम मौसम ने अचानक करवट ली. करीब 5 बजे ही आसमान में अंधेरा छा गया और इसके बाद तेज बारिश के साथ जोरदार मेघ गर्जन हुआ. अब मौसम केंद्र रांची के पूर्वानुमान के मुताबिक अगले चार दिनों तक राज्य के अलग-अलग हिस्सों में बारिश और मेघ गर्जन का सिलसिला जारी रहने की संभावना है. 12 अगस्त को राज्य के कई हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है. खासकर देवघर, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़ और साहिबगंज में गरज-चमक के साथ बारिश और 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की संभावना है. 13 अगस्त को बारिश का असर और व्यापक हो सकता है. इस दिन



पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा और सरायकेला-खरसावा में कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना है. राज्य के अन्य हिस्सों में भी गरज के साथ बारिश और तेज हवा का दौर देखने को मिल सकता है.

14 और 15 अगस्त को कैसा रहेगा मौसम

14 अगस्त को मौसम की गतिविधियां और बढ़ने का अनुमान है. रांची, खूंटी, गुमला, लोहरदगा और लातेहार में कहीं-

फीसदी कम बारिश

झारखंड में मानसून की बारिश का आंकड़ा अब भी सामान्य से नीचे बना हुआ है. मौसम केंद्र रांची के 1 जून से 11 अगस्त 2026 तक के आंकड़ों के मुताबिक, राज्य में अब तक 483.5 मिलीमीटर बारिश हुई है, जबकि इस अवधि में सामान्य बारिश 616.5 मिलीमीटर होनी चाहिए थी. इस हिसाब से झारखंड में सामान्य से 133 मिलीमीटर कम बारिश हुई है जो सामान्य से 22 फीसदी कम है.

पश्चिमी सिंहभूम में सामान्य से ज्यादा बारिश

फिलहाल पश्चिमी सिंहभूम एकमात्र ऐसा जिला है जहां सामान्य से अधिक बारिश हुई है. यहां 739 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जबकि सामान्य बारिश 609.1 मिलीमीटर है यानी यहां 21

फीसदी अधिक बारिश हुई है. यह राज्य का फिलहाल एकमात्र जिला है जहां बारिश सामान्य से अधिक यानी अधिक बारिश की श्रेणी में है.

राज्य के आठ जिलों में सामान्य बारिश

मौसम केंद्र रांची के रिपोर्ट के मुताबिक 24 में से 8 जिले ऐसे हैं जहां सामान्य बारिश रिकॉर्ड हुई है. इनमें धनबाद, दुमका, पूर्वी सिंहभूम, खूंटी, रांची, साहिबगंज, सरायकेला-खरसावां और सिमडेगा जिला शामिल है. इन जिलों में 19 फीसदी कम बारिश हुई है जो सामान्य की श्रेणी में आती है. दूसरी ओर राज्य के कई जिलों में बारिश का स्तर कहीं कमजोर बनी हुई है. खास तौर पर चतरा, गढ़वा, पाकुड़, गिरिडीह और देवघर में सामान्य से काफी कम बारिश हुई है.

साहिबगंज जिला में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए खुले सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस - विधायक

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

राजमहल/साहिबगंज।राजमहल विधायक मो तাজउद्दीन उर्फ एमटी राजा ने साहिबगंज जिला के सरकारी विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने एवं विद्यार्थियों को बेहतर सुविधाएं प्रदान के उद्देश्य से कम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस उत्कृष्ट विद्यालय योजना के तहत विद्यालय स्थापित करने की मांग को प्रमुखता से सदन की कार्रवाई के दौरान तारांकित प्रश्न के तहत सदन में रखे हैं। उन्होंने सदन को अवगत कराया है कि साहिबगंज जिला देश का अति पिछड़े जिलों के श्रेणी में सम्मिलित है ऐसे में यहां गुणवत्तापूर्ण शिक्षा स्थापित करना अति आवश्यक है इस दृष्टिकोण से यहां कम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस विद्यालय की स्थापना अति आवश्यक है इस पर

रांची में हुए छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध में भाजपा का बंद, तीनपहाड़ में सड़क जाम कर जताया विरोध



झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

तीनपहाड़/साहिबगंज। रांची में छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई के विरोध में मंगलवार को आहुत झारखंड बंद का असर तीनपहाड़ में भी देखने को मिला। भाजपा कार्यकर्ताओं ने बंद के समर्थन में स्टेशन चौक और बैंक मोड़ के समीप सड़क पर उतरकर प्रदर्शन किया।कार्यकर्ताओं ने सड़क पर टायर जलाकर मुख्य मार्ग को जाम कर दिया और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान कार्यकर्ता काफी देर तक सड़क पर

झारखंड बंद के समर्थन में दिग्घी चौक पर जोरदार प्रदर्शन, शांतिपूर्ण तरीके से कराया बाजार बंद

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

बरहरवा/साहिबगंज। झारखंड प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के आह्वान पर मंगलवार को झारखंड बंद के समर्थन में पटना प्रखंड के दिग्घी चौक में कार्यकर्ताओं ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। बंद के दौरान कार्यकर्ताओं ने सड़क पर उतरकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और दिग्घी चौक सहित आसपास के बाजारों को शांतिपूर्ण तरीके से बंद कराया।कार्यकर्ताओं का कहना था, कि छात्रों के साथ कथित तौर पर बर्बरतापूर्ण मारपीट और उनके अधिकारों के हनन की घटना अत्यंत गंभीर है। इसी के विरोध में झारखंड बंद का आह्वान किया गया है। प्रदर्शनकारियों ने सरकार से छात्रों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने तथा संबंधित मामले में निष्पक्ष जांच कर दोषियों

बाढ़ आपदा से निपटने के लिए मंत्री से मिले विधायक, साहिबगंज जिला में बाढ़ की स्थिति उपन है त्वरित राहत कार्य की आवश्यकता -विधायक.

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

साहिबगंज।राजमहल विधायक मो तাজउद्दीन उर्फ एमटी राजा ने मंत्री हरजान अंसारी को साहिबगंज जिले के विभिन्न प्रखंडों में गंगा नदी के जलस्तर में वृद्धि एवं बाढ़ की स्थिति से अवगत कराते हुए मांग पत्र सौंपा है। उन्होंने कहा कि बाढ़ की स्थिति उत्पन्न होने के कारण बड़ी संख्या में ग्रामीण परिवार प्रभावित हुए हैं। बाढ़ के कारण कई गांवों में जलजमाव, आवागमन में बाधा, कच्चे एवं कमगंधी मकानों को क्षति, फसलों एवं पशुधन का नुकसान तथा दैनिक जीवन की आवश्यक गतिविधियां प्रभावित हुई हैं। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को सुरक्षित स्थानों तक पहुंचाने, भोजन, पेयजल, दवा, आवश्यक सामग्री एवं अन्य राहत सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ प्रभावित परिवारों को नियमानुसार तत्काल राहत राशि उपलब्ध कराना अत्यंत आवश्यक है। साथ ही, बाढ़ के कारण क्षतिग्रस्त सड़क, पुल-पुलिया, विद्युत व्यवस्था,

स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग झारखंड सरकार की ओर से उत्तर देते हुए बताया गया है कि वर्तमान में साहिबगंज जिले में चार मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय संचालित हैं अन्य विद्यालय को चयनित करने की प्रक्रिया चल रही है वर्तमान में मंत्री परिषद से स्वीकृति के लिए राजमहल के प्लस टू जेके उच्च विद्यालय को भेजा गया है।

विधायक ने सदन में उठाया उधवा जर्जर आदिवासी छात्रावास का मुद्दा।

विधायक आदरणीय मो तাজउद्दीन उर्फ एमटी राजा ने सदन में तारांकित प्रश्न के तहत उधवा प्रखंड के प्लस टू उच्च विद्यालय परिसर में आदिवासी छात्रावास की जर्जर स्थिति को प्रमुखता से उठाया है उन्होंने कहा कि आदिवासी



छात्रावास में निर्धारित क्षमता से अधिक छात्रों के रहने और उन्हें आवास भोजन एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं के लिए काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में छात्रावास का शीघ्र सरकार के माध्यम से निरीक्षण हो तथा आवश्यकता के अनुसार नए भवन का निर्माण कर पुराने भवन का जिर्णोद्धार कराया जाए। मामले में संबंधित विभाग ने कहा है कि छात्रावासों की मरम्मती की प्रक्रिया चल रही है इसके निमित्त किया

जाएगा।

साहिबगंज में रेसलिंग डेवलपमेंट सेंटर की स्थापना कर प्रशिक्षित कोच एवं सामग्री उपलब्ध हो।

राजमहल विधायक मो ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा ने विधानसभा सत्र की कार्रवाई के दौरान शून्य काल में साहिबगंज जिला कुश्ती के क्षेत्र में रेसलिंग डेवलपमेंट सेंटर की स्थापना एवं प्रशिक्षित कोच के साथ सामग्री उपलब्ध कराने की मांग को प्रमुखता से रखे हैं उन्होंने कहा की कुश्ती के क्षेत्र में साहिबगंज जिला विशिष्ट स्थान रखता है जिले में युवा में कुश्ती के प्रति विशेष रुचि एवं प्रतिभा है परंतु प्रशिक्षण उपकरण एवं सूची के समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण प्रतिभावन खिलाड़ियों को उचित अवसर नहीं मिल पा रहा है इसलिए सरकार की ओर से इस दिशा में पहल की जाए।

छात्रों पर लाठीचार्ज के विरोध में साहेबगंज बंद, भाजपा कार्यकर्ताओं ने बाजारों में किया जनसंपर्क

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

साहेबगंज।जेपीएससी/जेएसएससी -सीजीएल परीक्षा में कथित गड़बड़ियों और छात्रों के साथ हुई लाठीचार्ज की कार्रवाई के विरोध में भारतीय जनता पार्टी, झारखंड प्रदेश के आह्वान पर मंगलवार को साहेबगंज सहित जिले के विभिन्न मंडलों में बंद का आयोजन किया गया। भाजपा कार्यकर्ताओं ने सुबह 8 बजे से विभिन्न बाजारों में दुकानदारों, व्यापारियों एवं आम नागरिकों से बंद को सफल बनाने की अपील की।बंद के दौरान कई दुकानदारों ने भाजपा कार्यकर्ताओं ने घूम-घूमकर दुकानदारों से प्रतिष्ठान बंद रखने का आग्रह किया। भाजपा जिला संगठन के अनुसार, दुकानदारों, व्यापारियों एवं आम नागरिकों ने बंद का समर्थन किया। पार्टी ने बंद को सफल बनाने में



सहयोग के लिए आम जनता एवं व्यवसायियों के प्रति आभार जताया।साहेबगंज नगर में उनकी आवाज दबाने का प्रयास। भाजपा साहेबगंज जिला अध्यक्ष गौतम कुमार यादव ने कहा कि जेपीएससी/जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा में कथित गड़बड़ी को लेकर छात्र लंबे समय से आंदोलन कर रहे हैं। लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांग रखने वाले छात्रों पर लाठीचार्ज करना सरकार की संवेदनहीनता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि भाजपा छात्रों के

हालांकि सदन की ओर से इस पर सदन सकारात्मक आश्वासन प्राप्त हुआ है।

उधवा चौक से उधवा नाला तक फोरलेन सड़क किनारे जल निकासी की हो व्यवस्था।

विधायक मो ताजउद्दीन उर्फ एमटी राजा ने सदन के शून्य काल की कार्रवाई के दौरान उधवा प्रखंड के उधवा चौक से उधवा नाला तक फोरलेन सड़क किनारे जल निकासी की व्यवस्था पर पहल करने की मांग किए हैं उन्होंने सदन को अवगत कराया है कि जल निकासी की समुचित व्यवस्था नहीं होने के कारण बरसात के मौसम में जल जमा होती है और दोनों ही तरफ आवागमन में काफी परेशानी का सामना होता है ऐसे में सड़क के दोनों तरफ नाला का निर्माण अति आवश्यक है।



साहिबगंज। जिले के वास्कोला सकरी गली गांव में मंगलवार को जस्ट राइट फॉर विल्डन के तत्वावधान में मंथड़स दौरान उपस्थित ग्रामीणों को बाल विवाह एवं बाल श्रम जैसी सामाजिक कुुरीतियों को रोकने के लिए सामूहिक रूप से प्रयास करने की अपील की गई। साथ ही बच्चों की सुरक्षा, शिक्षा और अधिकारों के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों ने बाल विवाह, बाल श्रम और बाल तस्करी को रोकने तथा बच्चों के अधिकारों की रक्षा करने की शपथ ली। मौके पर मुखिया, आशा कारकर्ता सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

वन महोत्सव पर विधायक निसात आलम ने दिया हरियाली का संदेश, विधानसभा परिसर में किया पौधारोपण

बरहरवा/साहिबगंज।

77वें

राज्यव्यापी वन महोत्सव के अवसर पर मंगलवार को झारखंड विधानसभा परिसर, रांची में पाकुड़ विधायक निसात आलम ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस दौरान उन्होंने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में पौधे लगाने और उनकी देखभाल करने की अपील की। विधायक निसात आलम ने कहा कि तेजी से बदलते पर्यावरणीय परिस्थितियों के बीच पेड़ - पौधों का महत्व और भी बढ़ गया है। वृक्ष न केवल पर्यावरण को संतुलित रखने में अहम भूमिका निभाते हैं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने में भी महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने कहा कि वन महोत्सव को महज एक दिवसीय कार्यक्रम तक सीमित नहीं रखना चाहिए। पौधारोपण के बाद पौधों की नियमित देखभाल और संरक्षण भी उतना ही जरूरी है। उन्होंने आम लोगों, जनप्रतिनिधियों और सामाजिक संगठनों से पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक रूप से आगे आने का आह्वान किया। विधायक ने कहा कि गांवों, शहरों, विद्यालयों और सार्वजनिक स्थलों पर व्यापक स्तर पर पौधारोपण कर हरित क्षेत्र को बढ़ाया जा सकता है। पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना आज की सबसे बड़ी जरूरतों में से एक है। विधानसभा परिसर में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पर्यावरण संरक्षण को लेकर लोगों को जागरूक किया गया तथा अधिक से अधिक पौधे लगाने का संदेश दिया गया। विधायक निसात आलम के पौधारोपण से कार्यक्रम में हरियाली और पर्यावरण संरक्षण के प्रति सकारात्मक संदेश गया।

छात्रों पर हुए लाठीचार्ज को लेकर उधवा में भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया चक्का जाम सह प्रदर्शन

उधवा/साहिबगंज।भारतीय जनता पार्टी

उधवा प्रखंड में मंगलवार को दर्जनों भाजपा कार्यकर्ताओं ने चक्का जाम सह प्रदर्शन किया।दरअसल जेपीएससी परीक्षा मामले को लेकर रांची में छात्रों पर हुए लाठीचार्ज एवं बर्बर कार्रवाई के विरोध में झारखंड प्रदेश भाजपा द्वारा मंगलवार को झारखंड बंद का आह्वान किया गया था। इसी को सफल बनाने को लेकर भाजपा के उधवा मंडल अध्यक्ष पिटू घोष उर्फ कालू के नेतृत्व में उधवा - बरहरवा मुख्य सड़क स्थित रामपुर चौक में चक्का जाम सह प्रदर्शन किया।इस दौरान कार्यकर्ताओं ने झारखंड सरकार के विरोध में जाम कर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन व गठबंधन सरकार के विरुद्ध जमकर नारेबाजी किया।मंडल अध्यक्ष पिटू घोष ने कहा कि जेपीएससी परीक्षा लीक मामले में छात्रों द्वारा विरोध प्रदर्शन करने में सरकार द्वारा छात्रों पर हुए लाठीचार्ज एवं बर्बर कार्रवाई की गई है।कहा कि जेपीएससी परीक्षा रह हो एवं पेपर लीक मामले में सीबीआई जांच हो।हवाई जिला महामंत्री धनंजय मंडल ने कहा कि रांची में अपने हक के लिए प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज किया गया।कहा कि भाजपा छात्रों का समर्थन करती है।इधर विधि व्यवस्था पर राधानगर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज,एसआई पंकज दुबे, गंगा प्रसाद यादव, एएसआई सुविल कुमार मेहता सहित पुलिस बल प्रदर्शन स्थल पर तैनात थे। मौके पर मंडल महामंत्री धर्मराज मंडल,मनोज ठाकुर,पूर्व मंडल अध्यक्ष सह जिप सदस्य प्रताप राय,पूर्व मंडल अध्यक्ष सुनील प्रमाणिक,कुंदन राज,राहुल भगत, सुदाम महतो,मोफजुल हक,गोलक साहा, बमबम भगत,उत्तम ठाकुर, मिटू घोष,दिलीप मंडल,ललन राय,सहित अन्य लोग मौजूद थे।

सिलीगुड़ी ले जाकर रेलवे स्टेशन पर छोड़ गया युवक, चार दिन बाद सकुशल मिला किशोर

बरहरवा/साहिबगंज। जिले के कोटालपोखर थाना क्षेत्र के सिहलीडांगा गांव से लापता 13 वर्षीय अब्दुल मुस्लिम के सकुशल मिलने से परिजनों ने राहत की सांस ली है। चार दिनों से लापता किशोर बिहार के किशनगंज जिले के तुलसिया हॉल्ट रेलवे स्टेशन के समीप मिला। सूचना मिलने के बाद उसके पिता महबूब आलम समेत अन्य परिजन किशोर को वापस लाने के लिए किशनगंज रवाना हो गए हैं। बताया गया कि अब्दुल चार दिन पूर्व शाम करीब सात बजे घर से दुकान जाने की बात कहकर निकला था। काफी देर तक घर नहीं लौटने पर परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की। रिश्तेदारों और आसपास के इलाकों में खोजबीन के बावजूद जब उसका पता नहीं चला तो कोटालपोखर थाने में शिकायत दर्ज कराई गई। इसी बीच किशनगंज जिले के तुलसिया पंचायत के वार्ड संख्या तीन के सदस्य जुनेद आलम की नजर तुलसिया हॉल्ट के पास रोते हुए एक किशोर पर पड़ी। पृछताछ करने पर किशोर ने अपनी पहचान अब्दुल मुस्लिम के रूप में बताई। उसने बताया कि उसके गांव का ही एक युवक उसे अपने साथ सिलीगुड़ी ले गया था। सिलीगुड़ी में घुमाने के बाद युवक उसे ट्रेन से तुलसिया हॉल्ट पर उतारकर चला गया। किशोर के पास सिर्फ 10 रुपये थे। मामले की जानकारी मिलने के बाद वार्ड सदस्य ने स्थानीय पुलिस को सूचना दी और उसे सुरक्षित अपने घर ले आए। इसके बाद सोशल मीडिया के जरिए साहिबगंज के यू-ट्यूबर और समाजसेवियों से संपर्क किया गया। उनके प्रयास से अब्दुल के परिजनों का मोबाइल नंबर मिला और उन्हें किशोर के सकुशल होने की सूचना दी गई। परिजनों से बातचीत में किशोर ने अपने साथ हुई पूरी घटना की जानकारी दी। इधर, कोटालपोखर थाना प्रभारी पवन कुमार ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद पुलिस किशोर की तलाश कर रही थी। वार्ड सदस्य के माध्यम से उसके सकुशल मिलने की जानकारी मिली है। परिजन किशोर को वापस लाने के लिए किशनगंज रवाना हो चुके हैं।

राजमहल अनुमंडल अस्पताल में39 योजनाओंपरबनी सहमति, मरीजोंकी सुविधाओंपरस्ट्रेठा विशेष जोर

राजमहल/साहिबगंज। अनुमंडल पदाधिकारी सह अध्यक्ष, अस्पताल प्रबंधन समिति राजमहल की अध्यक्षता में को अनुमंडल अस्पताल राजमहल में अस्पताल प्रबंधन समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए मुख्यमंत्री रखरखाव, संचालन, प्रबंधन एवं मरम्मती मद में प्राप्त आवंटन के सफल क्रियान्वयन को लेकर समिति के सदस्यों के साथ विस्तार से चर्चा की गई।बैठक में कुल 39 योजनाओं पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया तथा अस्पताल की आवश्यकता के अनुरूप विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन पर सहमति प्रदान की गई। अस्पताल में मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से आवश्यक सामग्री एवं उपकरणों की व्यवस्था के साथ-साथ मरीजों और उनके परिजनों की सुविधाओं पर विशेष जोर दिया गया।बैठक में अस्पताल परिसर की सुरक्षा एवं व्यवस्था को बेहतर बनाने के लिए चारों ओर जल्द से जल्द चारदीवारी निर्माण कराने पर चर्चा हुई। इसके अलावा अस्पताल के मुख्य द्वार के निर्माण को लेकर भी विचार-विमर्श किया गया। निर्णय लिया गया कि पुराने अस्पताल के मुख्य द्वार को बंद कर नए मुख्य द्वार का निर्माण कराया जाएगा।अस्पताल परिसर में स्थित पुराने एवं जर्जर भवन को लेकर भी बैठक में गंभीरता से चर्चा की गई। जर्जर भवन को तोड़ने के लिए संबंधित विभाग से पत्राचार करने और आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर उसे जल्द से जल्द हटाने का निर्णय लिया गया, ताकि उक्त स्थान का उपयोग जनहित में किया जा सके।बैठक में राजमहल सांसद के प्रतिनिधि संजीव सामू हेंब्रम, राजमहल विधायक के प्रतिनिधि सह नगर उपाध्यक्ष मोहम्मद मारूफ, नगर अध्यक्ष मोहम्मद किताबुद्दीन शेख, अनुमंडल अस्पताल राजमहल के उपाधीक्षक डॉ. उदय टुडू, कार्यपालक पदाधिकारी राममहल मोहम्मद दानिश, विद्युत विभाग एवं पीएचईडी के पदाधिकारी सहित अनुमंडल अस्पताल के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित रहे।बैठक के दौरान अस्पताल की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने, मरीजों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने तथा अस्पताल परिसर के विकास से जुड़ी योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने पर जोर दिया गया।

विकसित भारत-जी राम जी योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर जिला स्तरीय कार्यशाला सह प्रशिक्षण आयोजित

झारखंड उजाला प्रतिनिधि

पाकुड़ : विकसित भारतइजजी राम जी योजना : विकसित भारतइझरोजगार और आजीविका मिशन के लिए गारंटी (ग्रामीण) के प्रभावी एवं सफल क्रियान्वयन को लेकर रविन्द्र भवन, पाकुड़ में जिला स्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम का शुभारंभ उपायुक्त मेघा भारद्वाज, उप विकास आयुक्त अरविन्द्र कुमार लाल एवं अपर समाहर्ता जेम्स सुरीन, सभी प्रखंड विकास पदाधिकारी ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया।कार्यशाला का उद्देश्य योजना के उद्देश्यों, प्रावधानों एवं क्रियान्वयन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी संबंधित पदाधिकारियों एवं कर्मियों को उपलब्ध कराना तथा योजना का लाभ ग्रामीण क्षेत्र के पात्र परिवारों तक प्रभावी, पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से पहुंचाना रहा। मास्टर ट्रेनर ने योजना के प्रावधानों एवं क्रियान्वयन प्रक्रिया की दी जानकारी



कार्यशाला में मास्टर ट्रेनर परियोजना पदाधिकारी मोतिउर रहमान, जेई सुजीत कुमार मंडल, डीआरपी अनंत मंडल एवं ऑफ़रेटर सनत कुमार मंडल द्वारा योजना के विभिन्न प्रावधानों, उद्देश्यों, कार्ययोजना तैयार करने की प्रक्रिया एवं योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से संबंधित विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। प्रतिभागियों को योजना के तहत स्थानीय आवश्यकताओं की पहचान, प्राथमिकता निर्धारण, विभिन्न योजनाओं के अभिसरण तथा गुणवत्तापूर्ण परिसंपत्तियों के निर्माण से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं की जानकारी दी गई। जल संरक्षण एवं आजीविका संवर्धन को मिले सर्वोच्च प्राथमिकता: उप विकास आयुक्त

कार्यशाला को संबोधित करते हुए उप विकास आयुक्त अरविन्द्र कुमार लाल ने कहा कि ग्राम स्तर पर योजनाओं का चयन करते समय स्थानीय जरूरतों एवं प्राथमिकताओं को सर्वोच्च महत्व दिया जाए। उन्होंने विशेष रूप से जल संरक्षण एवं जल संचयन से जुड़ी योजनाओं को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि दूसरी प्राथमिकता आजीविका संवर्धन से जुड़ी योजनाओं की होनी चाहिए। इसके तहत आजीविका मिशन से जुड़ी गतिविधियों, कृषि, चारा उत्पादन, पशुपालन तथा महिलाओं एवं ग्रामीण परिवारों की आय बढ़ाने वाली योजनाओं को बढ़ावा दिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि स्थानीय संसाधनों एवं संभावनाओं के

अनुरूप ऐसी योजनाओं का चयन किया जाए, जिससे ग्रामीण परिवारों को स्थायी एवं बेहतर आजीविका का लाभ मिल सके। उप विकास आयुक्त ने तीसरी प्राथमिकता के रूप में ग्रामीण आधारभूत संरचना से संबंधित योजनाएं केवल निर्माण तक सीमित न रहें, बल्कि ऐसी उपयोगी एवं टिकाऊ परिसंपत्तियों का निर्माण हो, जो जल संरक्षण एवं आजीविका संवर्धन को भी सहयोग प्रदान करें। उन्होंने योजनाओं के निर्माण में कन्वर्जेंस (अभिसरण) पर विशेष जोर देते हुए कहा कि मनरेगा सहित अन्य योजनाओं, आजीविका मिशन, जल संरक्षण तथा स्वच्छ भारत मिशन के सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट से जुड़ी परियोजनाओं को आपस में जोड़कर बेहतर एवं टिकाऊ परिसंपत्तियों का निर्माण किया जा सकता है। पंचायतों की अपनी आय बढ़ाने पर भी विशेष जोर उप विकास आयुक्त ने पंचायतों को

उपलब्ध संसाधनों एवं संभावित परफॉर्मेंस ग्रांट को ध्यान में रखते हुए पंचायतों की अपनी आय (OSR—Own Source Revenue) बढ़ाने की दिशा में गंभीरता से कार्य करने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि पंचायतों को अपने आय के स्रोत मजबूत करने होंगे, ताकि विकास कार्यों के लिए उपलब्ध वित्तीय संसाधनों में वृद्धि हो सके। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों एवं पंचायत प्रतिनिधियों से स्थानीय जरूरतों पर आधारित टिकाऊ, गुणवत्तापूर्ण एवं परिणामदायी GDPD तैयार करने को कहा। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि योजनाओं में जहां भी गैप दिखाई दे, वहां संबंधित विभागों के माध्यम से प्रस्ताव उपलब्ध कराए जाएं, ताकि आवश्यकतानुसार उन पर विचार करते हुए उचित निर्णय लिया जा सके। योजनाओं की संख्या नहीं, गुणवत्तापूर्ण परिसंपत्तियों का निर्माण ही प्राथमिकता : उपायुक्त कार्यशाला को संबोधित करते हुए

उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने कहा कि ग्राम पंचायत विकास योजना तैयार करते समय केवल योजनाओं की संख्या बढ़ाने के बजाय गुणवत्तापूर्ण, उपयोगी एवं टिकाऊ परिसंपत्तियों के निर्माण पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि पंचायतों में अक्सर सीमित प्रकार की योजनाओं को बार-बार दोहराया जाता है, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में कई ऐसे छोटे लेकिन महत्वपूर्ण कार्य हैं, जिन्हें योजनाओं के माध्यम से पूरा किया जा सकता है। सार्वजनिक परिसरों की साफ-सफाई, इाड़ियों की सफाई, छोटे जलस्रोतों एवं जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार तथा सार्वजनिक स्थलों का रखरखाव जैसे कार्य भी स्थानीय आवश्यकताओं के अनुरूप योजना में शामिल किए जा सकते हैं। पंचायत विकास का आधार है बेहतर प्लानिंग

कहा कि वित्तीय वर्ष शुरू होने से पहले ही पंचायतों को अपनी आवश्यकताओं, प्राथमिकताओं एवं उपलब्ध संसाधनों का विस्तृत आकलन कर योजनाओं की तैयारी करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि देश की कई पंचायतों ने सीमित संसाधनों के बावजूद उत्कृष्ट कार्य किए हैं। ऐसी सफल पंचायतों के मॉडल से सीख लेते हुए स्थानीय परिस्थितियों एवं आवश्यकताओं के अनुरूप बेहतर योजनाएं तैयार की जा सकती हैं। उन्होंने पंचायत प्रतिनिधियों एवं कर्मियों से उपलब्ध निधि का समुचित विवेक्षण करने तथा यह आकलन करने की अपील की कि अब तक किए गए कार्यों से ग्रामीण समुदाय को कितना स्थायी एवं प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त हुआ है। मुखिया एवं पंचायत प्रतिनिधियों के प्रशिक्षण पर विशेष जोर

उपायुक्त ने कहा कि कार्यशाला में प्राप्त जानकारी एवं योजना निर्माण की समझ को मुखिया एवं पंचायत प्रतिनिधियों तक प्रभावी रूप से पहुंचाना आवश्यक है। उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को पंचायत स्तर पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित कर जनप्रतिनिधियों को गुणवत्तापूर्ण एवं समेकित ऋह्रउह तैयार करने की प्रक्रिया से अवगत कराने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि प्लानिंग पहले, क्रियान्वयन बाद में की सोच के साथ कार्य किया जाए। पंचायत की आवश्यकताओं, उपलब्ध संसाधनों एवं विभिन्न योजनाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करते हुए ऐसी ऋह्रउह तैयार की जाए, जिसका प्रभाव धरातल पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे और जो पंचायत को सशक्त, स्वावलंबी एवं विकसित ग्राम पंचायत बनाने में सहायक हो।उपायुक्त ने कहा कि पंचायत स्तर पर आयोजित होने वाले प्रशिक्षण कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की जाए। उन्होंने यह भी कहा कि आवश्यकता के अनुसार वे स्वयं भी ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रमों में शामिल होकर पंचायत प्रतिनिधियों एवं संबंधित कर्मियों को मार्गदर्शन प्रदान करेंगे।

विश्व आदिवासी दिवस पर डॉ. कौशल ने अर्जुन मुंडा को भेंट किया पौधा

झारखंड उजाला ब्यूरो पलामू पलामू:विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर पर्यावरण धर्म के प्रणेता डॉ. कौशल किशोर जायसवाल ने रविवार को नई दिल्ली के साउथ एवेन्यू स्थित पूर्व केन्द्रीय आदिवासी कार्य मंत्री अर्जुन मुंडा के आवास पर पौधा भेंट किया। उन्होंने पर्यावरण धर्म के तहत थाई किंग प्रजाति के जामुन का पौधा समर्पित किया। डॉ. कौशल ने कहा कि आज का दिन दो सुखद अवसरों की याद दिलाता है। एक ओर विश्व आदिवासी दिवस है, वहीं 1942 में इसी दिन महात्मा गांधी ने भारत छोड़ो आंदोलन की नींव रखी थी। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और देश की स्वतंत्रता दोनों ही संघर्ष और समर्पण की भावना से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि 9 अगस्त



मानवता के लिए एक दुखद घटना की भी याद दिलाता है। द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान अमेरिका द्वारा जापान के हिरोशिमा पर परमाणु बम गिराए जाने से मानवता को भारी त्रासदी झेलनी पड़ी थी। डॉ. जायसवाल ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और मानवता की रक्षा के लिए पूरी दुनिया को शांति और प्रकृति संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए। इस अवसर पर सहारनपुर के पूर्व कैबिनेट मंत्री साहब सिंह सैनी, सुरज कुमार जायसवाल समेत विभिन्न राय्यों से आए कई प्रमुख लोग मौजूद थे।

वन राखी मूवमेंट की स्वर्ण जयंती पर डॉ. कौशल ने बच्चों को पढ़ाया पर्यावरण धर्म का पाठ

पौधरोपण से केन्द्रीय विद्यालय के वार्षिकोत्सव का शुभारंभ

झारखंड उजाला ब्यूरो पलामू

पलामू:हिमाचल प्रदेश धर्मशाला कैंट स्थित केन्द्रीय विद्यालय के वार्षिकोत्सव का शुभारंभ मंगलवार को पौधरोपण और पर्यावरण संरक्षण के संदेश के साथ हुआ। मुख्य अतिथि विश्व व्यापी पर्यावरण संरक्षण अभियान के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह वन राखी मूवमेंट के जनक डॉ. कौशल किशोर जायसवाल ने कन्या पूजन, पर्यावरण धर्म की प्रार्थना और पौधरोपण कर कार्यक्रम की शुरुआत की। वन राखी मूवमेंट की



स्वर्ण जयंती के अवसर पर विद्यालय परिसर में वृक्षों को रक्षासूत्र बांधा गया। डॉ. कौशल ने छात्र-छात्राओं को पर्यावरण धर्म के आठ मूल मंत्रों को अपनी दित्चर्या में शामिल करने का संकल्प दिलाया। उन्होंने कहा कि वन राखी मूवमेंट के 50 वर्ष पूरे होने पर देश-विदेश में स्वर्ण जयंती मनाई जा रही है। इसी कड़ी में धर्मशाला में भी पर्यावरण संरक्षण

का संदेश दिया गया। उन्होंने कहा कि देश ने अंग्रेजी हुकूमत से आजादी के लिए लंबा संघर्ष किया और शहीदों ने अपने प्राणों की आहुति देकर देश को स्वतंत्र कराया। अब पूरी दुनिया को प्रदूषण रूपी शत्रु के खिलाफ जंग लड़नी है। इस जंग को जीतने के लिए बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी को पर्यावरण धर्म अपनाना होगा। उन्होंने पौधों को धरती की

रक्षा के लिए ह्रमिसाइलह्म बताते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने का आह्वान किया। विद्यालय के प्राचार्य सुनील चौहान ने डॉ. कौशल किशोर जायसवाल के पर्यावरण संरक्षण के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि उनका विद्यालय में आना सभी के लिए गौरव की बात है। कार्यक्रम में पंचकूला और कुल्लू केन्द्रीय विद्यालय से आए शिक्षकों ने भी डॉ. कौशल को अपने विद्यालय में आने का निमंत्रण दिया। मौके पर रक्षा जािरियाल, प्रज्ञा प्राणुण, सूरज जायसवाल, सचिन शर्मा, साहिल शर्मा समेत शिक्षक-शिक्षिकाएं और बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

माइन्स क्लोजर एडवायजरी कमिटी ने की विस्तृत चर्चा

झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

धनबाद।उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी श्री आदित्य रंजन की अध्यक्षता में मंगलवार को माइन्स क्लोजर एडवायजरी कमिटी की बैठक समाहरणालय के सभागार में संपन्न हुई। इसमें भारत कोकिंग कोल लिमिटेड के सभी 12 एरिया में खनन गतिविधियाँ समाप्त होने के उपरांत प्रभावित क्षेत्रों में सामुदायिक विकास और स्थानीय निवासियों के सामाजिक व आर्थिक सशक्तिकरण के लिए कई महत्वपूर्ण योजनाओं पर विस्तृत रूप में चर्चा की गई। जिसमें स्थानीय आबादी के वैकल्पिक आजीविका तथा उनको आत्मनिर्भर बनाने के लिए कौशल विकास एवं प्रशिक्षण देने, प्रभावित परिवारों एवं व्यक्तियों को कृषि, हस्तशिल्प, पॉल्ट्री फार्मिंग, सिलाई, आईटी कौशल तथा स्वरोजगार व उद्यमिता के लिए आवश्यक संसाधन एवं प्रशिक्षण प्रदान कराने का निर्णय लिया गया।



साथ में पर्यावरण संरक्षण हेतु बागवानी, मधुमक्खी पालन, स्थानीय प्रजातियों के पौधारोपण को बढ़ावा देने, कृषि एवं संबद्ध गतिविधियाँ, इको टूरिज्म विकास करने पर चर्चा की गई। उपायुक्त ने कहा कि खदान बंद होने वाले स्थलों का कायाकल्प कर उन्हें नौकायन, ट्रेकिंग और सांस्कृतिक पर्यटन केंद्रों के रूप में विकसित किया जा सकता है। इसके अलावा खनन से प्रभावित जल निकायों का पुनरुद्धार किया जा सकता है। स्थानीय समुदायों को सस्ती ऊर्जा

उपलब्ध कराने के उद्देश्य से सौर ऊर्जा एवं बायोगैस परियोजनाएँ स्थापित की जा सकती है। कहा कि प्रभावित क्षेत्र की महिलाओं के आर्थिक एवं सामाजिक उत्थान हेतु विशेष कल्याणकारी योजनाएँ, बुजुर्गों और दिव्यांगजनों की देखभाल व सहायता के लिए विशेष कार्यक्रम लागू किए जा सकते हैं। प्रभावित क्षेत्र के परिवारों के लिए निर्मित परिसंपत्तियों व सार्वजनिक स्थलों के रखरखाव का जिम्मा स्थानीय समुदायों, स्वयं सहायता समूहों और प्रभावित परिवारों को

सौंपा जाएगा। इसके साथ ही कचरा प्रबंधन व नवीकरणीय ऊर्जा के प्रति जागरूकता बढ़ाई जाएगी। उपायुक्त ने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों में सामुदायिक विकास के लिए समिति को दीर्घकालिक आजीविका पर विशेष ध्यान केंद्रित करना होगा। सभी योजनाएं डीएमएफटी एवं जेआरडीए पीएमयू के पास आएंगी। योजना का वृटिलिटी रिपोर्ट आने के बाद समिति द्वारा योजना स्वीकृत की जाएगी। इसके लिए पीएमयू को और मजबूत बनाया जाएगा। बैठक में उपायुक्त श्री आदित्य रंजन, उप विकास आयुक्त श्री सन्नी राज, वन प्रमंडल पदाधिकारी श्री विकास पालीवाल, जिला खनन पदाधिकारी श्री रितेश राज तिग्गा, बीसीसीएल के एचओडी इनवायरमेंट श्री सौद अनवर, बीसीसीएल के सभी 12 एरिया के प्रोजेक्ट ऑफिसर, प्रभावित पंचायत के मुखिया व अन्य लोग मौजूद थे।

आवेदक का कहना है कि कुछ जीएम लैंड जमीन है तो फिर मेरे लिए क्यों सभी को क्यों नहीं तोड़ा गया मतलब जातिवाद पूर्ण तरीके से अपनाया जा रहा है

जागेशवर कुमार @ झारखंड उजाला हजारीबाग ब्यूरो।

केरेडारी, हजारीबाग।

केरेडारी थाना क्षेत्र के ग्राम केरेडारी निवासी मो. रबुल मियां पिता शमसुद्दीन मियां ने अपनी निजी जमीन पर गौशाला का निर्माण शुरू किया था। आरोप है कि दिनांक 03 अगस्त 2026 को ग्राम बरियातू के कुछ लोगों ने आवर निर्माण कार्य रकवा दिया। पीड़ित मो. रबुल मियां का आरोप है कि मुखिया पति विकास कुमार पिता स्व नागेश्वर साव, पंचायत समिति सदस्य जागेश्वर कुमार साव पिता बुधन साव, तीरथ साव पिता स्व नागेश्वर, गन्देरी साव पिता स्व दुखु साव, छक्कन भुइयां पिता स्व लेडा भुइयां ने सहित 5 लोगों ने एकराय होकर कुदाल से गौशाला को तोड़ दिया। विरोध करने पर



उनके साथ मारपीट की गई, गर्दन पकड़ी गई और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर गाली-गलौज की गई। इस संबंध में मो. रबुल मियां ने केरेडारी थाना एवं अंचलाधिकारी को लिखित आवेदन देकर मामले की जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। उन्होंने कहा कि उनके साथ अन्याय हुआ है और प्रशासन से न्याय की उम्मीद है।

पलामू: सिंगसीगी स्टेशन के पास मालगाड़ी के आधा दर्जन डिब्बे बेपटरी, सोननगर-बरवाडीह रेलखंड पर परियालन ठप



झारखण्ड उजाला, संवाददाता ।

पलामू (झारखंड): पलामू जिले के सिंगसीगी रेलवे स्टेशन के पास मंगलवार दोपहर एक बड़ा रेल हादसा हो गया। यहाँ एक मालगाड़ी के करीब आधा दर्जन (6) डिब्बे पटरी से उतर (बेपटरी) गए। हादसा दोपहर करीब 12:00 बजे के बाद हुआ, जिसके तुरंत बाद सोननगर-बरवाडीह रेलखंड पर ट्रेनों का आवागमन पूरी तरह से ठप हो गया है।

जान-माल का नुकसान नहीं, राजस्व को भारी क्षति

गनीमत यह रही कि इस हादसे में किसी भी प्रकार के जान-माल का नुकसान नहीं हुआ है। हालांकि, अचानक परिचालन बाधित होने और रेल रूट ब्लॉक होने के कारण

रेलवे को भारी राजस्व नुकसान का सामना करना पड़ा है।

ट्रेक बहाली और जांच में जुटा प्रशासन

घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे प्रशासन, तकनीकी विशेषज्ञ और इंजीनियरिंग विभाग की टीम मौके पर पहुँच गई है। ट्रेक बहाली का काम जारी: क्षतिग्रस्त डिब्बों को हटाने और रेल लाइन को जल्द से जल्द दुर्घस्त करने के लिए युद्ध स्तर पर कार्य किया जा रहा है। जांच के आदेश: दुर्घटना के सटीक कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। अधिकारियों का कहना है कि विस्तृत जांच रिपोर्ट आने के बाद ही हादसे के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

झारखंड उजाला प्रतिनिधि

पाकुड़ : समाहरणालय में मंगलवार को आयोजित जन समाधान दिवस के अवसर पर उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने जिले के विभिन्न प्रखंडों एवं पंचायतों से पहुंचे नागरिकों की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरतापूर्वक सुना। उन्होंने प्रत्येक आवेदन पर संवेदनशीलता के साथ विचार करते हुए संबंधित विभागीय पदाधिकारियों को नियमानुसार त्वरित, पारदर्शी एवं समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जन समाधान दिवस के दौरान नागरिकों ने व्यक्तिगत एवं जनहित से जुड़े विभिन्न मामलों में आवेदन प्रस्तुत किए।प्राप्त आवेदनों में सड़क निर्माण कराने से संबंधित, बकाया भुगतान एवं कार्य प्रदान



करने से संबंधित, घर के सामने में लगे ट्रंसफार्मर को हटाने से संबंधित, भूमि विवाद से संबंधित, आवास योजना का लाभ देने से संबंधित सहित अन्य जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों के आवेदन शामिल थे। उपायुक्त मेघा भारद्वाज ने सभी मामलों को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ लेते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निर्दिशित किया कि प्रत्येक

आवेदन की निष्पक्ष, तथ्यपरक एवं गुणवत्तापूर्ण जांच कर निर्धारित समय-सीमा के भीतर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि आमजन की समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी समाधान जिला प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है तथा इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही अथवा अनावश्यक

विलंब व स्वीकार्य नहीं होगा। उन्होंने कहा कि जन समाधान दिवस प्रशासन और आमजन के बीच संवाद, विश्वास एवं जवाबदेही को सुदृढ़ करने का एक प्रभावी मंच है। इस पक्ष के माध्यम से नागरिक अपनी समस्याओं को सीधे जिला प्रशासन के समक्ष रख सकते हैं, जिससे मामलों के निष्पादन में पारदर्शिता, जवाबदेही एवं गति सुनिश्चित होती है। उपायुक्त ने सभी विभागीय पदाधिकारियों को निर्देश दिया कि प्राप्त आवेदनों का निष्पादन पूरी गंभीरता, संवेदनशीलता एवं गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा के भीतर किया जाए, ताकि नागरिकों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें तथा उन्हें सरकारी सेवाओं एवं योजनाओं का लाभ समय पर और सुगमता से प्राप्त हो सके। जिला प्रशासन का उद्देश्य प्रत्येक पात्र नागरिक तक न्याय, सुविधा एवं सरकारी सेवाओं की समयबद्ध पहुँच सुनिश्चित करना है।

जेपीएससी- जेएसएससी परीक्षा में कथित धांधली के विरोध में भाजपा का झारखंड बंद ,बलियापुर चौक पर प्रदर्शन

बलियापुर/ धनबाद। रांची में जेपीएससी और जेएसएससी भर्ती परीक्षा में कथित गड़बड़ी और धांधली के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों पर 10 अगस्त को पुलिस द्वारा किए गए लाठी चार्ज के विरोध में मंगलवार को भाजपा की ओर से झारखंड बंद का आह्वान किया गया। प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू के निदेशानुसार सिंदरी विधानसभा क्षेत्र के बलियापुर चौक पर भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य श्रीमती तारा देवी के नेतृत्व में पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक सड़क पर उतरे। भाजपा कार्यकर्ताओं ने बलियापुर चौक पर बैठकर शांतिपूर्ण तरीके से बंद का समर्थन किया और राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने तथा छात्रों के साथ न्याय करने की मांग उठाई। बंद के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने स्कूली वाहनों और आवश्यक सेवाओं को जाम से मुक्त रखा। प्रदर्शन के कारण बलियापुर चौक पर कुछ घंटों के लिए आवागमन प्रभावित रहा। मौके पर तारा देवी, मोहन कुंभकार,घनश्याम ग्रोवर, आशीष मुखर्जी, नितार्द रजवार,डा. निशि महता, विद्युत चक्रवर्ती, धर्मजीत सिंह,मंटू रवानी ,सुनील मोदक ,राजेश मुखर्जी, मिंटू साव, सपन बनर्जी, पंकज सिंह, विरंची सिंह, गौरांग मंडल, धनंजय मंडल,दीपक, विजय, श्री राम,समीर सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा का महाधरना: जेपीएससी-जेएसएससी की उड़कांच कराओ, युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ बंद हो - रोशन लाल चौधरी

राँची। झारखंड में JPSC-JSSC सहित विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और महाघोटाले के विरोध में आज राँची स्थित मुख्यमंत्री आवास के समक्ष भाजपा ने विशाल महाधरना-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदरणीय श्री आदित्य साहू एवं नेता प्रतिपक्ष आदरणीय श्री बाबूलाल मरांडी के नेतृत्व में किया गया। इस दौरान विधायक श्री रोशन लाल चौधरी सहित हजारों की संख्या में युवा और कार्यकर्ता शामिल हुए। विधायक रोशन लाल चौधरी ने कहा कि इझारखंड का युवा आस सवाल पूछ रहा है। जिस परीक्षा के लिए वर्षों तक मेहनत की, दिन-रात पढ़ाई की, अपने सपनों को दांव पर लगाया, अगर उसी भर्ती प्रक्रिया की पारदर्शिता पर सवाल उठें तो जवाबदेह कौन होगा?



उन्होंने कहा कि JPSC-JSSC में सचमे आए कथित अनियमितताओं ने राज्य के लाखों अभ्यर्थियों के भविष्य और व्यवस्था की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। यह युवाओं के अधिकार, सम्मान और भविष्य का सवाल है।

प्रदर्शनकारियों की 7 सूत्री मांगें:

1. JPSC-JSSC प्रकरण की निष्पक्ष CBI जांच कराई जाए
2. दोषियों को चिन्हित कर कठोरतम कार्रवाई की जाए
3. भर्ती परीक्षाओं में पूर्ण पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित हो
4. युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ बंद किया जाए
5. कथित खिलवाड़ की नैतिक निरिस्तादारी तय की जाए
6. झारखंड के युवाओं को न्याय दिया जाए
7. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा दें

नेताओं ने चेतावनी दी कि जिस युवा ने आंखों में सरकारी नौकरी का सपना सजाया है, उसकी मेहनत भ्रष्टाचार की भेंट नहीं चढ़ सकती। अब चुप्पी नहीं होगी, अब समझौता नहीं होगा। युवा शक्ति की यह हुंकार है न्याय मिलने तक संघर्ष जारी रहेगा।

राष्ट्रव्यापी वन महोत्सव के तहत विधानसभा परिसर में विधायक चंद्रदेव महतो और अरूप चटर्जी ने किया पौधारोपण



बलियापुर /धनबाद। राष्ट्रव्यापी वन महोत्सव 2026 के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण और हरियाली का संदेश देने के उद्देश्य से झारखंड विधानसभा परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में सिंदरी विधायक चंद्रदेव महतो एवं निरसा विधायक अरूप चटर्जी ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। इस दौरान दोनों विधायकों ने लोगों से अधिक से अधिक पौधे लगाने एवं लागू गए पौधों की नियमित देखभाल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि बढ़ते प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन के दौर में वृक्षों का संरक्षण बेहद जरूरी है। विधायकों ने कहा कि पेड़ पौधे न केवल पर्यावरण को संतुलित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं बल्कि आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ हवा और बेहतर वातावरण सुनिश्चित करते हैं। वन महोत्सव के माध्यम से लोगों को प्रकृति के प्रति जागरूक करने और पौधारोपण को जन अभियान बनाने का संदेश दिया गया। विधानसभा परिसर में हुए इस पौधारोपण कार्यक्रम के द्वारा पर्यावरण संरक्षणके प्रति जनप्रतिनिधियों की प्रतिबद्धता भी दिखाई दी।



स्टार्टअप शुरू करने में थोड़ी इनवेस्टमेंट की जरूरत होती है जो कई लोगों के लिए मुश्किल काम होता है। ऐसे में अगर कोई ऐसा बिजनेस हो जिसे कम लागत में शुरू किया जा सके तो आप जरूर करना चाहेंगे। यहां हम आपको कुछ ऐसे बिजनेस आइडिया के बारे में बताने जा रहे हैं जो एक लाख रुपए से कम लागत में भी शुरू किए जा सकते हैं।



कम लागत से शुरू कर सकते हैं ये बिजनेस होगी लाखों में इनकम

आजकल स्टार्टअप का जमाना है। हर कोई नौकरी की बजाए अपना खुद का कोई बिजनेस करना चाहता है। स्टार्टअप शुरू करने में थोड़ी इनवेस्टमेंट की जरूरत होती है जो कई लोगों के लिए मुश्किल काम होता है। ऐसे में अगर कोई ऐसा बिजनेस हो जिसे कम लागत में शुरू किया जा सके तो आप जरूर करना चाहेंगे। यहां हम आपको कुछ ऐसे बिजनेस आइडिया के बारे में बताने जा रहे हैं जो एक लाख रुपए से कम लागत में भी शुरू किए जा सकते हैं। हम यहां जिन कामों के बारे में बताने जा रहे हैं उनमें से कुछ ऐसे भी हैं जिन्हें महज 50,000 रुपए की लागत से शुरू किया जा सकता है। इनवेस्टमेंट के हिसाब से इन कामों को बढ़ाया भी जा सकता है।

इवेंट फोटोग्राफर

फोटोग्राफर बनने के लिए बस आपको एक कैमरे की जरूरत होती है जो कि 50 हजार से कम कीमत में कहीं से भी ले सकते हैं। इस काम के लिए आपके भीतर जुनून और किसी भी चीज की खूबसूरती देखने और उसे कैमरे में कैद करने का हुनर होना जरूरी है। लोगों के फेमिली फंक्शन, शादी, बर्थडे पार्टी, सोसाइटी के कार्यक्रमों आदि में फोटोग्राफर की डिमांड होती है। किसी भी इवेंट को यादगार बनाने के लिए फोटोग्राफी जरूरत बन गई है। ऐसे में आप फोटोग्राफी के जरिए अच्छा पैसा कमा सकते हैं।

पुरानी कारों की डीलरशिप

भारत में कारों का बिजनेस खूब बढ़ रहा है ऐसे में नई कारों की डीलरशिप के साथ-साथ सेकंड हैंड कारों का बाजार भी डिमांड में है। आप पुरानी कारों की डीलरशिप का बिजनेस शुरू कर सकते हैं। डीलरशिप के अलावा इसमें आप कमिशन भी कुछ कमा सकते हैं। बशर्ते आप को क्लाइंट को ढूँढना होगा और उनको डील करानी होगी।



ड्राइविंग स्कूल

ड्राइविंग स्कूल शुरू करना एक बेहतरीन आयडिया है और देश में गाड़ियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए ये बिजनेस कभी भी घाटे में नहीं रहने वाला। शहरों में तो आजकल एक भी ऐसा शाख्स नहीं मिलेगा जो ड्राइविंग नहीं सीखना चाहता हो। इसके लिए आपको सिर्फ एक गाड़ी की जरूरत पड़ती है जो कि आप सेकेंड हैंड भी खरीद सकते हैं। एक अनुमान के मुताबिक कुछ ड्राइविंग स्कूल चलाने वाले लोग एक दिन में 8 से 10 हजार रुपए तक कम लेते हैं। इसके लिए आपके पास ड्राइविंग लाइसेंस और अनुभव होना जरूरी है या फिर आप किसी दूसरे आदमी से भी क्लासेज दिला सकते हैं।



आइस क्रीम पार्लर

आइस क्रीम पार्लर भी एक बढ़िया निवेश है। सर्दियों के मौसम को छोड़ दें तो ये हमेशा मांग में रहता है। इसके लिए आपको बस एक फ्रीजर खरीदना होता है या फिर आप आइसक्रीम कंपनियों की फ्रेंचाइजी भी ले सकते हैं। इनमें क्वालिटी वडीलाल जैसी बड़ी आइसक्रीम कंपनियां शामिल हैं और ये कंपनियां आइसक्रीम बिक्री का 10-20 फीसदी तक कमीशन के रूप में देती हैं।



मोबाइल गैरेज

शहरों के साथ ही ग्रामीण इलाकों में भी कारों की संख्या में तेजी से बढ़ाव हो रही है। आम वाहनों की तरह कार में भी खराबी आना आम समस्या है। ऐसे में कार के मालिक को जरूरत होती कि कार जहां खड़ी है वहीं पर कोई मैकेनिक आकर कार रिपेयर कर जाए। ऐसे में यदि आप कार - ऑटो रिपेरिंग का थोड़ा बहुत अनुभव रखते हैं तो लोगों को मोबाइल गैरेज की सर्विस दे सकते हैं। इसके लिए आपको जरूरी है एक सेकंड हैंड बाइक और एक टूल बॉक्स जोकि दोनों में 50 हजार तक में आ जाएंगे। अपने साथ आप एक हेल्पर या मैकेनिक रखें तो बेहतर होगा। मोबाइल गैरेज के जरिए आप 2 से 5 हजार रुपए तक रोज कमा सकते हैं।



नौकरी चाहिए तो ऐसे बनाएं सोशल मीडिया प्रोफाइल

शेयर करते हैं। लेकिन, सोशल मीडिया पर ऐसी फोटो कभी शेयर ना करें जिसके कारण आपकी नकारात्मक छवि प्रस्तुत हो। आप सोशल साइट पर आपकी हॉबी या पसंदीदा चीजों से जुड़ी फोटो शेयर कर सकते हैं। इसके अलावा इस बात पर भी ध्यान देते रहें कि कोई व्यक्ति किसी अश्लील तस्वीर या पोस्ट से आपको टैग तो नहीं कर रहा। इससे आपकी संगत और माहौल का अंदाजा लगाया जाएगा।

सोशल साइटों पर प्रोफेशनल दिखें

फेसबुक और लिंकडइन पर आमतौर पर व्यक्ति की पहचान उसका फोटो देखकर ही की जाती है तो आप इसमें वही फोटो डालें जिसमें आप फार्मल लुक में हों। आपकी फुल शॉट तस्वीर से अच्छा है हेड शॉट वाली तस्वीर डालें, वो भी मुस्कराते हुए। आप प्रोफेशनली कैसे दिख रहे हैं, यह पता करने के लिए आप फोटोलीर नाम की एक साइट पर अपनी फोटो अपलोड करें। इससे फोटो में आप आत्मविश्वासी और प्रभावशाली व्यक्ति के रूप में नजर आ रहे हैं या नहीं, यह पता लग जाएगा। इंटरनेट पर आप किस तरह से हो रहे प्रस्तुत नौकरी के लिए आवेदन देने की प्रक्रिया के दौरान या उससे पहले एक बार आप अपने नाम को गूगल पर सर्च करके देखें कि गूगल आपके नाम के बारे में क्या दिखाता है।

नियोक्ता की नजर से आपकी अपने बारे में क्या राय बन रही है और संबंधित नौकरी के लिए आप खुद को हायर करेंगे या नहीं, इन सवालों का जवाब ढूँढ़ें। जवाब 'न' में हो तो कारणों की सूची बनाएं। हो सकता है आपके पोस्ट गलत विचारधारा को प्रकट कर रहे हों या आपके दोस्त आपकी वॉल पर अनुचित तस्वीरें या अनुचित कमेंट डाल रहे हों। इसके लिए अपनी सेटिंग बदलें और दोस्तों से कहें कि वे ऐसी पोस्ट न डालें। नियोक्ता को आपकी प्रोफाइल कैसी दिख रही है, इसके लिए अपने फेसबुक पेज के ऊपर दाएं कोने पर जाएं और प्रिव्यू माई प्रोफाइल पर जाकर देखें। आप चाहें तो अपने मुताबिक सेटिंग को एडिट भी कर सकते हैं। वैसे तो अधिकतर नियोक्ता उम्मीदवार को परखने के लिए उनके लिंकडइन प्रोफाइल पर जाते हैं, पर कई बार क्षेत्र के हिसाब से भी दूसरी साइट पर आपकी मौजूदगी को भी परखते हैं। जैसे, अगर कोई डिजाइनर है तो उसकी प्निट्रेस्ट या टाट्मब्लर प्रोफाइल को परखा जाता है, अगर कोई व्यक्ति मॉडल है तो उसके

इंस्टाग्राम को परखा जाता है, वहीं निजी पृष्ठभूमि को जानने के लिए कंपनी फेसबुक प्रोफाइल को देखा पसंद करती है।

ऐसा होना चाहिए लिंकडइन प्रोफाइल

लिंकडइन अपने करियर क्षेत्र और पेशे से जुड़े पेशेवर लोगों से नेटवर्क बनाने का अच्छा जरिया है। अपने करियर क्षेत्र से संबंधित ग्रुप जॉइन करें। लिंकडइन के मानदंडों के हिसाब से चले। यदि चाहते हैं कि नियोक्ता, बॉस, या सहकर्मी आपके निजी ब्लॉग या पोस्ट को न देख पाएं तो इसके लिए सेटिंग पर जा कर लिंकडइन प्रोफाइल में 'फीड' के सिंक ऑप्शन को अनचेक कर दें। लिंकडइन पर डाले गए रेज्यूमे को बहुत से लोग देखते हैं। इसलिए जो सच है, वही लिखें। हाल की फोटो डालें। फॉर्मल ड्रेस में हेड शॉट डालें। अपने लिंकडइन



ऐसा होना चाहिए ट्विटर अकाउंट

मार्केटिंग के क्षेत्र में उम्मीदवार के ट्विटर अकाउंट को देखने का चलन है। इससे पता चल जाता है कि उम्मीदवार का नेटवर्क कैसा है। ट्विटर प्रोफाइल को पब्लिक नहीं, प्रोफेशनल बनाएं। अपने करियर क्षेत्र से जुड़े ट्वीट डालें और फॉलो करें। अगर किसी कंपनी में सीनियर पोस्ट के लिए जा रहे हों तो 60 फीसदी ट्वीट आपकी इंडस्ट्री से जुड़े होने चाहिए।



आजकल नौकरी पाने के लिए सिर्फ आपका ज्ञान और स्किल्स ही काफी नहीं है, सोशल मीडिया पर आपकी पोस्ट भी इसमें अहम भूमिका निभा सकती है। अपने फेसबुक पर क्या लिखा या ट्विटर पर कैसे ट्वीट किए या आपकी लिंकडइन प्रोफाइल आपके बारे में क्या कहती है। आप सोशल मीडिया पर कैसे लोगों के संपर्क में हैं, लोग आपके बारे में क्या सोचते हैं, अब कंपनियां ये सब भी नौकरी देने से पहले देख रही हैं। आज सोशल मीडिया के जरिए किसी भी व्यक्ति के व्यक्तित्व और उसके नजरिये के बारे में पता लगाना बहुत आसान हो गया है। यही वजह है कि मल्टीनेशनल और स्टार्टअप कंपनियां नौकरी पर रखने से पहले आवेदक के प्रोफाइल को परखती हैं। इससे उन्हें अंदाजा लग जाता है कि आवेदक उनकी कंपनी में फिट बैठता है या नहीं।

सोशल मीडिया पर सकारात्मक छवि होना जरूरी

इन सोशल मीडिया प्रोफाइल से कंपनियों को आवेदकों की रुचि, उसकी प्राथमिकताएं और विश्वसनीयता के बारे में पता चलता है, जिस आधार पर उनके लिए आवेदकों को शॉर्टलिस्ट करना आसान होता है। इसलिए अगर आप चाहते हैं कि आपको बेहतर नौकरी मिले, तो ज्ञान के साथ-साथ सोशल मीडिया पर आपकी सकारात्मक छवि भी होनी चाहिए। करीब 30 फीसदी कंपनियां आवेदकों की सोशल मीडिया प्रोफाइल पर यह देखती हैं कि अन्य लोग आवेदकों के बारे में क्या राय रखते हैं। सोशल मीडिया पर किए गए एक सर्वे में शामिल 60 फीसदी नियोक्ताओं ने उम्मीदवारों की ऑनलाइन मौजूदगी को परखने के बाद उन्हें खारिज कर दिया। इसका बड़ा कारण था उम्मीदवार के ऑनलाइन प्रोफाइल और रेज्यूमे में दी गई शैक्षिक योग्यता में अंतर। आवेदन के खारिज होने का बड़ा कारण था, पिछली कंपनी या अपने स्कूल-कॉलेज को बुरा बताने वाले पोस्ट डालना। इसके अलावा यह ध्यान रखें कि आप जिस कंपनी में काम करने जा रहे हैं, उसके बारे में कहीं भी बुरा न कह रहे हों।

सोच-समझकर सोशल मीडिया पर करें पोस्ट

वैसे तो सोशल मीडिया साइटों पर आम तौर पर लोग अपनी फोटो और अपने अनुभव

गजब है मोदी-पुतीन का रूस से इंडिया तक ट्रेन चलाने का प्रस्ताव



सुमित कुमार सिंह, स्वतंत्र पत्रकार

देखा जाये तो यह प्रस्ताव केवल रेलवे लाइन बिछाने की सामान्य योजना नहीं है। इसके पीछे बदलती वैश्विक भू-राजनीति, ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार मार्गों की विश्वसनीयता और रूस-भारत के बीच लंबे समय से चली आ रही रणनीतिक दोस्ती का बड़ा आयाम छिपा है। पश्चिम एशिया में जारी अस्थिरता और समुद्री व्यापार मार्गों पर बढ़ते जोखिम के बीच रूस ने भारत के साथ अपनी रणनीतिक साझेदारी को एक नई दिशा देने वाला बड़ा प्रस्ताव सामने रखा है। रूस के उप प्रधानमंत्री मरात खुसगुलिन ने मॉस्को से हिंद महासागर तक सीधे रेल संपर्क की संभावनाएं तलाशने की बात कही है। उन्होंने कहा है कि

बोस्फोरस और होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे रणनीतिक समुद्री मार्गों पर बढ़ते जोखिमों को देखते हुए रूस और भारत के बीच वैकल्पिक जमीनी संपर्क विकसित करना जरूरी हो गया है। रूसी समाचार एजेंसी छअरर के हवाले से खुसगुलिन ने कहा कि तुर्कमेनिस्तान, ईरान, अफगानिस्तान और पाकिस्तान के रास्ते भारत तक पहुंचने वाले विकल्पों पर विचार किया जा सकता है और भारत तक पहुंच उपलब्ध कराने वाला कोई भी विकल्प स्वीकार्य होगा।

देखा जाये तो यह प्रस्ताव केवल रेलवे लाइन बिछाने की सामान्य योजना नहीं है। इसके पीछे बदलती वैश्विक भू-राजनीति, ऊर्जा सुरक्षा, व्यापार मार्गों की विश्वसनीयता और रूस-भारत के बीच लंबे समय से चली आ रही रणनीतिक दोस्ती का बड़ा आयाम छिपा है। खास तौर पर ऐसे समय में जब पश्चिम एशिया के संघर्ष ने दुनिया को यह दिखा दिया है कि किसी एक समुद्री चोकपॉइंट पर अत्यधिक निर्भरता वैश्विक व्यापार के लिए कितनी बड़ी कमजोरी बन सकती है।

होर्मुज संकट ने बढ़ाई वैकल्पिक रास्ते की जरूरत

रूस के इस प्रस्ताव को समझने के लिए मौजूदा भू-राजनीतिक परिस्थितियों को देखना जरूरी है। 28 फरवरी को अमेरिका और इजरायल की ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई के बाद पश्चिम एशिया में तनाव तेजी से बढ़ा। ईरान की जवाबी मिसाइल और ड्रोन कार्रवाइयों के बाद फारस की खाड़ी और होर्मुज जलडमरूमध्य में समुद्री यातायात पर गंभीर असर पड़ा। रिपोर्टों के मुताबिक होर्मुज से



होकर गुजरने वाला वैश्विक तेल व्यापार का करीब पांचवां हिस्सा प्रभावित हुआ।

हम आपको बता दें कि होर्मुज जलडमरूमध्य फारस की खाड़ी को ओमान की खाड़ी से जोड़ता है और यह दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्गों में शामिल है। इसी तरह तुर्किये के निरंत्रण वाला बोस्फोरस जलडमरूमध्य काला सागर को मरमारा सागर से जोड़ता है। ऐसे समुद्री चोकपॉइंट किसी भी संकट की स्थिति में अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए गंभीर जोखिम पैदा कर सकते हैं। यही वजह है कि मॉस्को अब समुद्री मार्गों के साथ-साथ वैकल्पिक स्थलीय व्यापार नेटवर्क विकसित करने पर जोर दे रहा है।

इस प्रस्ताव का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि रूस ने संभावित रेल मार्ग के अंतिम गंतव्य के रूप में भारत को विशेष महत्व दिया है। यह

संयोग नहीं है। भारत और रूस पहले से ही International North-South Transport Corridor (INSTC) के प्रमुख साझेदार हैं। लगभग 7200 किलोमीटर लंबा यह बहु-माध्यमीय कॉरिडोर रूस को ईरान और भारत से जोड़ने की महत्वाकांक्षी परियोजना है। इसमें रेल, सड़क और समुद्री परिवहन का संयोजन शामिल है। मौजूदा व्यवस्था में रूस से आने वाला माल कजाखस्तान और तुर्कमेनिस्तान होते हुए ईरान पहुंच सकता है। वहां से रेल नेटवर्क के जरिए बंदर अब्बास जैसे बंदरगाहों तक और फिर समुद्री रास्ते से भारत भेजा जा सकता है। पूर्वी शाखा में कजाखस्तान-तुर्कमेनिस्तान-ईरान मार्ग की भूमिका महत्वपूर्ण है।

इस लिहाज से रूसी उप प्रधानमंत्री खुसगुलिन का प्रस्ताव बिल्कुल शून्य से शुरू होने वाली

परियोजना नहीं, बल्कि मौजूदा कनेक्टिविटी ढांचे को और आगे बढ़ाने की सोच है। लक्ष्य यह हो सकता है कि आने वाले समय में रूस और भारत के बीच माल ढुलाई को ज्यादा तेज, भरोसेमंद और बहुविकल्पीय बनाया जाए।

अभी मॉस्को से भारत सीधी ट्रेन नहीं

हालांकि इस खबर ने यात्रियों और रेलवे प्रेमियों की कल्पना को जरूर हवा दी है, लेकिन फिलहाल इसे मॉस्को से दिल्ली या मुंबई तक चलने वाली सीधी यात्री ट्रेन समझना जल्दबाजी होगी। अभी तक रूस या भारत की ओर से इस तरह की यात्री सेवा या पर्यटन केंद्रित ट्रेन की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। रूसी उप प्रधानमंत्री के प्रस्ताव का मूल उद्देश्य फ्रेट, लॉजिस्टिक्स और रणनीतिक कनेक्टिविटी है। वैसे भी यात्री सेवा शुरू करने में कई व्यावहारिक अड़चनें होंगी जैसे कई देशों के वीजा, अलग-अलग रेल गेज, सीमा और सुरक्षा जांच, विभिन्न देशों के रेलवे के बीच समय-सारिणी का तालमेल तथा यात्री सुविधाओं का अभाव। लेकिन भविष्य की संभावना को पूरी तरह खारिज भी नहीं किया जा सकता। यदि कॉरिडोर स्थिर, सुरक्षित और आर्थिक रूप से व्यवहार्य बनता है तो बाद में यात्री रेल सेवा की संभावना तलाशना संभव होगा। ऐसी ट्रेन यूरेशिया के विशाल भूभाग, मध्य एशिया और ऐतिहासिक सिल्क रूट के शहरों को जोड़ने वाली असाधारण यात्रा बन सकती है।

भारत के लिए बड़ा रणनीतिक लाभ

वैसे रूस के इस प्रस्ताव का सबसे बड़ा फायदा

भारत को कनेक्टिविटी की रणनीतिक विविधता के रूप में मिल सकता है। भारत की विदेश और आर्थिक नीति लंबे समय से यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रही है कि उसकी व्यापारिक आपूर्ति किसी एक मार्ग या एक देश पर निर्भर न रहे। इसलिए रूस से भारत तक मजबूत स्थलीय नेटवर्क बनने पर भारतीय कारोबारियों को रूसी बाजार तक पहुंच का एक वैकल्पिक रास्ता मिलेगा। इससे मशीनरी, ऊर्जा संसाधन, उर्वरक, धातु, कृषि उत्पाद और अन्य वस्तुओं की आवाजाही अधिक लचीली हो सकती है। दूसरा बड़ा लाभ समय और लागत का हो सकता है। INSTC का मूल उद्देश्य भी पारंपरिक समुद्री मार्गों की तुलना में माल परिवहन को तेज और अधिक प्रतिस्पर्धी बनाना है। पूर्ण रूप से विकसित नेटवर्क भारत-रूस व्यापार को नई गति दे सकता है। एक और सबसे महत्वपूर्ण लाभ ऊर्जा सुरक्षा है। होर्मुज जैसी किसी एक संवेदनशील समुद्री पट्टी पर निर्भरता कम होने से भारत वैश्विक संकटों के दौरान अपनी आपूर्ति श्रृंखला को ज्यादा प्रभावी ढंग से संभाल सकता है। हालांकि प्रस्तावित मार्ग में पाकिस्तान का नाम आना इसे रणनीतिक रूप से बेहद दिलचस्प और चुनौतीपूर्ण बनाता है। रूस ने संभावित विकल्पों में तुर्कमेनिस्तान, ईरान, अफगानिस्तान और पाकिस्तान का उल्लेख किया है। लेकिन भारत-पाकिस्तान संबंधों की मौजूदा जटिलताओं को देखते हुए इस रास्ते को तत्काल व्यवहार्य मानना कठिन होगा। यही कारण है कि भारत के लिए ईरान और मध्य एशिया के रास्ते विकसित होने वाले वैकल्पिक नेटवर्क अधिक व्यावहारिक महत्व रखते हैं।



मेघ राशि :- शारीरिक बीमारी के सही होनी की काफी संभावनाएँ हैं और इसके चलते आप बीबी ही खेल-कूद में हिस्सा ले सकते हैं. आज घर से बाहर बड़ी का आशीर्वाद लेकर निकलें इससे आपको धन लाभ हो सकता है. आपके जीवन-साथी की सहेत चिंता का सबब बन सकती हैं और उसे चिकित्सकीय देखरेख की जरूरत है. आप साथ में कहीं घूमने-फिरने जाकर अपने पेम-जीवन में नयी ऊर्जा का संचार कर सकते हैं.

सिंह राशि :- आपका दिनभर स्वभाव सराहा जाएगा. कई लोग आपकी खानी तारीफ कर सकते हैं. धन की आवश्यकता कमी भी पड़ सकती है इसलिए आज जितना हो अपने पैसे की बचत करने का विचार बनाएं. परिवार के सदस्यों की जरूरतों को तरजिह दें. उनके सुख-दुःख के मागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाकई उनका खयाल रखते हैं. आज आप अपने दोस्त की महक उसकी अनुपस्थिति में महसूस करेंगे.

धनु राशि :- खयाली पुलाव पकाने में वक़्त जाया न करें. सार्थक कामों में लगाने के लिए अपनी ऊर्जा बचाकर रखें. आज किया गया निवेश आपकी समृद्धि और आर्थिक सुरक्षा में झुकाफ़ करेगा. किसी करतूदीकी रिश्तेदार या मित्र की तरफ़ से मिली अच्छी खबर के साथ दिन की शुरूआत होगी. प्यार का भरपूर लुप्त मिल सकता है. आपके पास आज अपनी क्षमताओं को दिखाने के मौक़े होंगे.

वृषभ राशि :- आपमें आज घुरसी-फुर्ती देखी जा सकती है. आपका स्वास्थ्य आज पूरी तरह से आपका साथ देगा. विदेशों में पड़ी आपकी जमीन आज अच्छे दामों में बिक सकती है जिससे आपको मुनाफ़ा होगा. आपके जीवन-साथी की सहेत चिंता का सबब बन सकती हैं और उसे चिकित्सकीय देखरेख की जरूरत है. रोमांस के लिहाज से रोमांचक दिन है. शाम के लिए कोई खास योजना बनाएं और जितना हो सके, इसे उतना रूम्मागी बनाने की कोशिश करें.

कन्या राशि :- अपनी शारीरिक घुरसी-फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं. जिन लोगों ने कहीं निवेश किया था आज के दिन आपको आर्थिक हानि होने की संभावना है. अपनी महत्वाकांक्षाओं को ऐसे बड़ी के साथ बाँटें, जो आपको सहायता कर सकते हैं. रोमांस के नज़रिए से आज जिन्दगी बहुत जटिल रहेगी. आज किए गए निवेश काफी फायदेमन्द साबित होंगे, लेकिन आपको मागीदारों से विरोध का सामना करना पड़ सकता है.

मकर राशि :- स्वास्थ्य के लिहाज से बहुत अच्छा दिन है. आपकी खुशमिजाजी ही आपके आत्मनिश्वास में बढ़ोतरी करेगी. कोई पुराना मित्र आज आपसे आर्थिक मदद मांग सकता है और यदि आप उसकी आर्थिक मदद करते हैं तो आपके आर्थिक हालात थोड़े तंग हो सकते हैं. अपना कामी वक़्त अपने बच्चों के साथ गुज़ारें. यह सबसे बेहतर मरहम है. वे कभी न ख़त्म होने वाली खुशियों का स्रोत साबित होंगे. प्यार में अपने अशिष्ट बर्ताव के लिए माफी मांगें.

मिथुन राशि :- आप जल्द ही लम्बे समय से चली आ रही बीमारी से ख़बरकर पूरी तरह सेहतमंद हो सकते हैं. लेकिन ऐसे खुदगुज़ार और गुरसूल इंसान से बर्तें, जो आपको तनाव दे सकता है और आपकी परेशानियों में झुकाफ़ कर सकता है. जो लोग शेयर बाज़ार में पैसा लगाते हैं आज उनका पैसा इब्र सकता है. वक़्त रहते सचेत हो जाएं तो आपके लिए बेहतर रहेगा. जिन्हें माननात्मक संकल की जरूरत है, वे पाएंगे कि बड़े मदद के लिए आने आ रहे हैं.

तुला राशि :- दूसरों की इच्छाएँ आपकी अपना खयाल रखने की इच्छा से टकराएंगी- अपने जज्बात को बांधें नहीं और वे काम करें जिससे आपको सुकून मिले. जमीन या किसी प्रॉपर्टी में निवेश करना आज आपके लिए घातक हो सकता है जितना हो सके इन चीज़ों में निवेश करने से बचें. आपमें से कुछ गहने या घर-टू सामान ख़रीद सकते हैं. सावधान रहें, क्योंकि कोई आपकी छवि धूमिल करने की कोशिश कर सकता है.

कुम्भ राशि :- नियमित व्यायाम के माध्यम से वजन को नियन्त्रित रखें. खर्चा में हुई अप्रत्याशित बढ़ोतरी आपके मन की शांति को ग़म करेगी. कुछ लोगों के लिए- परिवार में किसी नए का आना ज़ख़र और उल्लास के पल लेकर आएगा. अनपेक्षित रोमांटिक आकर्षण की संभावना है. महशुूर लोगों से मेलजोल आपको नई योजनाएँ और आईडिया सुझाएगा. दिन को कैसे अच्छा बनाया जाए इसके लिए आपको अपने लिए भी समय निकालना सीखना होगा.

कर्क राशि :- स्वयं को शांत बनाए रखें क्योंकि आज आपको ऐसी कई बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है, जिनके चलते आप काफी गुरिखल में पड़ सकते हैं. खास तौर पर अपने गुरसे पर काबू रखें, क्योंकि यह और कुछ नहीं बल्कि बीड़ी देर पालाफ़न है. धन की आसजाही आज दिन भर होती रहेगी और दिन दलने के बाद आप बचत करने में भी सक्षम हो पाएंगे. अगर आप पार्टी करने की सोच रहे हैं, तो अपने अपने अच्छे दोस्तों को बुलाएँ.

वृश्चिक राशि :- मित्रों या परिवार के सदस्यों के साथ ग़ो़ज-ग़स्ती भरी यात्रा आपको सुकून देगी. आपने बीते समय में बहुत पैसा खर्च किया है जिसका खामियाजा आज आपको गुलनाम पड़ सकता है. आज आपको पैसे की जरूरत होगी लेकिन वो आपको मिल नहीं पाएगा. दोस्तों का साथ राहत देगा. अपने पिप की ग़र-जक़री माननात्मक मांगों के सामने घुटने न टेकें. नयी साझेदारी आज के दिन फलदायी रहेगी.

मीन राशि :- आपका सकारात्मक रुख आपके आसपास के लोगों को प्रभावित करेगा. अतिरिक्त धन को रिअल एस्टेट में निवेश किया जा सकता है. शाम को रसोई के लिए जरूरी चीज़ों की ख़रीदारी आपको व्यस्त रखेगी. कई लोगों के लिए आज की रोमांटिक शाम खुबसूरत तौहफ़ों और फूलों से भरपूर रहेगी. कार्यक्षेत्र के ज़रूरिए से आज का दिन आपको है. इसके भरपूर फायदा उठाएँ. आज आप खुद को लोगों के ध्यान के केंद्र में पाएंगे, जब कोई आपके सहयोग की वजह से पुरस्कार होगा या सराहा जाएगा.

हिंसा का पाठ

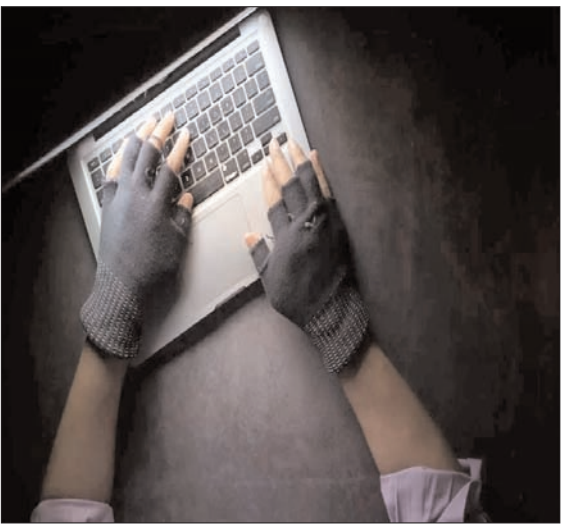
पाँचवीं कक्षा में पढ़ने वाली एक बच्ची को अगर कोई शिक्षक बुरी तरह पीटे, कैची से वार करे और फिर उसे पहली मॉजिल से नीचे फेंक दे, तो क्या ऐसे व्यक्ति को बच्चों को पढ़ाने-लिखाने लक्ष्य माना जा सकता है? हैरानी है कि दिल्ली में एक प्राथमिक विद्यालय की एक शिक्षिका को स्कूल परिसर में खुद पर इतना नियंत्रण रखना भी जरूरी नहीं लगा कि वह जो कर रही है, उससे बच्ची की मौत हो सकती है। गनीमत रही कि छत से फेंके जाने के बाद बच्ची किसी तरह जिंदा बच गई। लेकिन इस घटना से एक बार फिर यह सवाल उठा है कि स्कूलों में शिक्षक के रूप में नियुक्ति से पहले जरूरी योग्यताएं हासिल करने के लिए तय प्रक्रियाओं से गुजरने के बाद भी एक व्यक्ति कैसे अपने भीतर की कुंठा को बनाए रख पाता है। स्कूल परिसर में शिक्षक की भूमिका को बुनियादी रूप से भी समझने वाला व्यक्ति अपनी जिम्मेदारियों और बर्ताव को लेकर सजग और संयत रहेगा। मगर किसी भी स्थिति में अगर एक बच्ची के साथ ऐसी घटना होती है तो यह गंभीर चिंता की बात है।

घटना के बाद आरोपी शिक्षिका के खिलाफ कानूनी प्रक्रिया जरूर शुरू कर दी गई है, लेकिन मामले के ब्योरे से प्रथम दृष्टया यही लगता है कि एक सामान्य मनोदशा का व्यक्ति किसी बच्चे के प्रति ऐसा बर्ताव नहीं कर सकता। अव्यल तो एक शिक्षक के लिए बच्चों को पढ़ाने-लिखाने के साथ-साथ उनके साथ प्ये आने के सलीके का ध्यान रखना जरूरी होता है। यह न केवल पेशागत जिम्मेदारी है, बल्कि कानूनी तौर पर भी बच्चों को स्कूल में पीटना तो दूर, डांटने-फटकने पर भी सख़्त मनाही है। अगर कोई शिक्षक इसका ध्यान नहीं रखता है तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सकती है। मगर इसके बावजूद ऐसे शिक्षकों के बेलेगाम बर्ताव की खबरे अक्सर आती रहती हैं, जिसमें किसी बच्चे को पीटने या यातना देने की अपनी कुंठा को द्यूटी का हिस्सा समझ लिया जाता है। ज्यादा दिन नहीं हुए, जब उत्तर प्रदेश के कानूनुप के एक निजी स्कूल में पांचवीं कक्षा के एक छात्र के हाथ पर अध्यापक ने सिर्फ इसलिए छेड़ कर देने वाली मशीन चला दी कि वह दो का पहाड़ा नहीं सुना सका था। इसी तरह, कुछ समय पहले राजस्थान में

जालौर के एक स्कूल में शिक्षक की पिटाई से एक दलित बच्चे की मौत की खबर सुर्खियों में रही थी। वजह सिर्फ यह थी कि बच्चे ने स्कूल की मटकी से पानी पी लिया था। सवाल है कि एक शिक्षक की जिम्मेदारी और संवेदनाओं को भूल कर कोई व्यक्ति अगर बच्चों के खिलाफ इस तरह के बर्बर व्यवहार करने लगे तो किस कसौटी पर उसे शिक्षक होने के योग्य कहा जा सकता है! शिक्षक बनने की योग्यता हासिल करने के क्रम में प्रशिक्षण की प्रक्रिया से गुजरने के दौरान न केवल पाठ को पढ़ाने के तौर-तरीके बताए जाते हैं, बल्कि बाल मनोविज्ञान और उसकी परतों को ध्यान में रखते हुए व्यवहारगत सलीकों का भी अध्ययन कराया जाता है। इसके बावजूद अगर कुछ शिक्षक अपनी मानसिक दुर्बलता की वजह से बच्चों के प्रति कई बार बर्बरता की हद पार कर जाते हैं तो इसे कैसे देखा जाएगा? अगर कोई शिक्षक किसी तरह की असुविधाजनक मानसिक परिस्थिति से गुजर रहा हो, तो उसे मनोवैज्ञानिक परामर्श या चिकित्सा का सहारा लेना चाहिए। उसकी कुंठा का खमियाजा स्कूल में पढ़ने आए किसी मासूम को क्यों भुगतना पड़े?

मोबाइल पर नंबर मिलाते ही नहीं अपितु सोशियल मीडिया के प्लेटफार्म ख़ासतौर से इंस्टाग्राम, फेसबुक आदि पर आजकल साइबर ठगी, डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन या ब्लेक मेलिंग से सतर्क रहने का संदेश लोगों को मिलता है। इतने के बावजूद ठगी के आंकड़ें चेताने वाले हैं। मजे की बात यह है कि साइबर ठगी के इन रूपों से सबसे अधिक शिकार पढ़े लिखे और समझदार लोग ही हो रहे हैं। लाख समझाइस के बावजूद एक और ठगों के हौसले बुलंद है तो ठगी के शिकार होने वाले लोगों की संख्या और राशि में मल्टीपल बढ़ोतरी हो रही है। खास बात यह है कि ठगी के केन्द्र व ठगी के तरीके से वाकिफ होने के बावजूद यह ठगी का रहा है। हांलाकि झारखण्ड के जमानड़ा से ठगों के तंत्र को तोड़ दिया गया पर देश में एक दो नहीं अपितु 74 जिलों में इस तरह की ठगी करने वालों के हॉटस्पॉट विकसित हो गए। झारखण्ड,

राजस्थान, हरियाणा और बिहार के केन्द्र पहले पांच प्रमुख सेंटर विकसित हो गए। ऐसा नहीं है कि साइबर अपराध केवल और केवल भारत में हो रहे हैं अपितु यह विश्वव्यापी समस्या होती जा रही है। दुनिया के देशों में देखा जाए तो साइबर ठगी के मामलों में रशिया पहले पायदान तो यूक्रेन दूसरे स्थान पर है। इनके बाद चीन, अमेरिका, नाइजेरिया और रोमानिया का नंबर आता है। इससे एक बात तो साफ हो जाती है साइबर ठगों सारी दुनिया में सहज पहुंच है। लोगों की गाढ़ी कमाई को हजम करने में इन्हें विशेषज्ञता हासिल है। लोगों की कमजोरी को यह समझते हैं और उसी कमजोरी के चलते पढ़े लिखे और हौशियार लोगों को भी आसानी से ठगी का शिकार बना लेते हैं। जाला ऐसा की यह समझते हुए कि ऐसा आसानी से होता नहीं है फिर भी चक्कर में फंस ही जाते हैं और ठगों के आगे सरेण्डर होकर लुट जाते हैं।



ऐसा नहीं है कि साइबर अपराध केवल और केवल भारत में हो रहे हैं अपितु यह विश्वव्यापी समस्या होती जा रही है। दुनिया के देशों में देखा जाए तो साइबर ठगी के मामलों में रशिया पहले पायदान तो यूक्रेन दूसरे स्थान पर है। देश दुनिया में साइबर अपराध के बढ़ते आंकड़े जहां चिंतित करने वाले हैं वहीं यह और भी आश्चर्यजनक और चिंताजनक हालात है कि लाख अवेयरनेस प्रोग्राम व मीडिया में आने देिन साइबर ठगी के समाचारों की भरमार के बावजूद देश में केवल 18 फीसदी लोग ही ऐसे हैं जिन्हें साइबर अपराध होने पर उसकी शिकायत कहां और कैसे करनी है कि जानकारी है। यह तो सरकारी आंकड़ा है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा जनवरी-मार्च, 2025 में कराये गये ताजातरीन सर्वे से यह आंकड़े प्राप्त हुए हैं। दूसरी और यूपीआई से भुगतान में खासा

बढ़ोतरी हुई हैं। आज ठेले पर सब्जी बेचने वाले से लेकर दो-पांच रुपए का सामान विक्रेता भी आसानी से यूपीआई से भुगतान प्राप्त कर रहा है। 2022-23 में जहां केवल 38 फीसदी लोग ऑनलाइन पेमेंट करते थे वह आज बढ़कर 50 प्रतिशत के लगभग हो गया है। वास्तविकता तो यह है कि आज ऑनलाइन पेमेंट करना लोगों की आदत में आ गया है। जब में रुपया-पैसा रखना या कहीं जाते समय साथ पैसा लेजाना लोगों की आदत में अब लगभग नहीं ही रहा है। पर तस्वीर का दूसरा पहलू यह है कि साइबर अपराधियों के हौसले बुलंद है और पिछले तीन सालों में ही साइबर अपराध के आंकड़ें तीन गुणा बढ़ गए हैं। सरकार की गंभीरता को इसी से समझा जा सकता है कि आज मोबाइल पर किसी का नंबर डायल करते ही पहले साइबर अपराध से सचेत रहने की कॉलर ट्यून सुनने को मिलती है और उसके बाद बात होती है।

मोबाइल पर नंबर मिलाते ही नहीं अपितु सोशियल मीडिया के प्लेटफार्म ख़ासतौर से इंस्टाग्राम, फेसबुक आदि पर आजकल साइबर ठगी, डिजिटल अरेस्ट, ऑनलाइन या ब्लेक मेलिंग से सतर्क रहने का संदेश लोगों को मिलता है। इतने के बावजूद ठगी के आंकड़ें चेताने वाले हैं। मजे की बात यह है कि साइबर ठगी के इन रूपों से सबसे अधिक शिकार पढ़े लिखे और समझदार लोग ही हो रहे हैं। लाख समझाइस के बावजूद एक और ठगों के हौसले बुलंद है तो ठगी के शिकार होने वाले लोगों की संख्या और राशि में मल्टीपल बढ़ोतरी हो रही है। खास बात यह है कि ठगी के केन्द्र व ठगी के तरीके से वाकिफ होने के बावजूद यह ठगी का रहा है। हांलाकि झारखण्ड के जमानड़ा से ठगों के तंत्र को तोड़ दिया गया पर देश में एक दो नहीं अपितु 74 जिलों में इस तरह की ठगी करने वालों के हॉटस्पॉट विकसित हो गए। झारखण्ड,

राजस्थान, हरियाणा और बिहार के केन्द्र पहले पांच प्रमुख सेंटर विकसित हो गए। ऐसा नहीं है कि साइबर अपराध केवल और केवल भारत में हो रहे हैं अपितु यह विश्वव्यापी समस्या होती जा रही है। दुनिया के देशों में देखा जाए तो साइबर ठगी के मामलों में रशिया पहले पायदान तो यूक्रेन दूसरे स्थान पर है। इनके बाद चीन, अमेरिका, नाइजेरिया और रोमानिया का नंबर आता है। इससे एक बात तो साफ हो जाती है साइबर ठगों सारी दुनिया में सहज पहुंच है। लोगों की गाढ़ी कमाई को हजम करने में इन्हें विशेषज्ञता हासिल है। लोगों की कमजोरी को यह समझते हैं और उसी कमजोरी के चलते पढ़े लिखे और हौशियार लोगों को भी आसानी से ठगी का शिकार बना लेते हैं। जाला ऐसा की यह समझते हुए कि ऐसा आसानी से होता नहीं है फिर भी चक्कर में फंस ही जाते हैं और ठगों के आगे सरेण्डर होकर लुट जाते हैं।

बांकीपुर उपचुनाव में मिली करारी हार के बाद से आरजेडी में अंतर्कलह जोरों पर

एजेंसी

पटना: बांकीपुर उपचुनाव में मिली करारी हार के बाद से आरजेडी में अंतर्कलह जोरों पर है. मनेर से विधायक भाई वीरेंद्र ने मोर्चा खोल रखा है. उनके निशाने पर शक्ति यादव समेत वैसे लोग हैं, जो तेजस्वी यादव के करीबी माने जाते हैं. हालांकि पार्टी की तमाम इकाई को भंग कर दिया गया लेकिन इसके बावजूद बयानबाजी जारी है. इस बीच आज अचानक भाई वीरेंद्र प्रदेश कार्यालय पहुंच गए. आरजेडी कार्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए भाई वीरेंद्र काफी खुश नजर आए. उनकी हंसी बता रही है कि उनकी शिकायत पर पार्टी में गौर किया जा रहा है और मनमुताबिक फैसले आने की



उम्मीद है. हालांकि उन्होंने खुलकर किसी का नाम आज भी नहीं लिया लेकिन जिस आत्मविश्वास से वह बात कर रहे थे, उससे लगता है कि उनका 'मिशन' कामयाब होने वाला है.

इस दौरान जब पत्रकारों ने पूछा कि काफी खुश रहे हैं आप, इसकी वजह क्या है ? इस सवाल पर वह मुस्कराते हुए कहा कि वह तो जिंदा दिल इंसान हैं. हमेशा खुश रहते हैं.

एजेंसी

पटना: बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में आरजेडी की करारी हार के बाद विपक्ष के नेता काफी सजग हो गए हैं. जो उनका कोर वोट बैंक है, वह उनसे खिसकता हुआ नजर आया. ऐसे में अपने वोट बैंक को सहेजने के लिए सरकार पर दबाव बनाने की प्रक्रिया शुरू की है. तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को एक चिट्ठी लिखी है. जिसमें उन्होंने विशेष रूप से उर्दू अरबी फारसी विषय के शिक्षकों के साथ हो रहे भेदभाव और नियमविरुद्ध व्यवहार के लिये सरकार पर आरोप लगाए हैं.

स्थानांतरण प्रक्रिया पारदर्शी नहीं:

तेजस्वी यादव ने अपनी चिट्ठी से



अवगत कराया है कि पर्याप्त संख्या वाले विद्यालयों में इन विषयों के स्वीकृत पदों को समाप्त अथवा सरप्लस किए जाने, पांच वर्ष से कम सेवा अवधि वाले शिक्षकों, संविदा शिक्षकों और हाल में स्थानांतरण पाने वाले शिक्षकों के नाम सूची में शिकायतें आई है. उन्होंने आरोप लगाया कि ये प्रशासनिक गलती नहीं है, बल्कि ये पूरी स्थानांतरण प्रक्रिया की पारदर्शिता और निष्पक्षता पर गंभीर

सवाल खड़े करता है.

हर विद्यालय में हो उर्दू-संस्कृत के शिक्षक:

नेता प्रतिपक्ष ने चिट्ठी के माध्यम से कहा है कि संस्कृत और उर्दू हमारी साझा सांस्कृतिक विरासत की भाषा है. दोनों भाषाओं के साथ समानता और सम्मान का व्यवहार सरकार की जिम्मेदारी है. सरकार उर्दू और संस्कृत दोनों विषयों के समान शैक्षिक महत्व देते हुए प्रत्येक

सीवी दीजिए 10000 बच्चों को नौकरी दिलवाएंगे', बांकीपुर में प्रशांत किशोर का ऐलान, सरकारी नौकरी पर कही ये बात

एजेंसी

पटना। बांकीपुर विधानसभा सीट से जीत दर्ज करने के बाद प्रशांत किशोर ने कहा कि यहां के 10 हजार पढ़े-लिखे बेरोजगार युवाओं को बड़ी कंपनियों में प्राइवेट नौकरी दिलवाई जाएगी. इसके लिए उन्होंने लोगों से अपने बच्चों का सीवी उनके ऑफिस में जमा करने को कहा है.बांकीपुर से चुनाव जीतने के बाद प्रशांत किशोर ने इलाके के बेरोजगार युवाओं को लेकर बड़ा ऐलान किया है. उन्होंने कहा कि बांकीपुर के पढ़े-लिखे बेरोजगार बच्चों को नौकरी दिलाने की कोशिश की जाएगी. इसके लिए उन्होंने लोगों से अपने बच्चों का बायोडाटा और सीवी उनके ऑफिस में जमा करने को कहा है.

10 हजार बच्चों को नौकरी दिलाने की कोशिश

प्रशांत किशोर ने कहा कि अगर किसी का



बच्चा पढ़ा-लिखा है और नौकरी की तलाश कर रहा है तो उसका सीवी और बायोडाटा उनके ऑफिस में जमा करें. उन्होंने कहा कि कम से कम 10 हजार बच्चों को नौकरी दिलाने की व्यवस्था करने की कोशिश की जाएगी. उन्होंने साफ कहा कि सरकारी नौकरी का वादा नहीं

किया जा रहा है. उनकी कोशिश बड़े निजी कंपनियों और अपने संपर्क में मौजूद लोगों के जरिए युवाओं को प्राइवेट नौकरी दिलाने की होगी.

पीके बोले- आपका ही काम कर रहे हैं, कहीं घूम नहीं रहे

प्रशांत किशोर ने उन लोगों को भी जवाब दिया, जो उनकी जीत के बाद उनके इलाके में नहीं दिखने को लेकर सवाल उठा रहे थे. उन्होंने कहा कि कुछ लोग कह रहे हैं कि जीत के 5-7 दिन बाद से वह कहां घूम रहे हैं. प्रशांत किशोर ने कहा कि वह कहीं घूम नहीं रहे हैं, बल्कि लोगों का ही काम कर रहे हैं और इसी काम की घोषणा करने के लिए यहां आए हैं. प्रशांत किशोर ने कहा कि बांकीपुर से पढ़े-लिखे जो बच्चे नौकरी की तलाश में हैं, उन्हें बड़ी कंपनियों में नौकरी दिलाने की कोशिश की जाएगी. उन्होंने कहा कि बिहार के किसी भी विधानसभा क्षेत्र की तुलना में अगर सबसे ज्यादा बच्चों को नौकरी मिलेगी तो वह बांकीपुर से मिलेगी. इसके लिए उनकी टीम और उनके संपर्क में रहने वाले बड़े लोगों की मदद ली जाएगी.

सरकारी नौकरी का नहीं किया वादा

प्रशांत किशोर ने युवाओं को लेकर अपनी

बिहार में मैथिली एक्सप्रेस में आग लगने की अफवाह से भगदड़, कोच से चिंगारी और धुआं देख खिड़की से कूदे यात्री

एजेंसी

जमुई: बिहार के जमुई में बीते सोमवार की शाम कोलकाता से दरभंगा जा रही मैथिली साप्ताहिक एक्सप्रेस में अचानक अफरा-तफरी मच गई. ट्रेन जमुई रेलवे स्टेशन पर निर्धारित ठहराव के बाद आगे बढ़ने ही वाली थी कि एस-4 कोच के पहियों के नीचे से तेज चिंगारी और घने धुएँ का गुबार निकलने लगा. यात्रियों ने इसे आग लगने की घटना समझ लिया. धूप और चिंगारी देखते ही कोच के अंदर घबराहट फैल गई. यात्रियों के बीच यह अफवाह तेजी से फैल गई कि बोगी में आग लग गई है. देखते ही देखते चीख-पुकार मच गई और लोग अपनी जान बचाने के लिए खिड़कियों तथा दरवाजों से कूदने लगे. पुरुष, महिलाएँ और बच्चे बदहवास होकर भागने लगे.

यात्रियों ने चेन पुलिंग कर रोकी ट्रेन:

समस्तीपुर के यात्री उषेंद्र पासवान और दरभंगा के अमित सिंह ने



बताया कि वे देवघर से पूजा करके लौट रहे थे. जमुई स्टेशन पर ट्रेन रुकने के बाद जैसे ही कोच के अंदर धुआँ भरने लगा, चीख-पुकार मच गई. बदहवासी में यात्रियों ने तुरंत चेन पुलिंग कर ट्रेन को रोक दिया. ट्रेन रुकते ही जान बचाने की होड़ मच गई और स्टेशन परिसर में तनावपूर्ण माहौल बन गया. घटना की सूचना मिलते ही स्टेशन पर तैनात आरपीएफ, जीआरपी और रेलवे के तकनीकी कर्मचारी मौके पर पहुंचे. जांच के बाद पता चला कि ब्रेक बाईंडिंग यानी पहियों में ब्रेक शूज चिपक जाने या तकनीकी खराबी के कारण घर्षण से धुआँ और चिंगारी निकली थी. कोच में कोई आग नहीं लगी थी. रेलवे अधिकारियों और पुलिस टीम ने

सूझबूझ से काम लेते हुए यात्रियों को समझा-बुझाकर शांत किया. उन्होंने अफवाह पर ध्यान न देने की अपील की. तकनीकी टीम द्वारा बोगी की जांच पड़ताल के बाद ट्रेन को आगे की यात्रा के लिए रवाना कर दिया गया.

बिना सिग्नल ट्रेन खुली, कई यात्री छूटे:

हालांकि ट्रेन बिना सिग्नल दिए ही खुल गई, जिसके कारण बोगी से भागे कई यात्री छूट गए. जीआरपी थाने के एसएसआई बृजेश सिंह राठौड़ ने बताया कि एस-4 बोगी में ब्रेक बाईंडिंग के कारण पहियों के पास से चिंगारी और धुआँ निकला था, जिससे यात्रियों में अफवाह फैल गई और भगदड़ मच गई. जमुई रेलवे स्टेशन मास्टर नीतीश कुमार ने स्पष्ट किया कि ट्रेन में आग लगने जैसी कोई बात नहीं थी. ब्रेक बाईंडिंग के कारण चिंगारी निकली, एसपीपी करना पड़ा और फिर से समस्या आने पर दोबारा कार्रवाई की गई.

पटना में डॉक्टर दंपती को आया धमकी भरा कॉल

एजेंसी

पटना: राजधानी पटना के कंकड़बाग इलाके की एन-16 प्रोफेसर कॉलोनी में रहने वाले डॉ. उमाशंकर प्रसाद और उनकी पत्नी को रंगदारी के लिए धमकी दिए जाने का मामला सामने आया है. घर पर मौजूद डॉक्टर दंपती के मोबाइल पर एक अनजान नंबर से कॉल आया. पहली बार कॉल नहीं लेने के बाद उसी नंबर से लगातार फोन आने लगे. कॉल रिसीव करते ही दूसरी तरफ से अपशब्द शुरू हो गये.

30 लाख की मांगी रंगदारी:

फोन करने वाले व्यक्ति ने डॉक्टर से 30 लाख रुपये की रंगदारी मांगी और रकम नहीं देने पर उन्हें तथा उनकी पत्नी को जान से मारने की धमकी दी. डॉक्टर ने शुरू में इसे मजाक या बदमाशी समझकर कॉल काट दी, लेकिन मामला यहीं नहीं रुका.

पत्नी को कॉल करके दी जान से मारने की धमकी:

कुछ देर बाद उसी मोबाइल नंबर से



डॉक्टर की पत्नी के फोन पर कॉल किया गया. फोन करने वाले ने पत्नी से भी 30 लाख रुपये देने की मांग की और जान से मारने की धमकी दोहराई. लगातार दोनों को धमकी भरे फोन आने से दंपती बेहद परेशान हो गए.

डॉक्टर ने दर्ज कराई शिकायत:

डॉ. उमाशंकर प्रसाद ने पूरे मामले की जानकारी पुलिस को दी और जिस नंबर से कॉल आए थे, उसे भी उपलब्ध कराया. उन्होंने पत्रकार नगर थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई. शिकायत मिलते ही पुलिस ने जांच शुरू कर दी.

नवादा के वारिसलीगंज का मिला

लोकेशन:

मोबाइल नंबर के आधार पर प्रारंभिक जांच में संबंधित नंबर का लोकेशन नवादा जिले के वारिसलीगंज इलाके का मिला. पुलिस ने कथित आरोपी की पहचान और नाम-पते का सत्यापन भी कर लिया है.

क्या कहती है पुलिस?:

पत्रकार नगर थानेदार सोनू कुमार ने बताया कि डॉक्टर की लिखित शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच की जा रही है. धमकी देने वाले व्यक्ति का सत्यापन पूरा हो चुका है और पुलिस आरोपी को गिरफ्तार करने की कार्रवाई में जुटी है.

आय से अधिक संपत्ति मामले में एक्जीक्यूटिव इंजीनियर के 4 ठिकानों पर एसवीयू की रेड



एजेंसी

पटना। बिहार में भ्रष्टाचार के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है. अब तक कई बड़े अधिकारियों पर कार्रवाई हो चुकी है. इसी कड़ी में विशेष निगरानी इकाई की टीम बांका जल संसाधन विभाग के कार्यपालक अभियंता हरेंद्र कुमार के ठिकानों पर छापेमारी कर रही है. जानकारी के अनुसार, बांका जिले के बांका प्रमंडल में पदस्थापित हरेंद्र कुमार पर आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने का आरोप है. रस्व ने इस मामले में कांड संख्या 23/2026 दर्ज किया है. एसवीयू की टीम मंगलवार को उनके चार ठिकानों पर छापेमारी कर कागजात खंगाल रही है. अलग-अलग टीम उनके ठिकानों पहुंच कर उनके आय के

स्रोत, संपत्ति और उनसे संबंधित दस्तावेजों की जांच की जा रही है.

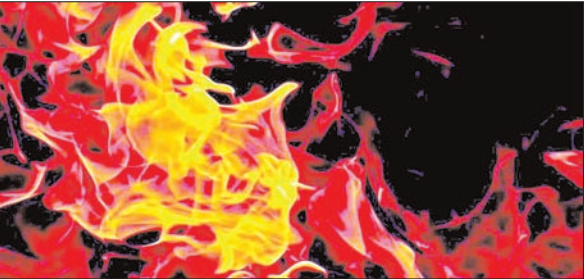
एक्जीक्यूटिव इंजीनियर के इन ठिकानों पर चल रही छापेमारी

जानकारी के अनुसार, कार्यपालक अभियंता हरेंद्र कुमार के पटना के महावीर नगर स्थित जनक नंदिनी अपार्टमेंट का फ्लैट नंबर 307, पटना के बेडर चौराहा स्थित छह मंजिला मकान, ग्राम सिमरवारा, थाना पातेपुर, जिला वैशाली स्थित परिसर और बांका में उनके कार्यालय लघु जल संसाधन विभाग में दस्तावेजों और विभागीय रिकॉर्ड की जांच कर रही है. तलाशी की कार्रवाई पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट होगा कि जांच के फिली सी को मिलने संपत्ति, नकदी, दस्तावेज या अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य मिले हैं.

एजेंसी

नवादा: 21वीं सदी का भारत जहां एक तरफ एआई और आधुनिक विज्ञान की बात कर रहा है, वहीं दूसरी तरफ जमीनी हकीकत आज भी रोंगटे खड़े कर देने वाली है. अंधविश्वास के चक्कर में आकर कुछ लोगों ने एक महिला को डायन करार दिया और फिर उसे जिंदा चिता पर झोंकने का प्रयास किया. मामला नवादा के सिरदला थाना क्षेत्र का है, जहां सोमवार की शाम अंधविश्वास लोगों पर इस कदर हावी हो गया कि अंतिम संस्कार के दौरान एक महिला को 'डायन' बताकर श्मशान घाट लाया गया और उसके साथ अपमानजनक व्यवहार किया गया.

भीड़ उग्र हुई तो पुलिस ने मौके पर पहुंचकर महिला की जान बचा ली. पीड़ित महिला रूपा (बदला हुआ नाम) का गांव की ही एक दूसरी महिला रीता (बदला हुआ नाम) से किसी बात को लेकर मामूली विवाद हो गया था. दोनों पक्षों में गाली-गलौज हुई थी. इस घटना के अगले



दिन रीता की तबीयत बिगड़ गई और करीब दो दिन इलाज के बाद उसकी मौत हो गई. मृतका के पीछे दो छोटे बच्चे हैं. रीता की मौत का जिम्मेदार ग्रामीणों ने रूपा को ठहरा दिया.

चिता के साथ जलाने की तैयारी

सोमवार को परिजन और ग्रामीण शव का अंतिम संस्कार करने गांव के पास स्थित श्मशान घाट पहुंचे. इसी दौरान रूपा को भी घाट पर बुलाया गया. आरोप है कि वहां कुछ लोगों ने रूपा पर मृतका की मौत के लिए जिम्मेदार होने और 'डायन' होने का आरोप लगाना शुरू कर दिया. इसके बाद माहौल बिगड़ गया

और महिला को चिता के साथ जलाने की तैयारी की जाने लगी.

पुलिस ने बचायी जान:

घटना की सूचना मिलते ही सिरदला थाना के निदेश पर डायल-112 की टीम सिपाही महफूज आलम के साथ मौके पर पहुंची. पुलिस ने भीड़ के बीच फंसी महिला को सुरक्षित बाहर निकाला. इसके बाद एएसआई मुकेश कुमार, प्रियेश कुमार विद्यार्थी सहित अन्य पुलिसकर्मी भी पहुंचे और महिला को थाने ले आए. घटना के बाद गांव के कई महिला-पुरुष भी थाने पहुंचे. पुलिस दोनों पक्षों से पूछताछ कर रही है. अपर थानाध्यक्ष

10 दिन पहले भी हुआ था विवाद- सिरदला थाना प्रभारी:

सिरदला थाना प्रभारी सुरेंद्र कुमार ने बताया कि हम अरवल में थे. कल शाम को ही थाने पर आए एडिशनल रल्टड विकास कुमार प्रभार में थे. लेकिन मुझे जहां तक जानकारी है 10 दिनों पूर्व में भी दोनों पक्षों में लड़ाइयां हुई थीं. घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल है और पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है. यह दिल दहला देने वाली वारदात चीख-चीख कर रही है कि जिन तक हम मानसिक रूप से डिजिटल नहीं होंगे.

सरकारी विद्यालय में इन विषयों के शिक्षकों की उपलब्ध उपलब्धता सुनिश्चित कराए.

शिक्षकों के वेतन पर चिंता:

तेजस्वी यादव ने चिंता जताते हुए कहा है कि अनुदानित मदरसों और शिक्षकेतर कर्मियों का लगभग 5 से 6 महीने से वेतन लॉबित है. उनके परिवारों की शिक्षा, चिकित्सा, दैनिक खर्चा और अन्य आवश्यकता सीधे प्रभावित हो रही है. जो शिक्षक और कर्मचारी वर्षों से अपनी सेवाएं दे रहे हैं उन्हें महीनो तक वेतन से वंचित रखना तो मानवीय दृष्टि में उचित है और ना ही एक संवेदनशील सरकार से अपेक्षित है. आरजेडी नेता ने अपनी चिट्ठी के माध्यम से 8 सूत्री मांग सरकार के सामने रखी

है. जिसमें पहला, उर्दू अरबी और फारसी शिक्षकों के वर्तमान सर प्लस स्थानांतरण सूची की स्वतंत्रता और निष्पक्ष समीक्षा कराई जाए. दूसरा, नियम विरोध पाए जाने वाले सभी स्थानांतरण तत्काल रद्द किए जाएं. तीसरा, विद्यालय में कार्यरत एकमात्र विषय शिक्षक को सरप्लस घोषित करने की प्रक्रिया तत्काल रोकी जाए. चौथा, उर्दू अरबी फारसी के स्वीकृत पदों को समाप्त न किया जाए. तेजस्वी की 8 सूत्री मांग में पांचवां पॉइंट है कि 5 वर्ष से कम सेवा अवधि संविदा और हाल में स्थानांतरण प्राप्त शिक्षकों से संबंधित मामलों की नियमों के अनुसार पुन: समीक्षा की जाए. छठा, प्रत्येक सरकारी विद्यालय में उर्दू और संस्कृत विषय के शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए.

संदिग्ध खबरें

बायोमेट्रिक हाजिरी से खुली डॉक्टरों की पोल ! 42 डॉक्टरों में से 41 का वेतन रुका

नलंदा: बिहार शरीफ सर अस्पताल में डॉक्टरों की ड्यूटी को लेकर पहले भी सवाल उठ चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद व्यवस्था में पूरी तरह सुधार नहीं हो सका है. जिलाधिकारी उदित सिंह के सख्त आदेश के बाद भी सदर अस्पताल में पदस्थापित 42 डॉक्टरों में से 21 बायोमेट्रिक हाजिरी नहीं बना रहे हैं. जुलाई में महज आठ डॉक्टरों ने बायोमेट्रिक उपस्थिति दर्ज की, लेकिन अनिवार्यत उपस्थिति रही. ऐसे में इनमें से सिर्फ उपाधीक्षक डॉ. राजीव रंजन को ही जुलाई का वेतन जारी किया गया. वहीं अस्पताल में तैनात 42 डॉक्टरों में से 41 का जुलाई महीने के वेतन भुगतान पर रोक लगा दी गई है. बाकी डॉक्टर अब भी रजिस्टर में हाजिरी बनाकर काम चला रहे हैं. डॉक्टरों की उपस्थिति को लेकर यह स्थिति तब है, जब 26 जून को गोली लगने से जख्मी युवक को सदर अस्पताल से रेफर किए जाने के बाद तत्कालीन डीडीसी रंजन कुमार चौधरी के नेतृत्व में अस्पताल की जांच कराई गई थी. जांच में 21 डॉक्टर ड्यूटी से गायब मिले थे. इस मामले को गंभीरता से लेते हुए डीएम उदित सिंह ने अनुपस्थित डॉक्टरों के संबंधित दिनों का वेतन रोकने का आदेश दिया था. इसके बाद अस्पताल में डॉक्टरों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए बायोमेट्रिक हाजिरी अनिवार्य कर दी गई है. जुलाई माह में बायोमेट्रिक हाजिरी बनाने वाले डॉक्टरों में सदर अस्पताल के उपाधीक्षक डॉ. राजीव रंजन के अलावा डॉ. अमरेंद्र कुमार, डॉ. नवीन कुमार, डॉ. नीतू सहाय, डॉ. प्रशांत, डॉ. संगीता वर्मा, डॉ. पावेल और डॉ. त्रिशला शामिल हैं. 26 जून को जिस दिन अस्पताल की जांच कराई गई थी, उस दिन मोहरम का पर्व था. अमावस स्थिति को देखते हुए कई चिकित्सकों की अतिरिक्त ड्यूटी भी लगाई गई थी. इसके बावजूद जांच के दौरान 21 डॉक्टर ड्यूटी से अनुपस्थित मिले थे. तत्कालीन डीडीसी रंजन कुमार चौधरी के नेतृत्व में हुई जांच की रिपोर्ट के बाद डीएम ने अनुपस्थित डॉक्टरों पर कार्रवाई के निर्देश दिए थे. डीएम के निर्देश के बाद अस्पताल में डॉक्टरों और कर्मियों की उपस्थिति पर निगरानी के लिए बायोमेट्रिक व्यवस्था को अनिवार्य किया गया. इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि डॉक्टर निर्धारित समय पर अस्पताल में मौजूद रहें और उनकी उपस्थिति का वास्तविक रिकॉर्ड उपलब्ध हो. बावजूद इसके 21 डॉक्टर अब भी बायोमेट्रिक हाजिरी से दूरी बनाए हुए हैं और रजिस्टर में उपस्थिति दर्ज कर रहे हैं.

रेलवे ट्रेक पर मिला यूनिफॉर्म और बैग, दानापुर में छात्रा को गायब करने वाला कौन?

पटना: बिहार की राजधानी पटना में केन्द्रीय विद्यालय की एक छात्रा के लापता होने से हड़कंप मच गया है. छात्रा का बैग और स्कूल यूनिफॉर्म रेलवे ट्रेक के पास मिलने के बाद परिजनों को अनहोनी की आशंका है. जिसके बाद स्थानीय लोगों ने देर रात दानापुर-बिहटा मुख्य मार्ग को जाम कर दिया और आगजनी की. हालांकि पुलिस की टीम छात्रा की तलाश में जुट गई हैं. पुलिस ने छात्रा के चाचा से मिली जानकारी के अनुसार बताया कि, छात्रा के पिता रेलवे में कार्यरत हैं. परिवार दानापुर खगौल रेलवे कॉलोनी में रहता है. छात्रा खगौल केन्द्रीय विद्यालय में 10वीं में पढ़ती है. सोमवार को स्कूल की छुट्टी के बाद करीब 1:40 बजे घर के लिए निकली थी, लेकिन वो घर नहीं पहुंची. छात्रा के चाचा ने बताया कि, जब काफी देर तक घर नहीं आई तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की. परिजन बच्चों के स्कूल पहुंचे और पूछताछ की. लेकिन स्कूल की ओर से बताया गया कि छात्रा छुट्टी के बाद स्कूल से समय पर निकल चुकी थी. इसके बाद परिजनों ने शाम चार बजे थाने में लिखित आवेदन देकर छात्रा के लापता होने की सूचना दी. इस बीच, सरारी गुमटी के पास रेलवे ट्रेक पर छात्रा का स्कूल बैग और ड्रेस मिलने की सूचना से परिजनों की चिंता बढ़ गईघर से स्कूल की दूरी 500 मीटर है. 1:30 बजे छुट्टी हुई, लेकिन वह 2 बजे तक घर नहीं आयी. स्कूल गए तो पता करने पर वहां नहीं मिली. इसके बाद पुलिस को सूचना दी गयी. थोड़ी दूरी पर रेलवे ट्रेक के पास ड्रेस और बैग मिला. शाम 4 बजे पुलिस को सूचना दिए, लेकिन बच्ची का कुछ पता नहीं चला है. पुलिस की कार्रवाई से नाराज परिजनों और स्थानीय लोगों ने आगजनी कर सड़क जाम कर दिया. प्रदर्शन के कारण सरारी-बिहटा मुख्य मार्ग पर दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई. इस बीच, जाम और प्रदर्शन की सूचना मिलते ही आरपीएफ के जवान मौके पर पहुंचे और लोगों को समझाने का प्रयास किया. खगौल और शाहपुर थाना की पुलिस भी मौके पर पहुंचकर जाम हटाया. दानापुर एएसपी अजीत कुमार ने बताया कि पुलिस छात्रा की तलाश और पूरे मामले की जांच में जुट गई है. परिजनों की ओर से मिली जानकारी के अनुसार छात्रा स्कूल से निकली थी, लेकिन घर नहीं पहुंची. रेलवे ट्रेक पर ड्रेस और बैग मिले हैं. सीसीटीवी फुटेज देखा गया है, जिसमें छात्रा अपनी सहेली के साथ जाती हुई दिख रही है. इस खबर के बाद पुलिस की डोंग स्क्वाड और फॉरेंसिक टीम घटनास्थल पर पहुंची और जांच शुरू कर दी.

क्रिकेटर मुकेश कुमार और आकाश दीप ने ज्वाइन की डीएसपी की नौकरी

पटना: भारतीय क्रिकेटर मुकेश कुमार और आकाश दीप, डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ पुलिस (डीएसपी) के तौर पर प्रोविजनल नियुक्ति के बाद आधिकारिक रूप से बिहार पुलिस में शामिल हो गए हैं. ये नियुक्तियां बिहार गृह विभाग द्वारा 'बिहार उत्कृष्ट खिलाड़ियों की सीधी भर्ती' (संशोधन) नियमावली, 2026' के तहत जारी नोटिफिकेशन के बाद की गईं, जो प्रावधानों के तहत गठित एक उच्च-स्तरीय चयन समिति की सिफारिशों पर आधारित थीं. दोनों क्रिकेटर 10 अगस्त को पटना में बिहार पुलिस मुख्यालय में ड्यूटी के लिए हाजिर हुए, जिससे उनके करियर में एक नए अध्याय की शुरुआत हुई. इंटरनेशनल क्रिकेट के मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने के बाद, मुकेश कुमार और आकाश दीप अब राज्य में पुलिस अधिकारी के तौर पर जिम्मेदारियां संपालेंबिहार पुलिस में इन दो नए नियुक्त डीएसपी को औपचारिक रूप से शामिल करने के लिए पुलिस मुख्यालय में एक विशेष स्वागत समारोह आयोजित किया गया.

अब जंग नहीं, फेड का फैसला तय करेगा सोने की चमक! ब्याज दरों पर टिकी गोल्ड की अगली चाल

नई दिल्ली

सोने की कीमतों और भू-राजनीतिक संघर्षों के बीच पारंपरिक संबंध बदल रहा है तथा मुद्रास्फूर्ति, ब्याज दरें और मौद्रिक नीति सराफा कीमतों को प्रभावित करने वाले अधिक महत्वपूर्ण कारक बनकर उभरे हैं। एक रिपोर्ट में यह बात कही गई है।

मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (एमओएसएसएल) की 'एच1 2026 प्रेशियस मेटल्स रिपोर्ट' के अनुसार, चालू वर्ष की पहली छमाही में यह स्पष्ट हुआ कि केवल भू-राजनीतिक जोखिम सोने में तेजी बनाए रखने के लिए पर्याप्त नहीं हैं। निवेशक अब संघर्षों का आकलन इस आधार पर अधिक कर रहे हैं कि उनका मुद्रास्फूर्ति और ब्याज दरों पर क्या असर पड़ता है।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों में कटौती से सोने की कीमतों को मिली मजबूती



संघर्ष में सोने की तेजी रही सीमित

रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका-ईरान संघर्ष भी इस बदलते रुख का उदाहरण है। संघर्ष बढ़ने पर शुरूआती दौर में सोने की मांग बढ़ी, लेकिन कच्चे तेल की कीमतें बढ़ने से मुद्रास्फूर्ति की वृद्धि बढ़ी और मौद्रिक नीति में ढीली की उम्मीद कमजोर हुई। इससे सोने की तेजी सीमित रही और बाद में कीमतों में सुधार आया। रिपोर्ट में कहा गया, शुल्क अब केवल आर्थिक वृद्धि के लिए जोखिम नहीं रह गए हैं, बल्कि वे मुद्रास्फूर्ति बढ़ाने वाली ताकत बन गए हैं।

गोल्ड सोने के लिए सबसे बड़ी बाधा

दमानी ने कहा कि ऊंचे बैंड प्रतिफल (रॉल्ड) सोने के लिए सबसे बड़ी बाधा बनकर उभरी। इससे सुरक्षित निवेश के रूप में सोने की पारंपरिक मांग पर भी असर पड़ा, जबकि भू-राजनीतिक तनाव ऊंचे स्तर पर बने रहे। रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष की शुरुआत में नीतिगत अनिश्चितता, एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में निवेश, केंद्रीय बैंकों की खरीदारी और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदों से सोने की कीमतों को मजबूती मिली। रिपोर्ट में कहा गया कि बाद में शुल्क बढ़ने से ऊर्जादान लागत और मुद्रास्फूर्ति की अपेक्षाएं बढ़ीं। इससे लंबे समय तक ऊंची ब्याज दरें बने रहने की आशंका मजबूत हुई और अमेरिकी ट्रेजरी प्रतिक्रियाओं की वास्तविक प्रतिफल तथा डॉलर में तेजी आई।

खबर संक्षेप

एयरटेल बिजनेस-आईटीआई ने किया समझौता

नई दिल्ली। भारतीय एयरटेल की कारोबार-से-कारोबार (बी2बी) इकाई एयरटेल बिजनेस और सार्वजनिक क्षेत्र की दूरसंचार कंपनी आईटीआई लिमिटेड ने उद्यमों को डिजिटल समाधान उपलब्ध कराने के लिए समझौता किया है। आईटीआई लिमिटेड के कोटे का लाभ उठाकर सार्वजनिक क्षेत्र, एयरटेल बिजनेस की हिस्सेदारी बढ़ाने में मदद मिलेगी।

भारत फोर्ज को 89.89 करोड़ का घाटा

नई दिल्ली। वाहन कलपुर्जा विनिर्माता कंपनी भारत फोर्ज लिमिटेड को चालू वित्त वर्ष 2026-27 की अप्रैल-जून तिमाही में 89.89 करोड़ रुपए का एकीकृत शुद्ध घाटा हुआ है। कंपनी ने सोमवार को कहा कि उसकी जर्मनी स्थित अनुभूति इकाई के पुनर्गठन के लिए किए गए प्रावधान के कारण वह घाटे में रही।

'आश्रयम' टाउनशिप' के दूसरे चरण की शुरुआत

नई दिल्ली। रियल एस्टेट कंपनी अग्रशील इन्फ्राटेक प्राइवेट लि. ने लखनऊ में अपनी टाउनशिप परियोजना 'आश्रयम' के दूसरे चरण की शुरुआत की घोषणा की है। कंपनी इस चरण में करीब 100 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। 'आश्रयम' एकीकृत भूखंड आधारित टाउनशिप परियोजना का दूसरा चरण लगभग 11.25 एकड़ में फैला है।

अमारा राजा एनर्जी का मुनाफा 16 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। बैटरी विनिर्माता कंपनी अमारा राजा एनर्जी एंड मोबिलिटी लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के दौरान मजबूत बिक्री वृद्धि के दम पर एकीकृत शुद्ध लाभ 16 प्रतिशत बढ़कर 190.94 करोड़ रुपए हो गया। पिछले वर्ष की इसी तिमाही में कंपनी ने 164.8 करोड़ रुपए का एकीकृत शुद्ध लाभ कमाया था।

दुनिया के सबसे सक्रिय प्राथमिक बाजारों में शामिल भारत आईपीओ बाजार में भारत की धूम, 360 से ज्यादा इश्यू से जुटे 1.9 लाख करोड़

नई दिल्ली

घरेलू कंपनियों ने बीते वित्त वर्ष 2025-26 में 360 से अधिक आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के जरिए करीब 1.9 लाख करोड़ रुपए जुटाए। इसके साथ ही भारत दुनिया के सबसे सक्रिय प्राथमिक बाजारों में शामिल रहा। हालांकि, सूचीबद्ध होने के बाद मिलने वाले लाभ और शेयरों की संख्या के मुकाबले अधिकतम बोलियों में कमी से संकेत मिलता है कि निवेशक अब कंपनियों का चयन अधिक सावधानी से कर रहे हैं। ग्रांट थॉर्नटन, भारत की सोमवार को जारी देश के आईपीओ बाजार पर रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक अनिश्चितताओं और तनाव तथा बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद कंपनियों की पूंजी जुटाने की गतिविधियां मजबूत बनीं रहीं।

मजबूत कंपनियों में बढ़ी निवेशकों की रुचि

रिपोर्ट में कहा गया है कि निवेशकों की रुचि अब उन कंपनियों की ओर अधिक बढ़ी है, जिनकी बुनियाद मजबूत है, कंपनी संवर्धन व्यवस्था बेहतर है, आम में वृद्धि की स्पष्ट संभावना है और मूल्यंकन अधिक संतुलित है। मुख्य शेयर बाजारों में वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान रिकॉर्ड 109 आईपीओ आए, जिनके माध्यम से करीब 1.77 लाख करोड़ रुपए जुटाए गए। इसकी तुलना में वित्त वर्ष 2024-25 में 80 आईपीओ के जरिये 1.63 लाख करोड़ रुपए जुटाए गए थे। रिपोर्ट के मुताबिक, मार्च, 2026 में वैश्विक स्तर पर हुए कुल आईपीओ में भारत की हिस्सेदारी 14 प्रतिशत रही और इस मामले में चीन के बाद दूसरे स्थान पर रहा।

मार्च, 2026 में वैश्विक स्तर पर आईपीओ ने भारत की हिस्सेदारी 14 %

निवेशक ले रहे अधिक सोव-समाइकल निर्णय : वित्त वर्ष 2025-26 में आईपीओ के लिए अधिक अनिश्चितता का औसत घटकर 39 गुना रह गया, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 में यह 71 गुना था। यह कंपनियों के मूल्यंकन, प्रबंधन गुणवत्ता और करोड़ों की मजबूती को लेकर बढ़ती जांच की दृष्टि है। इसी तरह, सूचीबद्ध होने के पहले दिन मिलने वाला औसत लाभ वित्त वर्ष 2025-26 में घटकर सात प्रतिशत रह गया, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 में यह 29 प्रतिशत था। वहीं, सूचीबद्ध आईपीओ कंपनियों का औसत सालाना प्रदर्शन 17 प्रतिशत नकारात्मक रहा।

नए शेयर जारी करने का हिस्सा बढ़कर हुआ 39 प्रतिशत

भारतीय पूंजी बाजार की मजबूती को घरेलू निवेशकों की अच्छी भागीदारी और लगातार बढ़ते निवेशक आधार का समर्थन मिला। हालांकि वैश्विक घटनाक्रमों, जिसमें मौद्रिक और मुद्रा बाजार में उतार-चढ़ाव का प्रभाव निवेशकों के फैसलों पर बढ़ा है। ग्रांट थॉर्नटन की रिपोर्ट के अनुसार, मुख्य बाजार के आईपीओ से जुटाई गई राशि में बिक्री प्रेक्शन (ओएफएस) का दबदबा बना रहा और इसकी हिस्सेदारी 61 प्रतिशत रही। वहीं, नए शेयर जारी करने का हिस्सा बढ़कर 39 प्रतिशत हो गया, जो वृद्धि के लिए पूंजी जुटाने की गतिविधियों में धीरे-धीरे सुधार का संकेत है। निवेशकों के बढ़ते रुख का असर आईपीओ के लिए बोलों और सूचीबद्ध होने के प्रदर्शन में भी दिखाई दिया।

एनडीआर स्मार्ट स्पेसेज में करेगी निवेश आईएफसी

मुंबई। अंतरराष्ट्रीय वित्त निगम (आईएफसी) ने एनडीआर स्मार्ट स्पेसेज प्राइवेट लिमिटेड में 22.5 करोड़ रुपए (करीब 2.3 करोड़ डॉलर) के इक्विटी निवेश की घोषणा की। इस निवेश से एनडीआर स्मार्ट स्पेसेज की 14 शहरों में लगभग दो करोड़ वर्ग फुट 'निर्माणधीन' है। एनडीआर स्मार्ट स्पेसेज, एनडीआर समूह की ओर से स्थापित एक नया मंच है। यह एनडीआर इनविट ट्रस्ट का प्रायोजक है और महाराष्ट्र, तमिलनाडु तथा उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में ग्रेड-ए वेयरहाउस और लॉजिस्टिक अवसंरचना विकसित करने पर केंद्रित है। कंपनी के अनुसार, इस पोर्टफोलियो में सामान्य वेयरहाउस और कोल्ड स्टोरेज दोनों शामिल होंगे। परियोजना का विशेष ध्यान टियर-2 और टियर-3 के शहरों पर होगा, जहां आधुनिक लॉजिस्टिक अवसंरचना और संगठित क्षेत्र में गुणवत्तापूर्ण रोजगार के अवसर अपेक्षाकृत कम हैं।

10 लाख कनेक्टेड कारों की बिक्री करेगी हुंडई ...

नई दिल्ली। मोटर वाहन विनिर्माता कंपनी हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड का लक्ष्य 2027 तक भारत में कुल 10 लाख कनेक्टेड कारों की बिक्री का है। कनेक्टेड कारों में वायरलेस साफ की सुविधा होती है, जिससे विभिन्न उद्देश्यों के लिए वाहन से संबंधित आंकड़ों का आदान-प्रदान किया जा सकता है। कंपनी ने कहा कि फिलहाल भारतीय सड़कों पर उसकी 'ब्लूटूथ कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित कनेक्टेड कार प्रौद्योगिकी से लेस आठ लाख से अधिक कारें चल रही हैं। हुंडई मोटर इंडिया के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) तरुण गर्ग ने कहा, कनेक्टेड वाहनों का बढ़ता इस्तेमाल वाहनों की बढ़ती अपेक्षाओं और वाहन क्षेत्र में प्रौद्योगिकी की बढ़ती भूमिका को दर्शाता है। वर्ष 2027 तक 10 लाख कनेक्टेड कारों की बिक्री के लक्ष्य की ओर बढ़ते हुए हमारा ध्यान सॉफ्टवेयर आधारित वाहन प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाने और अपने उत्पादों में कनेक्टेड प्रौद्योगिकी का विस्तार करने पर है।

इन नंबरों का उपयोग किसी भी तरह की प्रचार के लिए नहीं होगा

नई दिल्ली

दूरसंचार नियामक ट्राई ने सोमवार को बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं एवं बीमा (बीएफएसआई) तथा सार्वजनिक क्षेत्र के अलावा अन्य क्षेत्रों की सेवा और लेनदेन संबंधी कॉल के लिए अलग 1601 नंबर श्रृंखला के इस्तेमाल का निर्देश दिया। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने कहा कि पहले चरण में 1601 नंबर श्रृंखला का उपयोग बिजली, पानी, रसोई गैस, शहर गैस, कूरियर और लॉजिस्टिक क्षेत्र की कंपनियों अपने ग्राहकों को सेवा और लेनदेन संबंधी कॉल करने के लिए करेगी। इन नंबरों का उपयोग किसी भी तरह की प्रचार (प्रमोशनल) कॉल के लिए नहीं किया जा सकेगा।

डॉलर के सामने 11 पैसे गिरा रुपया, 95.28 के स्तर पर पहुंचा

मुंबई

मजबूत डॉलर और वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी के बीच सोमवार को रुपया 11 पैसे कमजोर होकर 95.28 प्रति डॉलर (अस्थायी) पर रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के मुताबिक, पश्चिम एशिया वार्ता में कोई प्रगति नहीं होने और डॉलर में मजबूती से स्थानीय मुद्रा पर दबाव रहा। हालांकि, विदेशी निवेशकों के प्रवाह ने रुपए को थोड़ा सहारा दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.18 पर खुला और कारोबार के दौरान 95.18 से लेकर 95.31 के दायरे में कारोबार करता रहा। अंत में यह 95.28 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर बंद हुआ, जो पिछले सत्र के मुकाबले 11 पैसे की गिरावट है। रुपया पिछले कारोबारी सत्र में शुक्रवार को 95.17 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

कच्चे तेल की कीमतों में उछाल से रुपया कमजोर

निराए एसेट शेयरखान के शेध विश्लेषक अनुज चौधरी ने कहा, अमेरिका एवं ईरान के बीच समझौते को लेकर अनिश्चितता और कच्चे तेल की कीमतों में अचानक आए उछाल से सोमवार को रुपया कमजोर हुआ। पिछले सत्र से डॉलर के मजबूत होने का भी असर पड़ा, लेकिन घरेलू शेयर बाजार की मजबूती ने निरावट को सीमित रखा। चौधरी ने कहा कि इस सप्ताह अमेरिकी मुद्रास्फूर्ति के आंकड़े आने से पहले कारोबारी सत्रक रह सकते हैं और डॉलर एवं रुपए की विनिमय दर 95 से 95.60 के दायरे में रह सकती है।

जापान, मलेशिया और बहरीन के साथ बातचीत कर रही है एनपीसीआई

भारत का यूपीआई अब होगा ग्लोबल, मिलेगी कई सुविधाएं

नई दिल्ली

भारत के हर जगह मौजूद मोबाइल पेमेंट नेटवर्क को चलााने वाली कंपनी, दुनिया भर में अपने कारोबार को बढ़ाने के लिए विदेशों में बसे भारतीयों का सहारा लेने की योजना बना रही है। इसका मकसद इस प्लेटफॉर्म को देशों के बीच पैसे के लेन-देन का पसंदीदा जरिया बनाना है।

नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) के सीईओ दिलीप अस्वने ने कहा, क्या आपले 10 सालों में 15-20

■ एनआरआई नेटवर्क से दुनिया तक पहुंचना डिजिटल पेमेंट



यूपीआई के जरिए आसान होगा विदेशी पेमेंट

इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड के अनुसार, ट्रांजेक्शन लॉन्गुम के मामले में यूपीआई दुनिया का सबसे बड़ा रियल-टाइम पेमेंट सिस्टम है। इसने भारत में रोजमर्रा के पेमेंट के तरीके को बदल दिया है। अब यूएस मोबाइल फोन का इस्तेमाल करके बैंक अकाउंट्स के बीच तुरंत पैसे ट्रांसफर कर सकते हैं और कई ट्रांजेक्शन के लिए उन्हें कार्ड नेटवर्क की जरूरत नहीं पड़ती। एनपीसीआई अब यूपीआई को विदेशी पेमेंट सिस्टम से जोड़कर विदेशों में भी वैसी ही कामयाबी हासिल करना चाहता है।

बाजारों में पहुंचना मुश्किल है? मुझे लगता है कि यह बाजार में उतरने का एक बहुत अच्छा तरीका है। एनपीसीआई ने ही यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) बनाया है। उन्होंने आगे कहा, जिस तरह भारत घरेलू पेमेंट के मामले में आत्मनिर्भर है, उसी तरह हम दूसरे देशों के साथ होने वाले पेमेंट (क्रॉस-बॉर्डर पेमेंट) के मामले में भी आत्मनिर्भर बनना चाहते हैं। एनपीसीआई जापान, मलेशिया और बहरीन जैसे देशों के साथ बातचीत कर रही है। उन्होंने कहा कि जियोपॉलिटिकल और रेगुलेटरी असर की वजह से इन देशों की सरकारों और सेंट्रल बैंकों का फ्रैसला ही आखिरी होगा।

दोनों तरह की कॉल में भ्रम न हो अभी 1600 नंबर श्रृंखला का उपयोग केवल बैंकिंग, वित्तीय सेवाओं और बीमा (बीएफएसआई) क्षेत्र तथा सरकारी संस्थाओं की सेवा और लेनदेन संबंधी कॉल के लिए किया जाता है। ट्राई ने कहा कि बीएफएसआई और सरकारी संस्थाओं की कॉल सिक्योरिटी और महत्वपूर्ण होती है। इसलिए अन्य क्षेत्रों की सेवा संबंधी कॉल के लिए अलग 1601 श्रृंखला शुरू की गई है, ताकि दोनों तरह की कॉल में भ्रम न हो।



■ डॉलर में मजबूती से स्थानीय मुद्रा पर दबाव रहा

रुपया पिछले सत्र के स्तर से मामूली कमजोर

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के मुख्य निवेश रणनीतिकार लोक चित्रयकुमार ने कहा, रुपया पिछले सत्र के स्तर से मामूली कमजोर हुआ है। बेट कूड के 84 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर जाने और व्यापार घाटे पर इसके संभावित असर के कारण दबाव बना। हालांकि, विदेशी पोर्टफोलियो निवेश का सकरात्मक प्रवाह अगस्त में भी जारी होने से रुपयों को सहारा मिल रहा है।



खबर संक्षेप



ई-स्पोर्ट विश्व कप : ग्रांड फाइनल में भारत की दो टीमों

पेरिस। 'ओरंगुटान' और 'गॉडलाइक ई-स्पोर्ट' ने यहां जारी ई-स्पोर्ट विश्व कप 2026 में 'पबजी मोबाइल विश्व कप (पीएमडब्ल्यूसी)' के फाइनल में जगह बनाने वाली पहली भारतीय टीम बनने का गौरव हासिल किया है। पीएमडब्ल्यूसी ग्रुप चरण में ओरंगुटान और गॉडलाइक ई-स्पोर्ट ने अपने-अपने ग्रुप में शीर्ष पांच में रहते हुए फाइनल के लिए क्वालीफाई किया। प्रतियोगिता में 32 टीमों को 16-16 के दो ग्रुप में बांटा गया था और प्रत्येक टीम ने 12 मुकाबले खेले। ओरंगुटान ने ग्रुप-ए में 91 अंकों के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। वह ग्रुप में शीर्ष पर रहने वाली 'फोर श्राइव' से 16 अंक पीछे रही। वहीं, गॉडलाइक ई-स्पोर्ट ने ग्रुप-बी में 105 अंकों के साथ तीसरा स्थान हासिल किया।

पीजीए सीनियर्स: जीव ने किया सातवां स्थान हासिल



एबेर्डीन। दिग्गज गोल्फर जीव मिल्खा सिंह ने अंतिम दौर में दो-अंडर 70 का कार्ड खेलकर 2026 स्ट्रेचयोर पीजीए सीनियर्स चैंपियनशिप में संयुक्त रूप से सातवां स्थान हासिल किया। जीव (54 वर्ष) ने पिछले सत्र में आईजीपीएल कोलंबो में खिताब जीता था। उन्होंने 76, 71, 69 और 70 के कार्ड खेला, जिससे उनका कुल स्कोर दो अंडर रहा। दक्षिण अफ्रीका के डैरेन फिचार्ड ने एबर्डीन के ट्रम्प इंटरनेशनल गोल्फ लिंक्स में पांच शॉट के अंतर से 2026 पीजीए सीनियर्स का खिताब जीता। एक अन्य भारतीय गोल्फर ज्योति रंधावा 74 और 79 के कार्ड खेलने के कारण कट हासिल करने से चूक गए थे। जीव कई सर्किट में खेल रहे हैं, जिनमें भारत में आईजीपीएल, एशियाई टूर, यूरोपीय सीनियर और जापान सीनियर टूर शामिल हैं। अंतिम दौर में तेज हवाओं के बीच जीव ने फ्रंट नाइन के शुरुआती पांच होल में से दो बोगी लगाई।



लंदन। भारतीय गोल्फर प्रणवी उर्स ने पीआईएफ लंदन चैंपियनशिप के अंतिम दौर में शानदार प्रदर्शन करते हुए सात अंडर 66 का कार्ड खेला और संयुक्त 19वें स्थान पर रही जबकि अदिति अशोक ने अंतिम दौर में चार अंडर 69 का स्कोर कर संयुक्त 17वां स्थान हासिल किया। प्रणवी तीसरे दौर में निराशाजनक 78 का कार्ड खेलने के बाद अंतिम दौर की शुरुआत में शीर्ष 30 से बाहर थीं। उन्होंने सप्ताह का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 12 स्थान की छलांग लगाई। प्रणवी ने 70, 73, 78 और 66 के दौर के साथ कुल 5-अंडर 287 का स्कोर बनाया।

भारतवंशियों की लंदन में धूम, 17 साल के श्रेयस रॉयल की ऐतिहासिक जीत

11 साल की बोधना ने रचा इतिहास, रोमांचक प्लेऑफ में जीता ब्रिटिश शतरंज का खिताब

लंदन भारतीय मूल की 11 वर्षीय शतरंज प्रतिभा बोधना सिवानंदन और 17 वर्षीय श्रेयस रॉयल ने सप्ताहांत में 2026 ब्रिटिश शतरंज चैंपियनशिप जीतकर इतिहास रच दिया। कोवेंट्री में हुई प्रतियोगिता में बोधना ब्रिटेन की अब तक की सबसे कम उम्र की महिला शतरंज चैंपियन बन गईं। मुकाबले के दौरान दर्शक उन्हें प्यार से 'गोधना' कहकर उत्साहित कर रहे थे। उन्होंने आयरलैंड की 14 वर्षीय उभरती हुई खिलाड़ी त्रिशा कन्यमाराला को रोमांचक रैपिड शतरंज प्लेऑफ में हराकर खिताब अपने नाम किया।

बोधना ने लॉकडाउन में शुरू किया था खेलना 'डब्लिश चैस फेडरेशन (ईसीएफ)' के लिए कमेंट्री कर रहे गैडमास्टर डेनी गोमर्ली ने कहा, 'अविश्वसनीय। बोधना जीत गई हैं। यह कमाल की खिलाड़ी हैं, एक ऐसी प्रतिभा जो पीढ़ी में एक बार ही देखने को मिलती है।' बोधना ने कोविड-19 महामारी के दौरान लगे लॉकडाउन में पहली बार शतरंज खेलना शुरू किया था जब उनके पिता के एक मित्र भारत लौट रहे थे और जाते समय कुछ बैग छोड़ गए थे, जिनमें एक शतरंज का बोर्ड भी था। उस समय बोधना ने कहा था, 'मुझे शतरंज के मोहरे बहुत आकर्षक लगे, इसलिए मैंने खेलना शुरू कर दिया।'



बोधना ने पूरी की शानदार हैट्रिक इसके बाद से उत्तर-पश्चिम लंदन की इस स्कूली छात्रा ने लगातार कई रिकॉर्ड तोड़े हैं और सबसे कम उम्र की सफल खिलाड़ियों में अपनी पहचान बनाई है। शतरंज के तेज प्रारूप में वह पहले ही 'यूके ओपन महिला खिताब' चैंपियन और संयुक्त ब्रिटिश महिला रैपिड चैंपियन बन चुकी हैं। अब वालासिकर प्रारूप की इस जीत के साथ 11 वर्षीय बोधना ने शानदार हैट्रिक पूरी कर ली है। इस चैंपियनशिप में उनकी एकमात्र हार छठे दौर में श्रेयस रॉयल के खिलाफ हुई।

श्रेयस ने 9 दौर के बाद हासिल किया शीर्ष स्थान वहीं श्रेयस रॉयल ने 9 दौर के बाद तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर कुल अंक से ब्रिटिश खिताब अपने नाम किया। उन्होंने इंग्लैंड के अनुभवी गैडमास्टर को आठ अंक से पीछे छोड़ दिया। अपने पहले ब्रिटिश खिताब के साथ उन्होंने विश्व स्तरीय उमरती हुई शतरंज प्रतिभा के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर ली है। दक्षिण-पूर्व लंदन के इस किशोर खिलाड़ी ने आगे चलकर ब्रिटेन के प्रमुख युवा शतरंज खिलाड़ियों में अपना स्थान बनाया। इस वर्ष की चैंपियनशिप में उन्होंने शुरुआत से ही साबित कर दिया कि वह स्थापित दिग्गज खिलाड़ियों को कड़ी चुनौती देने में सक्षम हैं और टूर्नामेंट आगे बढ़ने के साथ खिताब की दौड़ में सबसे मजबूत दावेदार बन गए।

सिनसिनाटी ओपन

चोट के कारण टूर्नामेंट नहीं खेल पाएंगे नंबर-1 सिनर

नई दिल्ली दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर दाहिने घुटने की चोट के कारण सिनसिनाटी ओपन से हट गए हैं। टूर्नामेंट के आयोजकों ने पुष्टि की है कि इटली का यह स्टार टेनिस खिलाड़ी टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले पाएगा। इस महीने होने वाले यूएस ओपन की तैयारियों को देखते हुए इसे यानिक सिनर के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है। 24 साल के इस खिलाड़ी ने साल के आखिरी ग्रैंड स्लैम से पहले होने वाले एक और अहम हार्ड-कोर्ट टूर्नामेंट, कैनेडियन ओपन से भी अपना नाम वापस ले लिया था। पिछले महीने विंबलडन में अपना पांचवां ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने के बाद, उन्हें उम्मीद थी कि नॉर्थ अमेरिका का उनका टूर यूएस ओपन में अपने खिताब का बचाव करने से पहले उन्हें मजबूती देगा।

सिनसिनाटी में टेनिस टूर्नामेंट की लाइन-अप हुई कमजोर उनके हटने से सिनसिनाटी में टेनिस टूर्नामेंट की लाइन-अप और कमजोर हो गई है, क्योंकि यूएस ओपन चैंपियन कार्लोस अल्काराज पहले ही कलाई की चोट के कारण बाहर हो चुके हैं। सिनर के न खेलने का मतलब है कि दुनिया के नंबर 1 खिलाड़ी को इस महीने के आखिर में होने वाले यूएस ओपन से पहले हार्ड कोर्ट पर मुकाबले की तैयारी के लिए बहुत कम मौके मिलेंगे। इसके अलावा, उनका यह फैसला बताता है कि सीजन के मुश्किल शुरुआती हिस्से के बाद घुटने की समस्या से निपटने के लिए सावधानी बरतना जरूरी है। सिनसिनाटी ओपन का मेन ड्रॉ 13 अगस्त से शुरू होगा, जबकि यूएस ओपन का मेन ड्रॉ 30 अगस्त से शुरू होगा। अब सिनर के पास साल के आखिरी गैड स्लैम से पहले ठीक होने और पूरी तरह फिट होने के लिए दो हफ्ते से थोड़ा ज्यादा समय होगा।

646 दिन बाद सरफराज की टेस्ट टीम में वापसी, कश्मीर में घटाया 17 किलो वजन

नई दिल्ली। भारत की टेस्ट टीम में वापसी करने से कुछ दिन पहले सरफराज खान ने सोशल मीडिया पर लिखा था 'हो सकता है मैं टीम में फिट न बैठूं, लेकिन मैं अपनी तरफ से कोई कसर नहीं छोड़ूंगा।' इससे उनके दृढ़ संकल्प का पता चलता है लेकिन वह तब की परिस्थितियों से भी अच्छी तरह अवगत थे। अब क्रिस्मत ने पलटो खाई और वह फिर से भारतीय टीम का हिस्सा बन गए, जो एक तरह से उनके दृढ़ संकल्प की भी जीत है। साई सुदर्शन के चोटिल होने से सरफराज को भारतीय टीम में जगह बनाने का वह मौका मिल गया, जिसका वे पिछले दो वर्षों से इंतजार कर रहे थे। उन्हें 15 अगस्त से श्रीलंका के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए टीम में शामिल किया गया है। सरफराज ने टीम में शामिल होने के लिए 17 किलो वजन भी घटाया।

रणजी ट्रॉफी में लगाया था तिहरा शतक

मुंबई के रहने वाले इस खिलाड़ी के लिए यह वापसी इससे बेहतर समय पर नहीं हो सकती थी, क्योंकि उन्होंने फिट होने के लिए अपनी तरफ से हर संभव प्रयास किए थे, जिसमें पिछले डेढ़ साल में 17 किगो वजन कम करना भी शामिल था। रणजी ट्रॉफी में तिहरा शतक बनाने के बवजूद सरफराज को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के लिए अधिक भारी भरकम शरीर वाला खिलाड़ी माना जाता था लेकिन अब वह अधिक चुस्त-दुरुस्त दिखते हैं, जिसने निश्चित रूप से उनके टैटो खेल में सुधार हुआ है।

15 अगस्त से श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए टीम में शामिल



शेर-ए-कश्मीर स्टेडियम में किया अभ्यास

मुंबई में बेमैसम की बारिश के कारण अभ्यास करना संभव नहीं था और इसलिए सरफराज कश्मीर चले गए, जहां उन्होंने अपने कोशल को निखारने के लिए शेर-ए-कश्मीर स्टेडियम में घंटों बिताए। इसलिए उनकी वापसी काफी मायने रखती है, क्योंकि 2024 में न्यूजीलैंड के खिलाफ चार बार नाकाम रहने के बाद टीम से बाहर किए जाने की पचा पाना मुश्किल था। यह एक ऐसी श्रृंखला थी, जिसमें सभी खिलाड़ी असफल रहे लेकिन आखिर में गाज सिर्फ इस 28 वर्षीय खिलाड़ी पर ही गिरी। इसके बाद वे इंग्लैंड गए जहां उन्होंने बेकेंडेन में एक 'इंट्र-स्ववाद' मैच (भारत बनाम भारत ए) में शतक बनाने के अलावा इंग्लैंड लांसेस के खिलाफ एक अनौपचारिक टेस्ट में भारत ए की तरफ से 92 रन बनाए। लेकिन राष्ट्रीय टीम में उनकी वापसी दूर की कौड़ी बनी रही जब तक कि दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत का अपने घरेलू मैदानों पर लक्ष्य प्रदर्शन के कारण खतरे की घंटी नहीं बजी।

स्पिन गेंदबाजी खेलने में माहिर सरफराज

सूत्रों की मानें तो टीम प्रबंधन ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तुवाहती में दूसरे टेस्ट से पहले सरफराज के बारे में पूछताछ की थी, लेकिन चयन समिति उन्हें वापस टीम में लेने के लिए तैयार नहीं थी। लेकिन अब सुदर्शन के दाहिने पैर के अंगूठे में लगी चोट के समय पर ठीक नहीं होने के कारण चयन समिति के पास उनकी जगह भरने के लिए तीन विकल्प थे। रंथुसराज गायकवाड़, शेख रशीद और सरफराज, जो मौजूदा टीम में कप्तान शुभमन गिल और त्रिष भट्ट के अलावा शायद स्पिन गेंदबाजी को खेलने में सबसे माहिर खिलाड़ी हैं। ध्रुव जुरेल कुछ समय से रिनरों के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं। इसलिए यह निश्चित नहीं कहा जा सकता कि उत्तर प्रदेश का यह खिलाड़ी 15 अगस्त से गॉल में शुरू होने वाले पहले टेस्ट में विभूत बल्लेबाज के रूप में खेलेंगे।

तलवारबाजी चैंपियनशिप : भारत का दबदबा, अंडर-23 में जीते 17 पदक

नई दिल्ली भारत ने पुरुष और महिला दोनों वर्ग की व्यक्तिगत स्पर्धाओं में दबदबा बनाते हुए नाइजीरिया के लागोस में चल रही अंडर-23 राष्ट्रमंडल तलवारबाजी चैंपियनशिप में चार स्वर्ण पदकों सहित 17 पदक जीते। रविवार से शुरू हुई और 14 अगस्त तक चलने वाली इस प्रतियोगिता के पहले दिन भारतीय टीम ने चार स्वर्ण, चार रजत और नौ कांस्य पदक जीते। भारतीय तलवारबाजी संघ के अनुसार भारत ने सेबर, फाईल और इंपी श्रेणियों की सभी छह व्यक्तिगत स्पर्धाओं में कम से कम एक पदक जरूर जीता। पुरुषों के सेबर में निखिल वाघ ने स्वर्ण पदक जीता। लक्ष्य बदसर ने रजत पदक हासिल किया, जबकि अश्विनी आर्य और लेशमन मोरान्वा ने कांस्य पदक जीते। पुरुषों की फाईल स्पर्धा में तेजस पाटिल ने रजत पदक और हेमेश सप्तसम ने कांस्य पदक जीता। पुरुषों की इंपी स्पर्धा में लोकेश वेमानी ने रजत पदक हासिल किया, जबकि शौर्य अश्विनी और गॉडविन अननबेस ने कांस्य पदक जीते। जोइस आशिता ने महिला फाईल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता, जबकि कनागलक्ष्मी ने रजत पदक हासिल किया। महिला इंपी स्पर्धा में प्राची लोहान ने स्वर्ण पदक जबकि निवेद्या नायर और अनुप्रिया ने कांस्य पदक जीते।



विश्व अंडर-20 चैंपियनशिप में भारत को 3 पदक, पूजा सिंह ने किया निराश

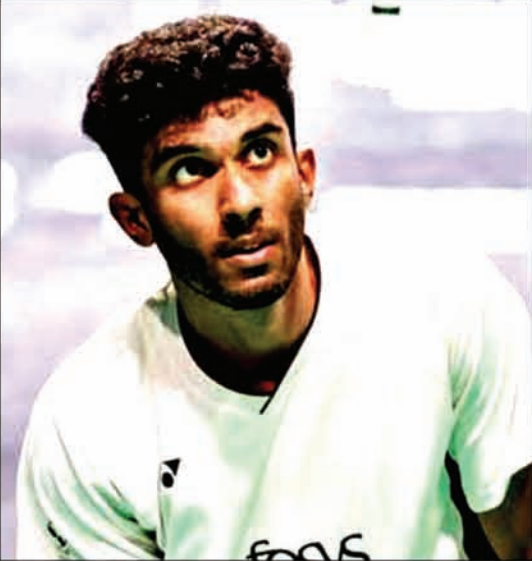
यूजीन राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक ऊंची कूद की एथलीट पूजा सिंह उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकीं और फाइनल में सातवें स्थान पर रहीं, जिससे भारत ने यहां विश्व एथलेटिक्स अंडर 20 चैंपियनशिप में तीन पदकों के साथ अपना अभियान समाप्त किया। 19 वर्षीय पूजा केवल 1.84 मीटर की ऊंचाई ही पार कर सकीं, जो उनके सीनियर स्तर पर राष्ट्रीय रिकॉर्ड 1.93 मीटर से काफी कम है। वह तीन प्रयासों में 1.87 मीटर की ऊंचाई पार करने में नाकाम रहीं। ऑस्ट्रेलिया की इजोबेल लुइसन-रो ने 1.92 मीटर के साथ स्वर्ण पदक जीता, जबकि हंगरी की लिलियाना बटोरी (1.90 मीटर) और स्पेन की ऐताना अल्लोसो (1.90 मीटर) ने क्रमशः रजत और कांस्य पदक हासिल किए।



रिले टीम रही अंतिम स्थान पर पूजा ने मई में 1.93 मीटर के सीनियर राष्ट्रीय रिकॉर्ड के साथ एशियाई अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता था। वह सीनियर एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में मौजूदा स्वर्ण पदक विजेता भी हैं। भारतीय महिला चार गुणा 400 मीटर रिले टीम फाइनल में नौवें और अंतिम स्थान पर रही। उसने तीन मिनट 45.28 सेकंड का समय लिखा।

विश्व चैंपियनशिप : शी से तीन बार हार चुके हैं 21 वर्षीय शेटी युकी से भिड़ेंगे आयुष, आक्रामक खेल से उलटफेर की तैयारी

नई दिल्ली भारत के युवा शटलर आयुष शेटी ने कहा कि वह अधिक आक्रामक खिलाड़ी बनने की कोशिशों में लगे हैं और उन्हें विश्वास है कि विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप के पहले दौर में चीन के विश्व में नंबर एक खिलाड़ी शी युकी के खिलाफ उनकी यह रणनीति कारगर साबित होगी। विश्व चैंपियनशिप में पदार्पण कर रहे आयुष ने कहा कि वह 17 अगस्त से शुरू होने वाली प्रतियोगिता में किसी बड़े खिलाड़ी का सामना करने के लिए मानसिक रूप से तैयार थे क्योंकि उन्हें वरीयता नहीं मिली है।



आयुष को नहीं मिली वरीयता आयुष ने कहा, 'मैं ड्रॉ लाइव देख रहा था। जैसे ही मुझे शी के साथ ड्रॉ का पता चला, मैं तैयार हो गया। मुझे चरखता नहीं मिली है और इसलिए मैं विश्व में नंबर एक खिलाड़ी का सामना करने के लिए मानसिक रूप से तैयार था।' विश्व रैंकिंग में 23वें स्थान पर काबिज 21 वर्षीय भारतीय खिलाड़ी आयुष अभी तक शी से तीन बार हार चुके हैं, जिसमें एशियाई बैडमिंटन चैंपियनशिप (एबीसी) का फाइनल भी शामिल है, लेकिन उनका मानना है कि इससे उन्हें काफी सीख मिली है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं उससे तीन बार हारा हूं। मुझे काफी कुछ सीखने को मिला, खासकर एबीसी फाइनल में। वह रणनीतिक मामलों में मुझसे बेहतर था लेकिन हम कड़ी मेहनत कर रहे हैं और मैं पहले से ज्यादा मजबूत महसूस कर रहा हूं।'

इंडोनेशिया के कोच प्रतामा से ट्रेनिंग ले रहे आयुष

आयुष ने कहा, 'वह निश्चित रूप से कड़ा प्रतिद्वंद्वी है। मुझे एबीसी फाइनल याद है, वह पूरी तैयारी के साथ आया था। मैंने अपने खेल में सुधार किया है। मैं उस मैच का विश्लेषण कर रहा हूं और मानसिक पहलु पर भी ध्यान दे रहा हूं। उसके खिलाफ आपको वाकई कड़ी मेहनत करनी होगी।' आयुष इंडोनेशिया के रहने वाले कोच इरवानस्याह आदि प्रतामा के मार्गदर्शन में अभ्यास कर रहे हैं। वह पीवी सिधु के भी कोच हैं। उन्होंने कहा, 'हम कड़ा अभ्यास कर रहे हैं। मैं फुर्तीला, तेज और आक्रामक बनने की कोशिश कर रहा हूं। यह युवा खिलाड़ी सिधु के साथ अभ्यास में कर रहा है, जिससे उन्हें अपने आक्रामक खेल को निखारने में मदद मिली है।'



7 डॉग्स 21 को होगी रिलीज सलमान-संजय आएंगे नजर

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान और संजय दत्त 26 साल बाद फिर से एक साथ स्क्रीन शेयर करते हुए नजर आएंगे। चल भरे भाई और साजन जैसी फिल्मों में साथ काम कर चुके सलमान और संजय की आगामी फिल्म 7 डॉग्स है। 7 डॉग्स एक इंटरनेशनल फिल्म है, जिसमें सलमान खान और संजय दत्त भी अहम भूमिकाएं निभाने वाले हैं।

मोस्ट एंटीसिपेटेड फिल्म का टीजर भी आ गया है। यह फिल्म भारतीय सिनेमाघरों में 21 अगस्त को आ रही है। आदिल अल अखी और बिलाल फल्लाह के निर्देशन में बनी सड़की अरब की एक्शन फिल्म 7 डॉग्स की कहानी एक इंटरपोल अधिकारी और एक अपराधी के इर्द-गिर्द घूमती है जो एक अंतरराष्ट्रीय आपराधिक नेटवर्क के खिलाफ मिलकर काम करते हैं।

लाइफ Style

नयनतारा

टॉक्सिक के लिए तोड़ा नो प्रमोशन रुल

दक्षिण भारतीय सिनेमा की लोकप्रिय और चर्चित अभिनेत्रियों में नयनतारा अमरेंतर पर न तो ज्यादा इंटरव्यू देती है और न ही अपनी फिल्मों के प्रमोशनल इवेंट्स, ट्रेलर लॉन्च या प्री-रिलीज कार्यक्रमों में नजर आती हैं। यही वजह है कि जब भी वह किसी फिल्म के प्रमोशनल कार्यक्रम में पहुंचती है, तो यह चर्चा का विषय बन जाता है।

इस बार भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला, जब वह यश की आने वाली फिल्म 'टॉक्सिक' के ट्रेलर लॉन्च कार्यक्रम में पहुंचीं। अभिनेत्री ने खुद बताया कि उन्होंने इस इवेंट में शामिल होने के लिए अपने पुराने नियम में बदलाव क्यों किया। नयनतारा जल्द ही यश स्टारर फिल्म टॉक्सिकमें गंगा के किरदार में नजर आने वाली हैं। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के दौरान उन्होंने फिल्म को लेकर अपनी बात रखी। हालांकि, सबसे ज्यादा ध्यान उनकी उस बात ने खींचा, जिसमें उन्होंने प्रमोशनल इवेंट्स से दूरी बनाने की वजह बताई। नयनतारा ने कहा, 'मुझे प्रमोशनल इवेंट्स में शामिल होने में कोई परेशानी नहीं है, लेकिन मैं इस तरह के कार्यक्रमों में अच्छी नहीं हूँ। मुझे लगता है कि ऐसे कार्यक्रमों में मैं उस तरह से सहज नहीं हो पाती, जिस तरह दूसरे कलाकार आसानी से अपनी बात रखते हैं। इसलिए मैं अक्सर प्रमोशनल इवेंट्स से दूर रहना ही पसंद करती हूँ। मेरा इन कार्यक्रमों से दूर रहना किसी तरह की नाराजगी या अपनी फिल्मों के प्रति कम दिलचस्पी की वजह से नहीं है।' टॉक्सिक के मामले में नयनतारा ने बताया कि इस बार कार्यक्रम में शामिल होने के पीछे कई वजहें थीं, लेकिन सबसे बड़ी वजह यश थे।



हॉलीवुड मसाला

साई-फाई एक्शन में प्रियंका की एंट्री

नई दिल्ली। प्रियंका चोपड़ा हॉलीवुड की बड़ी स्टार बन चुकी हैं। बॉलीवुड में पहचान हासिल करने के बाद उन्होंने इंटरनेशनल फिल्मों में काम किया और आज के समय में 'देसी गर्ल' विदेशी फिल्मों में लीड रोलर्स से सफलता का परचम लहरा रही हैं। वह एक के बाद एक हॉलीवुड फिल्मों में कर रही हैं। वो भी बतौर लीड। प्रियंका चोपड़ा की एक और फिल्म की अनाउंसमेंट हो गई है। द ब्लफ और हेड्स ऑफ स्टेट के बाद प्रियंका ने अपकमिंग साई-फाई एक्शन थ्रिलर ब्लूलाई साइन कर ली है।



द ओडिसी ने तोड़ा नोलन की फिल्मों का रिकार्ड

नई दिल्ली। फिल्म निर्माता और निर्देशक क्रिस्टोफर नोलन की हालिया रिलीज फिल्म 'द ओडिसी' को दर्शकों ने जमनकर प्यार दिया है। इतना कि यह फिल्म अब उनके कैरियर की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन चुकी है। यहां जाने फिल्म ने अब तक कितनी कमाई कर ली है। साथ ही पढ़ें कि इसने अब तक किन फिल्मों का रिकार्ड तोड़ा है? फिल्म ओडिसी ने अपनी रिलीज के पहले दिवस से ही दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर तगड़ी कमाई की थी। यूनिवर्सल पिक्चर्स ने रविवार को फिल्म के कलेक्शन से जुड़ी जानकारी साझा की। मेकर्स ने बताया कि 'द ओडिसी' ने नोलन की पिछली फिल्मों के कलेक्शन का रिकार्ड भी तोड़ दिया। दुनियाभर में 10.515.99 करोड़ रुपये कमाकर 'द ओडिसी' नोलन की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन चुकी है।

सितंबर से पहले पूरी करेंगी राका की शूटिंग

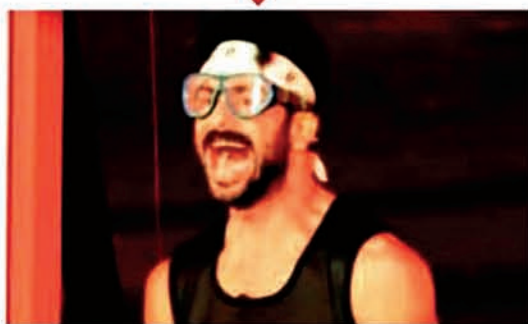
मुंबई। दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह एक बिटिया दुआ के माता-पिता हैं। कपल के परिवार में एक बार फिर किलकारी गुंजन वाली है। 'दीपवीर' अपने दूसरे बच्चे का स्वागत करेंगे। दीपिका आठ माह की गर्भवती हैं। अगले महीने उनके घर किलकारी गुंजेगी। इससे पहले वे 'राका' की शूटिंग पूरी कर रही हैं। रिपोटर्स के मुताबिक, दीपिका पादुकोण सितंबर में अपनी डिलीवरी से पहले-पहले 'राका' की शूटिंग पूरी करने वाली हैं। आठ महीने की प्रेग्नेसी में भी दीपिका फिल्म की शूटिंग जारी रखे हुए हैं। खबर है कि जरूरत पड़ने पर वह देर रात तक काम कर रही हैं। फिल्मफेयर के मुताबिक, प्रोडक्शन से जुड़े एक सूत्र ने बताया, 'दीपिका आठ माह की गर्भवती हैं। अगले महीने वे बच्चे को जन्म देंगी। इन दिनों दीपिका पादुकोण आठ माह की गर्भावस्था में भी 'राका' की शूटिंग कर रही हैं।



फिर साथ काम करेंगे जॉन और शिवम

मुंबई। फिल्म 'द डिप्लोमेट' के बाद जॉन अब्राहम एक बार फिर शिवम नायर की फिल्म में नजर आने वाले हैं। ऐसी चर्चा है कि दोनों ने आगामी प्रोजेक्ट के लिए हाथ मिलाया है। रिपोटर्स के मुताबिक, दोनों जिस एक्शन थ्रिलर फिल्म पर काम कर रहे हैं, उसका अभी कोई नाम नहीं रखा गया है। इसमें दो मेल लीड होंगे। रिपोटर्स के मुताबिक जॉन की अगली फिल्म एक कर्मशियल एंटरटेनर होगी। इसे शिवम नायर के अब तक के सबसे मेनस्ट्रीम प्रोजेक्ट्स में से भी एक बताया जा रहा है। हालांकि, फिल्म की बाकी कास्ट और दूसरे हिरो को लेकर अभी कोई जानकारी नहीं है। बॉलीवुड हंगामा के अनुसार, शुरुआती बातचीत के दौरान ही जॉन अब्राहम को यह प्रोजेक्ट पसंद आ गया। पोर्टल की रिपोर्ट के मुताबिक, 'जॉन इस कॉन्सेप्ट से बहुत प्रभावित हुए।

टीवी मसाला



खतरों के खिलाड़ी 15 : पहले ही हफ्ते बाहर हुए विशाल

नई दिल्ली। रॉहित शेट्टी के शो 'खतरों के खिलाड़ी 15' की शुरुआत हो चुकी है और शो से पहला एलिमिनेशन भी हो गया है। इन एलिमिनेशन के वकते सोशल मीडिया यूजर मायूस हो गए हैं, क्योंकि किसी को उम्मीद नहीं थी कि पहले ही हफ्ते में शो से इतना मजबूत कंटेस्टेंट बाहर हो जाएगा। 'खतरों के खिलाड़ी' के इस सीजन में नए कंटेस्टेंट्स के साथ-साथ पुराने खिलाड़ियों ने भी हिस्सा लिया है और खिलाड़ी नए-पुराने दो गुप में परफॉर्म कर रहे हैं।

आकाश, समीर और सिड आज भी वैसे ही लगते हैं : फरहान

मुंबई। एक्टर आमिर खान, सैफ अली खान और अक्षय खन्ना की आइकॉनिक फिल्म 'दिल चाहत है' को सोमवार को रिलीज हुए 25 साल हो गए। फिर भी इस फिल्म का जादू आज भी फैंस के दिलों में मौजूद है। इस खास मौके पर फरहान अख्तर ने भी एक इमोशनल पोस्ट शेयर किया है। दिल चाहत है के 25 साल पूरे होने पर एक्टर



फरहान अख्तर ने एक खास पोस्ट शेयर की। पोस्ट में उन्होंने फिल्म के 25 साल पूरे होने पर बधाई दी। साथ ही इमोशनल कैप्शन लिखते हुए उन्होंने कहा- 'यकीन ही नहीं हो रहा कि 25 साल हो गए आकाश, समीर और सिड तो आज भी वैसे ही लगते हैं, जैसे एक दिन भी बड़े नहीं हुए। दिल से शुक्रिया आप सभी दर्शकों का, जिन्होंने इसे आज तक जिंदा रखा और इतना खास बनाए रखा। आप सबको देर सारा प्यार। बात दें कि यही वो फिल्म थी, जिससे फरहान अख्तर ने अपने निर्देशन कैरियर की शुरुआत की थी। इस फिल्म को लेकर दिलचस्प बात यह है कि फरहान ने अपनी पहली फिल्म तब लिखी थी जब वह जीवन को लेकर उलझन में थे।

उस समय में हिंदी सिनेमा कुछ अलग पैमानों पर फिल्में बनाई जाती थीं, लेकिन फरहान ने अपने दिल की सुनी और एक ऐसी फिल्म बनाई जिसने उन पैमानों को तोड़ दिया। इस फिल्म ने गोवा में टूरिज्म को भी बढ़ावा देने में काफी मदद की। इस खास मौके पर फरहान अख्तर ने एक और पोस्ट शेयर की है। ये पोस्ट युवा फिल्ममेकर्स जुड़ी है। दरअसल दिल चाहत है निर्देशक के तौर पर फरहान अख्तर की पहली फिल्म थी। इसके 25 साल पूरे होने पर फरहान और भारतीय प्रोड्यूसर हैं। वहीं, कालीन मेया के रोल में नजर आ रहे हैं। फिल्म 'मिर्जापुर' द मूवी का ट्रेलर रिलीज होगा। इससे पहले मेकर्स ने इसके कुछ पोस्टर साझा किए हैं, जिनमें पंकज त्रिपाठी के अलावा तीन अन्य कलाकार दमदार अंदाज में नजर आ रहे हैं। फिल्म 'मिर्जापुर' द मूवी के नए पोस्टर में गुड्डू पंडित के रोल में अली फजल और बबलू पंडित के किरदार में जितेंद्र कुमार दिखाई दे रहे हैं। वहीं, कालीन मेया के रोल में पंकज त्रिपाठी और दिव्यदू मुन्ना मेया के रोल में नजर आ रहे हैं।

मिर्जापुर द मूवी के नए पोस्टर जारी एक्शन अंदाज में दिखे कलाकार

मुंबई। जल्द ही पंकज त्रिपाठी अभिनीत फिल्म 'मिर्जापुर द मूवी' का ट्रेलर रिलीज होगा। इससे पहले मेकर्स ने इसके कुछ पोस्टर साझा किए हैं, जिनमें पंकज त्रिपाठी के अलावा तीन अन्य कलाकार दमदार अंदाज में नजर आ रहे हैं। फिल्म 'मिर्जापुर' द मूवी के नए पोस्टर में गुड्डू पंडित के रोल में अली फजल और बबलू पंडित के किरदार में जितेंद्र कुमार दिखाई दे रहे हैं। वहीं, कालीन मेया के रोल में पंकज त्रिपाठी और दिव्यदू मुन्ना मेया के रोल में नजर आ रहे हैं।



रहे हैं। यह पोस्टर फिल्म के ट्रेलर रिलीज से दो दिन पहले मेकर्स ने जारी किए हैं। इस फिल्म का ट्रेलर 11 अगस्त को रिलीज होगा। इस फिल्म में कई जाने-पहचाने किरदारों की

वापसी हो रही है। यह कहानी चर्चित सीरीज से बड़े पर्दे पर आ रही है। जितेंद्र कुमार 'बबलू पंडित' का किरदार निभा रहे हैं, जिसे पहले सीरीज में विकास मैसी ने निभाया था। वह पोस्टर में बंदूक लिए नजर आ रहे हैं। वहीं अली फजल 'गुड्डू पंडित' के रोल में दिख रहे हैं, जिनके हाथ में भी गन है। दोनों का यह अंदाज फैंस का पसंद आया है। फिल्म 'मिर्जापुर' द मूवी 4 सितंबर, को दुनिया भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। यह हिंदी और तेलुगु भाषा में भी रिलीज होगी। इसमें रवि किशन, अभिषेक बनर्जी, रसिका दुगल, मोहित मलिक, शोभा चव्हा, राजेश तेलंग, प्रमोद पाठक, श्रिया पिलगांवकर, हर्षिता शेखर गोड, श्वेता त्रिपाठी, सोनल एस चोहान, अनंशु बिस्वास, शाजी चौधरी, सतेन्द्र सोनी, कुलभूषण खरबंदा और सुशान्त सिंह भी नजर आएंगे। गुरुमीत सिंह द्वारा यह फिल्म निर्देशित की गई है। वहीं पूनीत कृष्णा इसके लेखक हैं। इसे रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर ने प्रोड्यूस किया है, जबकि कासिम जगमगिया और विशाल रामचंद्रानी को-प्रोड्यूसर हैं।

JHARKHAND EDUCATION CENTER

T.L. No.: (RAN54082621210695)

We Offer All Courses From Board, Council and Institutions

MATRIC	VOCATIONAL	IIT
MANAGEMENT	ENGINEERING	AICTE
INTERMEDIATE	UG & PG	LAW
NCTE	MBBS	ANM & GNM

We here to help you...

House No. 01, Singh Mansion, Shanti Nagar, Hatia, Ranchi-03

+91 9431360101

info.jharkhandeducationcenter@gmail.com

www.jharkhandeducationcenter.com